फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 227 प्रभात जयपुर, सोमवार 18 मार्च, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

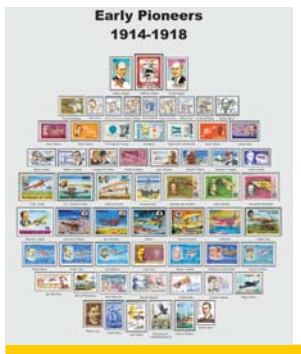


**Early Pioneers 1914-1918**

By 1914, the competition between the aviators was raging and that was reflected in World War I which was not long in coming.

**Pandemic Changed Personality Traits**

Over the course of the pandemic, people became more conscientious, even more so in the later months of the pandemic.

# 'मोदी राजा की आत्मा सी.बी.आई., ई.डी. और ई.वी.एम. में बसती है'

**■ राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा'' की समापन रैली को संबोधित करते हुये कहा कि, जनता के मुद्दे आज मीडिया से गायब हो चुके हैं, इन्हीं मुद्दों को सामने लाने के लिए उन्हें यह यात्रा करनी पड़ी।**

मुंबई, 17 मार्च। कांग्रेस नेता और वायनाड के सांसद राहुल गांधी की ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा'' का मुंबई में रविवार को समापन हो गया। इस मौके पर मुंबई के शिवाजी पार्क में एक अहम रैली आयोजित की गई, जिसमें भाजपा विरोधी विपक्षी दलों मतलब इंडिया गठबंधन के कई नेता भी शामिल हुए और इस दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर करारा हमला बोला। राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी को राजा बताते हुए कहा कि, राजा की आत्मा ई.वी.एम., सी.बी.आई. और ई.डी. में बसती है।

राहुल गांधी ने अपनी दोनों यात्राओं को लेकर कहा कि, पिछले साल हमने कन्याकुमारी से कश्मीर तक यात्रा की। अगर मैं आपसे 2004, 2010, 2014 में पूछता कि, मुझे 4 हजार किमी कन्याकुमारी से कश्मीर चलना पड़ेगा, मै। ऐसा सोच भी नहीं सकता था। ये यात्रा हमें क्यों करनी पड़ी? देश का कम्युनिकेशन सिस्टम, मीडिया या सोशल मीडिया, देश के हाथ में नहीं है। जनता के मुद्दे बेरोजगारी, हिंसा, नफरत, महंगाई, किसानों, अग्निवीर के मुद्दे आपको मीडिया में नहीं दिखेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि, हमको ये यात्रा इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि कोई और चारा नहीं था। देश के ध्यान को पकड़ने के लिए हमने यह यात्रा की है। सिर्फ राहुल गांधी नहीं चला, हिंदुस्तान का पूरा विपक्ष, कई नेता इस यात्रा में शामिल हुए। सोशल मीडिया में भी किसी ने कहा- सोशल मीडिया रास्ता है, लेकिन ये सच नहीं है।

भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि, किसी ने कहा कि, राजा की आत्मा ई.वी.एम., सी.बी.आई. और ई.डी., इनकम टैक्स में है। इसी राज्य के एक वरिष्ठ नेता कांग्रेस छोड़ते हैं और मेरी मां

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## मुस्लिम संगठनों ने जुमे पर लोकसभा चुनाव कराने पर आपत्ति जतायी

कोझिकोड, 17 मार्च (वार्ता)। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की मुख्य सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और समस्त केरल सुन्नी स्टूडेंट्स फेडरेशन (एसकेएसएस एफ) जैसे कुछ अन्य मुस्लिम संगठनों ने चुनाव आयोग से केरल और तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए घोषित मतदान दिवस, 26 अप्रैल को शुक्रवार होने के कारण इस दिन मतदान स्थगित करने की अपील की है। शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय का पवित्र दिन माना जाता है।

मुस्लिम संगठनों ने संयुक्त रूप से

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# मु.मंत्री भजनलाल शर्मा के निवास पर सी.पी. जोशी व विधायक आक्या के बीच सुलह हुई

**देर रात तक चली बैठक, बैठक में दोनों नेताओं के मनमुटाव दूर हुए**

जयपुर, 17 मार्च (का.सं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी और चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के बीच शनिवार देर रात सुलह हो गई। दोनों के बीच लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत करने पर सहमति बनी है। शनिवार देर रात तक जयपुर स्थित मुख्यमंत्री हाउस ओ.टी.एस. में लम्बी बैठक चली।

मुख्यमंत्री भजनलाल की मौजूदगी में निंबाहेड़ा विधायक श्रीचंद्र कृपलानी, प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या मीटिंग में रात 1 बजे तक रहे। इस बैठक की मध्यस्थता निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने की। उसके बाद विधायक चंद्रभान सिंह अब पूरा समर्थन भाजपा को देने के लिए राजी हो गए। बैठक में भाजपा से निष्कासित कार्यकर्ताओं को भी वापस पार्टी में लेने की बात हुई है। इन कार्यकर्ताओं को दो दिन बाद औपचारिक रूप से पार्टी जॉइन करवाई जाएगी। यह वो भाजपा कार्यकर्ता हैं, जो विधानसभा चुनाव के दौरान निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह के साथ जुटे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता श्रीचंद कृपलानी लगातार दोनों नेताओं का मनमुटाव को खत्म करने की कोशिश कर रहे थे। इसी बीच चंद्रभान सिंह ने लोकसभा में भी खुद के चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी। इसके बाद दोनों के बीच चल रही कोल्ड वॉर फिर से सामने आने लगी थी। विधायक चंद्रभान सिंह के समर्थकों की संख्या ज्यादा है। ऐसे में दोनों नेताओं के टकराव से कांग्रेस को फायदा मिलने की आशंका थी। सी.पी. जोशी और आक्या

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निवास पर प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई, जिसमें पुराने गिले-शिकवे दूर हुए।

**■ मुख्यमंत्री भजनलाल की मौजूदगी में निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद्र कृपलानी, प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या मीटिंग में रात 1 बजे तक रहे।**

# डी.एम.के. ने भगवान राम के जवाब में स्थानीय देवता मुरुगन को उतारा

**-लक्ष्मण वैंकट कुची-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

**अयोध्या में भव्य मंदिर के निर्माण के बाद जमीनी स्तर पर तमिलनाडू में भी काफी जिज्ञासा व ''इन्टरैस्ट'' दिख रहा है आम जनता में**

**■ मुख्यमंत्री स्टालिन की डी.एम.के. सरकार इस चुनाव के माहौल में जनता में जोर पकड़ती धार्मिक भावना से कैसे और कब तक अछूती रह सकती थी।**

**■ पर भगवान राम की ही बात करना तो भाजपा के प्रपोगैण्डा को मजबूती देना होता, अतः तमिलनाडू सरकार ने स्थानीय देवता मुरुगन को आगे किया।**

नई दिल्ली, 17 मार्च। भगवान राम के अयोध्या स्थित भव्य मंदिर के दर्शन करने के लिए दक्षिण भारत के पांच राज्यों के लोगों में जबरदस्त उत्साह और दिलचस्पी है, लेकिन यह मुद्दा अपने आप में इतना बड़ा नहीं है कि राम मंदि के निर्माण का श्रेय लेने वाली पार्टी भाजपा को इससे वोट मिल जाएं।

हालांकि, देश के अन्य भागों की बनिस्पत दक्षिण भारत के लोगों की धर्म और आध्यात्म में आस्था अधिक है, लेकिन उनके लिए धर्म और धर्म की साधना एक व्यक्तिगत विकल्प होता है और लोग व्यक्तिगत रूप से धर्म से जुड़े हुए नहीं हैं। इसके अलावा यहाँ भगवान राम के प्रति श्रद्धा और आदर तो है, लेकिन वह यहाँ के अकेले आराध्य देव नहीं हैं। यहाँ भगवान राम को भी जनता के ध्यानाकर्षण के लिए स्थानीय देवी-देवताओं से प्रतिस्पर्धा करनी होगी, जैसे कि तिरूपति के भगवान बालाजी, मदुरै का मीनाक्षी देवी मंदिर और रंगनाथ स्वामी (भगवान विष्णु का एक स्वरूप), चिदम्बरम में भगवान नटराज (भगवान शिव) आदि, इसके अलावा भी और कई देवी-देवताओं के पवित्र मंदिर यहाँ हैं।

ज्ञातव्य है कि करीब चार साल पहले भाजपा ने तमिलनाडू में अपने

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

MARUTI SUZUKI COMMERCIAL

नई सुपर कैरी, सुपरपावर के साथ!

भारत का सबसे शक्तिशाली मिनी ट्रक*

सुपर पावरफुल इंजन के साथ सुपर परफॉर्मेंस

सुपर हैंडलिंग और स्थिरता

सुपर कंफर्ट

सुपर सुरक्षित, इंजन इमोबिलाइज़र के साथ और 18+ सुरक्षा विशेषताएं

CNG + PETROL
CNG + 5L आपातकालीन पेट्रोल टैंक
सुपर माइलेज

HIGHEST OFFER EVER
₹72 500*

NEW SUPER CARRY

WWW.MARUTISUZUKICOMMERCIAL.COM | पूछताछ के लिए टोल फ्री नंबर पर कॉल करें: 1800 102 1800/1900 1800 150

एक्सक्लूसिव मारुति सुजुकी कमर्शियल शोरूमः जयपुरः

विपुल मोटर्सः जी–17, जी–18, ओके प्लस स्पेसेस, एपेक्स सर्कल रोड के पास, मालवीय इंडस्ट्रियल एरिया, कॉलः 9414854863

सतनाम मोटोकॉर्पः 77, 78, 90 शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, कॉलः 8955259303

के.टी.एल. मोटर्सः पी. नं. 21–22, शिव शंकर कॉलोनी, गोपालपुरा बाईपास, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास, कॉलः 7412068428

के.पी. ऑटोमोटिव्सः डी–12, गोविंद मार्ग, पिंक स्क्वायर मॉल के पास, आदर्श नगर, कॉलः 6377203701

प्रेम मोटर्सः डी–125, बी–1, रोड नं. 9, VKI एरिया, सीकर रोड, जयपुर, कॉलः 8058791626

टी.एम. मोटर्सः एग्ज़िबिशन रोड, कुम्हेर गेट, भरतपुर कॉलः 9672578645

औरिक मोटर्स शॉप न.: 7, स्टेट वुलन मिल, बीछवाल मार्केट, श्रीगंगानगर रोड, बीकानेर कॉलः 7230067227

एम.जी. मोटर्सः 200 फीट बाईपास, नमन होटल के पास, अलवर कॉलः 9828012906, 9610666681

फॉर्च्यून कार्सः खसरा नं. 656/431, अलवर बाईपास रोड, सैदपुर, भिवाड़ी कॉलः 9214794332

जामू ऑटोमोबाइल्सः एफ56, औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर रोड, सीकर, कॉलः 9785487727

नियम व शर्तें लागू। रचनात्मक दृश्यांकन। रोशनी के प्रभाव के कारण वाहन का शीशा काला दिखाई दे रहा है। हो सकता है दिखाए गए फीचर और एक्सेसरीज़ सामान्य फिटिंग का हिस्सा न हों। छवियाँ केवल उदाहरण मात्र हैं। *दावे का सत्यापन JATO डायनेमिक्स द्वारा 27-03-2023 को किया गया है।

## विचार बिन्दु

**निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी**

# सरकार के भी हित में है पारदर्शिता

बात इस या उस राजनीतिक दल की नहीं है। बात सारे ही राजनीतिक दलों की है। बात राजनीतिक दलों से हमारे अर्थात आम नागरिक के रिश्तों की है। इस बात का तात्कालिक संदर्भ तो चुनावी बॉण्ड्स को लेकर चल रही चर्चाएं ही है। नरेंद्र मोदी सरकार ने चुनावी बॉण्ड्स की योजना यह कहते हुए शुरू की थी कि इससे राजनीतिक फण्डिंग में पारदर्शिता आएगी। तत्कालीन मंत्री (अब स्वर्गीय) अरुण जेटली ने भी यह कहा था कि इस योजना से चुनावी फण्डिंग पारदर्शी हो जाएगी। उनके अनुसार, और इससे सभी सहमत हैं, बिना पारदर्शिता के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव मुश्क़िल हैं। स्मरणीय है कि इस योजना के आने से पहले राजनीतिक फण्डिंग के रूप में सत्तर फीसदी पैसा नकद में दिया जाता था, यद्यिप बीस हज़ार रुपये से अधिक का चंदा देने पर चुनाव आयोग को बताना होता था और उस पर राजनीतिक छूट भी मिलती थी। वर्तमान भाजपा सरकार ने जब वर्ष 2017-18 के बजट से इन चुनावी बॉण्ड्स की घोषणा की तो यह उम्मीद बंधी थी कि इस योजना की वजह से सब कुछ पारदर्शी हो जाएगा और जिनकी यह जानने में दिलचस्पी है, और जो यह जानकर किन्हीं निष्कर्षों तक पहुंच सकते हैं–जैसे पत्रकार या राजनीतिक विश्लेषक– वे यह जान सकेंगे कि किसने किस दल को कितना चंदा दिया।

लेकिन ऐसा हुआ नहीं। नाम भले ही पारदर्शिता का लिया गया, परिणाम में पारदर्शिता कहीं नहीं थी। बहुत दिनों तक इधर-उधर टीका टिप्पणी होती रही, लेकिन उनसे भला सरकार क्यों विचलित होने लगी। अंततः सर्वोच्च न्यायालय के द्वार पर गुहार लगा कर इसे चुनौती दी गई और लम्बे इंतज़ार के बाद 15 फ़रवरी, 2024 को सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बॉण्ड्स को रद्द कर देने का अपना ऐतिहासिक फ़ैसला सुना कर चल रही आशंकाओं को उचित माना। सर्वोच्च न्यायालय की पांच जजों की संविधान पीठ ने याचिका कर्ताओं की मांग को उचित मानते हुए बॉण्ड जारी करने वाले स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया को आदेश दिया कि वह 12 मार्च 2024 तक सारी जानकारी सार्वजनिक करे और चुनाव आयोग इस जानकारी को 15 मार्च की शाम पांच बजे तक अपनी वेबसाइट पर डाल दे। इस तरह माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने इस जानकारी के सार्वजनिक करने की मांग को भी उचित माना और इस वित्तीय लेन-देन को पूर्णतः पारदर्शी बनाने की राह सुगम बना दी। लेकिन यह ज़रूरी तो नहीं कि जैसा आम नागरिक चाहते हैं, वैसा ही अन्य पक्ष भी चाहें। सच बात तो यह है कि हमारे यहां जो भी शक्तिशाली हैं वे पारदर्शिता के खिलाफ़ हैं। लम्बी लड़ाई के बाद हमें सूचना का अधिकार मिला, लेकिन अब यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि कैसे संबद्धअधिकारियों व संस्थाओं ने इस अधिकार को लुंज-पुंज बनाकर पटक दिया है। वे सामान्य से सामान्य जानकारियां भी देने से मना कर देते हैं और आप असहाय हाथ मलते रह जाते हैं।

कुछ ऐसा ही इन चुनावी बॉण्ड्स के मामले में भी होता प्रतीत होता है। पहले तो भारतीय स्टेट बैंक ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई अंतिम तिथि से ठीक एक दिन पहले यह जानकारी देने में अपनी असमर्थता ज़ाहिर करते हुए इसके लिए जून 2024 तक का समय मांगा। जून तक का समय चाहने के पीछे जो मंशा देखी गई, उसका ज़िक्र करने की ज़रूरत नहीं होनी चाहिए। लेकिन जब सर्वोच्च न्यायालय अपने फैसले पर दृढ़ रहा तो स्टेट बैंक ने तुरंत वह सारी जानकारी ज़ारी कर दी, जिसको देने के लिए उसने एक दिन पहले जून तक का समय मांगा था। यह सवाल हर विवेकशील के मन में उठना चाहिए कि अगर भारतीय स्टेट बैंक यह सारी जानकारी एक दिन में दे सकने में समर्थ था तो वह जून तक का समय क्यों मांग रहा था। ऐसा करने के पीछे उसका कोई स्वार्थ था, या किसी अन्य का स्वार्थ था!

**आज सूचना प्रौद्योगिकी के समय में यह बहाना तो कोई कर ही नहीं सकता कि यह सारी जानकारी देना बहुत श्रमसाध्य है। चुनावी चंदे को लेकर बहुत बार यह बात भी कही जाती है कि किसी दानदाता के दान की जानकारी प्रकट हो जाना उसके व्यावसायिक हितों को आहत कर सकता है। मसलन अगर राजनीतिक दल ब को यह पता लग जाए कि अमुक व्यवसायी ने राजनीतिक दल अ को इतना चंदा दिया है तो वह उससे नाराज़ होकर उसके हितों को आहत कर सकता है।**

भारतीय स्टेट बैंक ने अंततः जानकारी का बड़ा हिस्सा ज़ारी कर दिया, और इस जानकारी के अनुसार एक अप्रैल 2019 से 15 फ़रवरी, 2024 तक 12,516 करोड़ रुपये का राजनीतिक चंदा इन बॉण्ड्स के माध्यम से दिया गया। बैंक ने दो सूचियां दी हैं जिनमें से एक में बॉण्ड खरीदने वालों की जानकारी है और दूसरी में राजनीतिक दलों को मिले बॉण्ड्स का विवरण है। इस तरह यह तो ज्ञात हो गया कि किस दल को कितनी राशि मिली है। इस जानकारी के अनुसार सत्तारूढ़ भाजपा को सर्वाधिक 6,060 करोड़ रुपये चंदे के रूप में मिले हैं। यह जानकारी किसी के लिए भी चौंकाने वाली नहीं है। चंदे के मामले में सत्तारूढ़ दल सदा ही लाभ की स्थिति में रहता है। आज भाजपा सत्ता में है तो वह शीर्ष पर है, कल को कोई और दल होगा तो वह शीर्ष पर रहेगा। यह बहुत स्वाभाविक है। लेकिन जहां तक बात पारदर्शिता की है, विश्लेषक यह जानना चाहते थे कि किस (व्यवसायी या व्यक्ति या संस्था) ने किस दल को कितनी राशि का चंदा दिया। इस जानकारी से कार्यकारण सम्बंध स्थापित होता। लेकिन जो शक्तिशाली हैं शायदवे नहीं चाहते कि ऐसा हो। इसलिए स्टेट बैंक ने जो जानकारी दी, उसमें उन्होंने एक कमाल कर दिया। उसने वह अल्फान्यूमरिक कोड, जो हर बॉण्ड पर मुद्रित रहता है, सार्वजनिक नहीं किया। इस कोड के सार्वजनिक हो जाने पर यह मिलान सम्भव हो जाता कि किस दानी ने किस दल को कितनी राशि दी। इस खेल के बाद फिर से सर्वोच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया गया और उसने स्टेट बैंक को आदेश दिया है कि वह यह जानकारी भी एक निश्चित समय तक सार्वजनिक करे। अब देखना है कि स्टेट बैंक के झोले में और कौन-से बहाने हैं! वैसे जितनी जानकारी सार्वजनिक हुई है वह भी काफी दिलचस्प है। मसलन, एक कंपनी का टर्न ओवर 500 करोड़ का है और उसने चंदा दिया है 410 करोड़ का। किसी ने फुर्सत में गणना की तो उसने पाया कि 500 करोड़ के टर्न ओवर वाली इस कंपनी ने 560 करोड़ के चुनावी बॉण्ड खरीदे हैं! बताइये, इस दानवीरता को क्या नाम देंगे? बात यहीं ख़त्म नहीं होती। इस कंपनी का मालिक एक अन्य कंपनी का अकाउण्ट्स हेड मात्र है! इस एक उदाहरण से यह समझा जा सकता है कि पारदर्शिता की राह में रोड़े अटकाना साभिप्राय है! यहीं यह भी बता दें कि भारतीय स्टेट बैंक ने केवल 18,871 बॉण्ड्स के बारे में ही जानकारी दी है जबकि उसे जानकारी 22,217 बॉण्ड्स के बारे में देनी थी। 3,346 बॉण्ड्स के बारे में जानकारी न देने के पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

जब इस चुनावी चंदे की जानकारी की चर्चा हो रही है तो यह बात भी याद आना स्वाभाविक है कि हमारे यहां राष्ट्रीय आपदाओं में मदद के लिए प्रधानमंत्री सहायता कोष के होते हुए भी कोरोना विभीषिका के समय एक और कोष बनाया गया, और उस कोष को सूचना के अधिकार की परिधि से बाहर रखा गया। यह जान पाना मुश्क़िल है कि किसी भी सरकार के लिए अपने नागरिकों को यह बताने में क्या आपत्ति हो सकती है कि एक सहायता कोष में किसने कितना दान दिया और उस राशि का उपयोग कहां हुआ। यही बात चुनावी चंदे को लेकर भी है। आखिर इसे क्यों छिपाया जाना चाहिए-अगर इरादे नेक हों-कि किसने किस दल को कितना चंदा दिया! जब आप छिपाते हैं तो आपकी मंशा पर भी उंगलियां उठती हैं।

आज सूचना प्रौद्योगिकी के समय में यह बहाना तो कोई कर ही नहीं सकता कि यह सारी जानकारी देना बहुत श्रमसाध्य है। कभी हुआ करता था, आज नहीं रह गया है। चुनावी चंदे को लेकर बहुत बार यह बात भी कही जाती है कि किसी दानदाता के दान की जानकारी प्रकट हो जाना उसके व्यावसायिक हितों को आहत कर सकता है। मसलन अगर राजनीतिक दल ब को यह पता लग जाए कि अमुक व्यवसायी ने राजनीतिक दल अ को इतना चंदा दिया है तो वह उससे नाराज़ होकर उसके हितों को आहत कर सकता है। पहली बात तो यह कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस आपत्ति को नहीं माना है, दूसरी बात यह कि यह तर्क देकर क्या यह कहने की कोशिश नहीं हो रही है कि विभिन्न व्यवसायी बड़ा चंदा देकर राजनीतिक दलों से अपने हित के फैसले करवाते हैं? अगर वाकई ऐसा है तो यह तो बहुत ख़तरनाक बात है! फैसले तो गुण दोष के आधार पर होने चाहिएं, न कि दिये गए चंदे के आधार पर।

सरकार राजनीतिक चंदे के मामले को पूरी तरह पारदर्शी बनाकर अपनी छवि को उजला रख सकती है। और उसे ऐसा करना भी चाहिए। उसे तो हर तरह के संदेहों, आशंकाओं और प्रवादों से परे होना चाहिए। सरकार की छवि बेदाग़ रहे, यह हम सबके हित में है, सबसे ज़्यादा ख़ुद सरकार के और उसको चलाने वाले राजनीतिक दल के लिए है!

**–अतिथि संपादक,**
**डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,**
**( शिक्षाविद और साहित्यकार )**

# मनोविज्ञान: मानसिक दृढ़ता के आयाम



डॉ. रामावतार शर्मा

अक्सर आपने जंगल के जीवन पर बनी लघु फिल्में देखी होंगी। इन फिल्मों में आपने देखा होगा कि जंगली जानवरों के लिए पानी पीना भी बहुत खतरनाक कार्य होता है। यहां तक कि शेर और हाथी तक भी बहुत चौकन्ने हो कर पानी पीते हैं। मगरमच्छ, अजगर, शेर, बाघ, भेड़िये, बाज आदि अन्य जीवों को किस क्षण अपना शिकार बना लें इसका भय लिए ही वन्य जीव अपना जीवन बिताते हैं, हर क्षण चौकन्ने और भागने को तैयार। ये जानवर अपना छोटा-सा जीवन सिर्फ अपनी मानसिक दृढ़ता से ही जी सकते हैं। तुलनात्मक रूप में मनुष्य एक बहुत ही सुरक्षित जीवन जी रहा है। इस सुरक्षा का परिणाम यह हुआ है कि एक बहुत बड़ा मानव वर्ग मानसिक दृढ़ता को खोने लगा है जिसके फलस्वरूप जीवन के कितने ही कार्यों में बिखराव होने लगा है। ऐसे में मानसिक दृढ़ता के मनोवैज्ञानिक पक्ष को समझना महत्वपूर्ण हो जाता है।

मानसिक दृढ़ता एक मन:स्थिति होती है जो किसी व्यक्ति की उस क्षमता को उजागर करती है जिसके द्वारा वह तनाव या तकलीफ की हालातों का सामना करता है या इन विपरीत परिस्थितियों में काम करता है और जीवन को सामान्य स्थिति में जीता है। चाहे हालत कितने ही विपरीत क्यों न हो, जीवन में चाहे लगातार हार मिलती रहे, परिणाम लगातार नकारात्मक आते रहें परंतु मानसिक दृढ़ता वाला व्यक्ति अपना मनोबल बनाए रखता है और इस इरादे के साथ कार्य करता रहता है कि एक दिन उसके संघर्ष के फल के रूप में उसे सफलता प्राप्त होगी।

चाहे बाधाएं कितनी भी हों, चाहे परिणाम विपरीत होते रहें, चाहे लोग साथ छोड़ते रहें, चाहे उम्मीद की किरण भी दिखाई न देती हो पर दृढ़ मानसिकता वाला व्यक्ति संघर्षरत रहता है और एक ना एक दिन सफलता और सम्मान की प्राप्ति कर सकता है।

मानसिक दृढ़ता वाले लोग हर स्थिति में अपनी भावनाओं को नियंत्रित रखते हैं और अपने विचारों तथा व्यवहार में उम्मीदों को जगाए रखते हैं। सकारात्मक रवैये के साथ ये लोग वस्तुस्थिति को स्वीकार भी करते हैं और चुनौतियों के प्रति एक तरह से जागरूक रह कर, उनका अध्ययन कर कोई न कोई हल निकालने के लिए प्रयासरत रहते हैं। असफलता और बाधाओं के बीच भी ऐसे लोग मानते रहते हैं कि उनका संघर्ष एक दिन परिवर्तन लायेगा। वे सदैव कुछ नया सीखने और परिस्थितियों को बदलने के प्रति जागरूक और प्रयासरत रहते हैं।

मानसिक दृढ़ता से जुड़ी हुई एक अन्य जीवन स्थिति होती है जिसे अरक्षितता या भेद्यता (वल्नरेबल) कहा जाता है। इस स्थिति में व्यक्ति अपने आप को मानसिक या शारीरिक या फिर दोनों ही तरह से असुरक्षित महसूस करता है जिसमें कई संभावित खतरे हो सकते हैं। यह स्थिति तब उपजती है जब हम जीवन के किसी भाग में लापरवाह रहे हों, हम में जागरूकता की कमी रही हो या फिर परिस्थितियों या प्रतिद्विंदी को पहचानने में असफल रहे हों। वल्नरेबिलिटी यानि भेद्यता में हम अपने आप को आलोचनाओं से घिरा पाते है, असुरक्षित महसूस करते हैं।

परिस्थितियां ऐसी बनने लगती हैं कि हमें स्वयं और अन्य लोगों को भी हम में कोई उम्मीद की किरण नजर नहीं आती है। हम लोगों में अस्वीकार होने लगते हैं, मखौल का पात्र हो जाते हैं, बचकाना लगने लगते हैं। यही वह स्थिति है जब अरक्षितता (वल्नरेबिलिटी) मानसिक दृढ़ता का एक हिस्सा बनने लगती है। जब आप अरक्षित होते हैं, अकेले पड़ जाते हैं तब आप यदि दृढ़ मानसिकता वाले इंसान हैं तो आप जीवन को समझने के लिए अपने घर या मन की छद्म सुरक्षा से बाहर निकल कर जीवन के आम रास्ते की यात्रा पर निकल पड़ते हैं और अपने आप को सबके सामने, हर आयाम में वल्नरेबल यानि भेद्य बना देते हैं। आप अपनी अरक्षितता के साथ साथ अपनी मानसिक दृढ़ता को भी प्रदर्शित करने लगते हैं। यही वल्नरेबिलिटी अब आपकी ताकत में परिवर्तित होने लगती है क्योंकि अब आपने अकड़ को छोड़ झुकना सीख लिया है, आपके जीवन में विनम्रता प्रविष्ट हो गई है। आपका अहंकार कम हो चला है और जीवन की वास्तविकता से आपका आमना सामना होने लगा है। अब आप किले की चारदीवारी से बाहर सड़क पर आ गए हों और प्रदर्शित करने लगे हो कि अब कमजोरी शक्ति का रूप लेने लगी है।

ज्योंही आप अपनी कमजोरियों, अपनी सीमाओं को जानने लगते हैं तो समस्याओं के समाधान भी समझ में आने लगते हैं। आप आलोचनाओं को सकारात्मक रूप में लेने लगते हैं जिसके फलस्वरूप समाधान की तरफ आपकी यात्रा प्रारंभ हो जाती है। आप ने यदि दंभ का त्याग कर दिया तो देर सबेर जीवन की जटिलताओं का समाधान भी उभरने लगेगा। हमारी अरक्षितता हमें बताती है कि वे कौन से कार्य हैं जिन्हें हम नहीं कर सकते हैं और यह स्वीकारोक्ति ही आगे चल कर हमारे व्यक्तित्व में मानसिक दृढ़ता का आधार बनती है। हर व्यक्ति की अपनी कुछ कमजोरियां होती हैं लेकिन उसे इस बात का भी अहसास होना चाहिए कि उसमें मानसिक दृढ़ता की संभावनाएं भी सदैव मौजूद रहती हैं। यदि हमनें जीवन को जिया है तो हमारे समर्थक और आलोचक दोनों ही होंगे, सफलता मिलेगी परंतु असफलता का स्वाद भी हमें चखना होगा। साझा अनुभव, दार्शनिक विचार शैली, संवाद, साहित्य एवम् आत्मलोकन द्वारा मानसिक दृढ़ता प्राप्त की जा सकती है। एक संतुष्ट एवम् परिपूर्ण जीवन जीने के लिए इन उपरोक्त आयामों को अपनाना ही सफल जीवन की कुंजी हो सकता है।

**–डॉ रामावतार शर्मा,**
**( चिकित्सक एवं लेखक**

# अष्टानिका पर्व में सिद्धचक्र विधान मण्डल की पूजा की जाती है



भागचंद जैन

जैन धर्म का अष्टांहिका पर्व अर्थात् 8 दिन तक मनाए जाने वाला पर्व है, नवें दिन हवन करने के साथ इस पर्व का समापन होता है। यह वर्ष में तीन बार कार्तिक, फाल्गुन एवं आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की अष्टमी से पूर्णिमा तक आठ दिन के लिए मनाया जाता है।

**क्यों मनाया जाता है ?**

सौधर्म इंद्र अपने इंद्र परिवार के साथ नंदीश्वर द्वीप जो आठवां द्वीप है, जिसमे अनादि, अनंतकालीन 52 अकृत्रिम, जो की शाश्वत है एवं किसी के द्वारा निर्मित नहीं है, जिन चैत्यालय है, में पूजन करके हर्षित होते है। इसी क्रम का अनुसरण करने की भावनानुरुप हम स्वयं में इंद्र की स्थापना करते हुए स्वयं को इंद्र मानकर, देवलोक जैसी शक्ति का आभास कर जिन मंदिरों में पूजा करते है।

**किसकी आराधना की जाती है ?**

इस दौरान सिद्धों की आराधना करते हुए आठ दिनों का सिद्ध चक्र विधान मंडल का आयोजन करते है।

**विधान में सिद्ध भगवान का विस्तृत गुणानुवाद किया गया है।**

जो संसार के बंधनों से छूट गए है। जिनमे अनंत दर्शन अनंत ज्ञान अनंत सुख और अनंत वीर्य प्रकट हो गए है; जो द्रव्यकर्म, भावकर्म और नोकर्म से सर्वथा रहित हो गए है, उन्हे सिद्ध कहते है। ये लोक के अठाभाग में विराजमान है। सिद्धों का समूह ही सिद्धचक्र कहलाता है। सिद्धचक्र विधान में सिद्ध दशा प्रगट करने का विधान (उपाय) बतलाते हुए सिद्धों का गुणानुवाद किया गया है।

सिद्ध चक्र विधान मंडल में प्रथम दिन 8, दूसरे दिन 16, तीसरे दिन 32, चौथे दिन 64, पंचम दिवस 128, छठे दिन 256, सातवे दिन 512 एवं आठवें दिन 1024 अष्ट द्रव्य के अर्ध समर्पित किए जाते है। इस तरह पर्व के

**■ नंदीश्वर द्वीप के अकृत्रिम जिन मंदिरों की पूजा का भी पर्व है**

इन दिनों में नंदीश्वर द्वीप की भी पूजा कर सकते है। अष्टान्हिका पर्व में सिद्धचक्र महामंडल विधान के आयोजन की शुरुआत मैना सुंदरी द्वारा अपने पति श्रीपाल के कुष्ठरोग निवारण हेतु जानी जाती है।

**सिद्धचक्र विधान मण्डल की महिमा :** चम्पापुर के राजा अरिदमन और रानी कुन्दप्रभा के तेजस्वी पुत्र रत्न हुआ। उस बालक का नाम श्रीपाल रखा गया। कालांतर में श्रीपाल की प्रतिभा को देखकर राज्य संचालन का दायित्व सौंप दिया गया। राजकार्य में दत्तिचत, कामदेव के समान श्रीपाल को एवं अन्य 700 वीरों को अचानक एक साथ महाभयानक कुष्ठ रोग हो गया, अंधेरा जिससे इन लोगों का शरीर गलने लगा एवं खून बहने लगा। इन सभी की दशा देखकर प्रजा जन अत्यन्त क्षुब्ध एवं दु:खी रहते थे। जब रोग की दुर्गन्ध के कारण वातावरण बिगड़ने लगा, तब चाचा वीरदमन के कहने पर श्रीपाल 700 वीरों के साथ नगर से बहुत दूर उद्यान में जाकर निवास करने लगे।

उधर उज्जयनी नगरी के राजा पुहुपाल एवं रानी पद्मरानी के गर्भ से सुरसुन्दरी एवं मैनासुन्दरी नाम की दो पुत्रियों ने जन्म लिया।उनमें से सुरसुन्दरी शैव गुरु से एवं मैनासुन्दरी ने आर्यिका से धार्मिक अध्ययन किया था। पिता के पूछने पर सुरसुन्दरी ने अपनी स्वेच्छानुसार हरिवाहन से विवाह स्वीकार कर लिया, परन्तु मैनासुन्दरी ने कहा है कि कुलीन एवं शीलवती कन्यायें अपने मुख से किसी अभीष्ट वर की याचना कदापि नहीं करती है। मैनासुन्दरी की विद्वतापूर्ण वार्ता को सुनकर राजा पुहुपाल तिलमिला गये, अपना अपमान समझा और उन्होंने क्रोध में आकर कोढ़ी राजा श्रीपाल से विवाह कर दिया। राजा श्रीपाल के कुष्ठ रोग को दूर करने के लिये मैनासुन्दरी ने गुरु के आशीर्वाद एवं विधि के अनुसार अष्टांहिका पर्व में सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया एवं अभिषेक के गंधोदक का सभी रोगियों के ऊपर छिड़काव किया, जिसके प्रभाव से श्रीपाल के साथ 700 वीरों का भी कुष्ठरोग ठीक हो गया था। कुछ समय बाद श्री पाल मैना सुन्दरी के साथ चम्पापुरी वापस आ गये। एक दिन श्रीपाल अपने महल के छत पर बैठे हुये थे। आकाश में बिजली चमकी, जिसे देखकर उन्हें वैराग्य हो गया। वे अपने पुत्र धनपाल को राज्य सौंपकर वन की ओर चले गये। उनके साथ 8000 रानियाँ तथा माता कुन्दप्रभा भी वन को प्रस्थान कर गई।

श्रीपाल ने मुनीश्वर के पास जाकर जिनदीक्षा धारण कर ली। उनके साथ 700 वीरों ने भी दीक्षा ले ली, माता कुन्दप्रभा व अन्य रानियों ने भी आर्यिका के व्रत ठाहण किये। श्रीपाल कठोर तपस्या करते हुए अल्पसमय में ही घातिया कर्मों को नष्ट कर केवलज्ञान प्राप्त किया और फिर शेष अघातिया कर्मों का भी क्षय कर मोक्षधाम को प्राप्त हुये एवं मैना सुंदरी ने भी अगले भव में शिवधाम में वास किया। अष्टांहिका पर्व में श्री जी के अभिषेक गंदोदक की विशेष महिमा होती है, किसी भी रोगी व्यक्ति के शरीर पर इसका छिड़काव करने से रोग, शोक का निवारण होता है।

## अजमेर से होली स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन

अजमेर, (कासं)। अजमेर से विभिन्न शहरों के लिए होली स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है जिससे इन शहरों सहित रेल मार्ग के मध्य के शहरों के यात्री होली का त्योहार अपने प्रिय जनों के साथ मना सकेंगे अर्थात होली पर्व पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु संचालित की जा रही।

गाडी संख्या 09625, अजमेर-दौंड़ सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा 04.04.24 तक अजमेर से प्रत्येक गुरूवार को 17.05 बजे रवाना होकर शुक्रवार को 18.20 बजे दौंड़ पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09626, दौंड़-अजमेर सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा दिनांक 05.04.24 तक (03 ट्रिप) दौंड़ से प्रत्येक शुक्रवार को 23.10 बजे रवाना होकर शनिवार को 23.40 बजे अजमेर पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में किशनगढ, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाईमाधोपुर, कोटा, रामगंज मण्डी, भवानी मण्डी, नागदा, रतलाम, दाहोद, गोदरा, वडोदरा, भरूच, सूरत, वलसाड, वापी, बोईसर, वसई रोड, पनवेल, लोनावाला व पुणे स्टेशनों पर ठहराव करेगी। गाडी संख्या 05097, टनकपुर-दौराई त्रि-साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 22.03.24 से 29.03.24 तक (04 ट्रिप) टनकपुर से प्रत्येक शुक्रवार, सोमवार व बुधवार को 18.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 13:10 बजे अजमेर पहुंचकर 13:20 बजे रवाना होकर 13.40 बजे दौराई पहुँचेगी।

## बीकानेर : नाइट टूरिज्म की संभावनाएं, एक साल से प्रस्ताव स्वीकृति का इंतजार

**■ सर्दी और सामान्य मौसम में तो बीकानेर खूब पर्यटक आते है लेकिन, अप्रेल से जुलाई के बीच जैसे-जैसे पार चढ़ता है, पर्यटक आने से कतराने लगते है। इस दौरान देश और प्रदेश में आने वाले विदेशी पर्यटकों की बीकानेर आने की इच्छा भी होती है।**

**बीकानेर।** सर्दी और सामान्य मौसम में तो बीकानेर खूब पर्यटक आते है लेकिन, अप्रेल से जुलाई के बीच जैसे-जैसे पार चढ़ता है, पर्यटक आने से कतराने लगते है। इस दौरान देश और प्रदेश में आने वाले विदेशी पर्यटकों की बीकानेर आने की इच्छा भी होती है। परन्तु भीषण गर्मी में दिन के समय यहां के गढ़ और हवेलियों को देखने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। साथ ही बीकानेर की दुनियाभर में पहचान वाले खाने-पीने के व्यंजन से पर्यटक आकर्षित होता है। शहर के भीतर दुकानें गर्मियों में देर रात तक खुली रहती है, लेकिन नाईट टूरिज्म की तरफ ध्यान नहीं देने से इसे भुना नहीं पा रहे है।

पर्यटक बीकानेर का दीदार करने के लिए आते है। शाम ढलने के साथ ही उनको यहां कुछ भी देखने को नहीं मिलता है। बीकानेरी परकोटे में नाइट टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। यहां की पाटा संस्कृति, रात को खुलने वाली खानपान की दुकानें, रात में परातों में बिकती मलाई, जूनागढ़ पर सतरंगी रोशनी...ऐसी असंख्य खासियतें हैं जो नाइट टूरिज्म को विकसित कर सकती हैं। इसके बावजूद जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग कोई ठोस प्रयास नहीं कर रहा है। पर्यटन विभाग ने पिछले साल नाइट टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्रस्ताव तैयार कर मुख्यालय भेजा। इसके बाद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मिलकर सार्थक प्रयास नहीं किए गए। नतीजन आज तक इस प्रस्ताव पर बात आगे नहीं बढ़ी। अब गमिर्यों का सीजन फिर शुरू हो गया है। ऐसे में नाइट टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करें तो सार्थक परिणाम मिल सकते है।

शहर में कई जगह रात के समय गर्मा-गर्म कचौड़ी-पकौड़ी, कढ़ाई का दूध, पान और नमकीन मिलते है। जिनका स्थानीय लोग लुत्फ भी उठाते है। बारहगुवाड़ में रात के 9 बजे हो या रात के एक बजे का समय। गर्मा-गर्म कचौड़ी और पकौड़ी मिल जाएगी। मोहता चौक में मलाई और रबड़ी के रसीकों की देर रात तक भीड़ लगी रहती है।

दम्माणी चौक, कोटगेट, बड़ा बाजार में कढ़ाई का दूध, जस्सूसर गेट पर फास्ट-फूड तथा पान की दुकानें देर रात तक खुली रहती है। पर्यटन विभाग ने नाइट टूरिज्म के लि तैयार किए प्रस्ताव में पर्यटकों को देर शाम से लेकर रात तक यहां की संस्कृति और प्रसिद्ध खानपान के व्यंजनों से रूबरू करवाने का प्रस्ताव तैयार किया था। विभाग ने फूड ट्रेल का प्लान तैयार किया था। पर्यटन विभाग की ओर से पिछले साल ऊंट उत्सव के दौरान बीकाणा बाय नाइट का आयोजन कर नवाचार किया गया। इस दौरान रात के समय में शहर में अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम हुए। जिन्हें पर्यटकों के साथ स्थानीय लोगों ने भी खूब पसंद किया। परन्तु इस साल इस कार्यक्रम को ही उत्सव से हटा दिया गया। गर्मी का सीजन शुरू हो रहा है। पर्यटक यहां घूमने के लिए आना चाहते है। लेकिन गर्मी में दिन में तेज गर्मी रहती है और रात में साफ-सफाई का आभाव। नाइट टूरिजम को लेकर कोई खास व्यवस्था नहीं है। रात के लिए खास प्लान तैयार करना चाहिए। इससे गर्मी के सीजन में भी पर्यटक यहां पहुंचेंगे।

## कवियों ने बिखेरे फाल्गुनी रंग

रतनगढ (निसं)। साहित्य कला संगम द्वारा आयोजित काव्य गोष्ठी में स्थानीय कवियों की सरस प्रस्तुतियों ने वातावरण को फाल्गुनी बना दिया। कुलदीप व्यास की सरस्वती वंदना से प्रारंभ गोष्ठी में संगम के अध्यक्ष वैद्य बालकृष्ण गोस्वामी ने कहा कि काव्य सृजन के लिए विषय वस्तु समाज में कहीं से भी किसी से भी मिल सकती है। उन्होंने मरुधरा में उपलब्ध केरिया पर कविता " हर मौसम खुशहाल केरियो ..." प्रस्तुत करते हुए इसकी विशेषताओं की जानकारी दी। वरिष्ठ कवि सज्जनलाल बैद ने अपनी रचना से शृंगार रस का रसास्वादन कराया। कुलदीप व्यास ने " माची धूम धमाल की होली आई रे ..." के साथ करारे व्यंग्य सुनाते हुए सभी को गुदगुदाया। भानुप्रिया शर्मा ने " होली खेलन राधा आई है ..." से बृज की होली का चित्र खींचा। दिलीप स्वामी की प्रस्तुति " हार से सीखा है बहुत मैंने....."। सुभाष मीणा के सुमधुर गीतों और तेजपाल गुर्जर के मुक्तकों ने खूब वाह वाही लूटी। नवोदयन एकेडमी में आयोजित इस कार्यक्रम में एकेडमी के छात्र लक्ष्य पारीक और मानव ने होली पर गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संचालक परमेश्वरलाल माली ने " लावणी " की पृष्ठ भूमि को रेखांकित किया। लीलाधर पारीक ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर रामचंद्र शर्मा,ज्योति सिंवर,रेनू बाला नथमल पारीक, बनवारीलाल पारीक आदि उपस्थित थे।

## राशिफल



पंडित अनिल शर्मा

**सोमवार 18 मार्च, 2024**

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2080, आर्द्रा नक्षत्र सांय 6:11 तक, सौभाग्य योग सांय 6:36 तक, बालव करण रात्रि 9:51 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग सांय 6:11 से, कुमार योग रात्रि 10:50 से आरम्भ होंगे। आज आनन्दा नवमी, श्री हरि जयन्ती है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** अमृत सूर्योदय से 8:06 तक, शुभ 9:36 से 11:06 तक, चर 2:05 से 3:54 तक, लाभ-अमृत 3:34 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:37, सूर्यास्त 6:33

**मेष**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

**वृष**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

**मिथुन**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कर्क**
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

**सिंह**
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। घर-परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

**कन्या**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**वृश्चिक**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

**धनु**
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

**मकर**
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

**कुंभ**
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

**मीन**
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

# एस.ओ.जी. को भर्ती प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक की आठ सौ से ज्यादा शिकायतें मिली

## एस.ओ.जी. के अनुसार 21 फरवरी से अब तक व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर यह शिकायतें प्राप्त हुई

- एसआई भर्ती की 225, अध्यापक-रीट भर्ती परीक्षा की 189 और जेईएन भर्ती परीक्षा की 56 शिकायतें मिली है।
- एसओजी ने शिक्षक भर्ती सहित अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोपी भूपेन्द्र सहारण, अशोक नाथावत, शेरसिंह मीना और जगदीश विश्नोई को अलग-अलग जेल से पूछताछ के लिए प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है।
- सभी को कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए 10 दिन के रिमांड पर लिया है।

**जयपुर**। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को पिछले पच्चीस दिनों में एसआई, रीट और जेईएन सहित विभिन्न भर्ती प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी, फर्जीवाड़े और पेपर लीक से संबंधित 826 शिकायतें मिली है। वहीं एसओजी ने पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपी भूपेन्द्र सहारण व अशोक नाथावत सहित अन्य आरोपियों को पूछताछ के लिए जेल प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है।

एसओजी के अनुसार 21 फरवरी से अब तक एसओजी को व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर 826 शिकायतें प्राप्त हुई है इनमें एसआई भर्ती से संबंधित 225, अध्यापक-रीट भर्ती परीक्षा की 189 और जेईएन भर्ती परीक्षा की 56 शिकायतें मिली है। इसके अलावा लैब असिस्टेंट की 36, पटवारी की 33, पीटीआई की 35, कांस्टेबल भर्ती की 36, एलडीसी की 26, क्लर्क की 6, वीडीओ की 11 और ईओ-आरओ भर्ती परीक्षा की 11 शिकायतें मिली है। बाकी शिकायतें कई अन्य परीक्षाओं से संबंधित हैं।

उधर, एसओजी ने शिक्षक भर्ती सहित अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोपी भूपेन्द्र सहारण और अशोक नाथावत उदयपुर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर पूछाताछ के लिए गिरफ्तार किया है। इसके अलावा शेरसिंह मीना को अजमेर जेल से और जगदीश विश्नोई को जयपुर जेल से शनिवार को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। एसओजी ने सभी को कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए 26 मार्च तक 10 दिन के रिमांड पर लिया है।

वहीं, दूसरी ओर एसओजी की टीम जेईएन भर्ती-2020 पेपर लीक और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बैठाने के मामलों को लेकर एसओजी लगातार कार्रवाई कर रही है। रविवार को एसओजी की टीम ने दौसा जिला मुख्यालय और महुवा क्षेत्र के टिकरी जाफरान गांव में दबिश दी। इस दौरान एसओजी ने स्वरूप मीना की तलाश की। इसके अलावा एसओजी एएसपी नरेंद्र मीणा के नेतृत्व में टीम ने आरोपी रिंकू शर्मा के लवकुश नगर स्थित घर पर तलाशी ली और कई घंटे तक सर्च किया। पुलिस रिंकू की पत्नी की भूमिका की जांच कर रही है।

उधर, रिमांड पर चल रहे पेपर लीक के आरोपियों से पूछताछ में कई खुलासे हो रहे है। पेपर लीक माफिया ने इंटरव्यू में भी पास होने की पूरी व्यवस्था कर रखी थी। पेपर पास कराने के लिए 40 लाख रुपए एक अभ्यर्थी से लिए गए। इसमें पेपर लीक, डमी कैंडिडेट और इंटरव्यू पास कराने तक के रुपए लिए गए।

सूत्रों के अनुसार ये सभी जानकारी एडीजी एसओजी वीके सिंह ने सीएम भजनलाल से भी शेयर की थी। इसके बाद सीएम ने पूरी टीम से कहा कि किसी से डरने की जरूरत नहीं है। हर वह व्यक्ति अपराधी है, जो पेपर लीक में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा मिला हुआ है। सूत्रों के अनुसार एसओजी पेपर लीक मामले में आरपीएससी चेयरमैन संजय श्रोत्रिय से लेकर इंटरव्यू में बैठे बोर्ड से पूछताछ कर सकती है।

पेपर लीक में जयपुर से पकडे गए मास्टरमाइंड जगदीश विश्नोई और पास होने वाले एसआई ने एसओजी की पूछताछ में बताया कि वह लोग कम नॉलेज और जीरो कॉन्फिडेंस होने के बाद भी इंटरव्यू को पास कर गए थे। एसओजी ने आरोपी एसआई के सभी बयानों की रिकॉर्डिंग की है। अब एसओजी अगले कुछ दिनों में आरपीएससी भी पहुंच सकती है।

एसआई भर्ती परीक्षा 2014 में नकल कर पास हुए जगदीश सिहाग ने एसओजी को बताया कि वह साल 2014 से अब तक कई भर्तियों में अभ्यर्थियों को पास करवा चुका है। अलग-अलग गैंग के साथ में काम कर रहा था। सिहाग से मिली जानकारी को एसओजी पुष्टि करने में लगी हुई हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सिहाग ने अपनी बहन समेत दो दर्जन से अधिक लोगों को डमी कैंडिडेट बनाकर बिठाया था। पेपर में बैठने के लिए जगदीश सिहाग की बहन लेक्चरर वर्षा 10 से 15 लाख रुपए लिया करती थी। जगदीश 10 से 15 लाख बहन वर्षा को देता था। खुद 5 से 10 लाख रुपए अपने पास रखता था। इसके बाद जगदीश परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों से इंटरव्यू में पास कराने के लिए भी पैसा लिया करता था।

सूत्रों के अनुसार एसआई भर्ती पेपर लीक के मास्टरमाइंड जगदीश विश्नोई और एसआई भर्ती 2014 में पेपर लीक कर पास हुए जगदीश सिहाग ने पूछताछ में बताया कि पेपर में पास कराने के आगे 15 लाख दिया करते थे। इंटरव्यू में पास कराने के आगे 10 लाख दिया करते थे। 15 लाख रुपए खुद के लिए लेते थे। ऐसे में एक अभ्यर्थी से 35 से 40 लाख रुपए लिए जाते थे। इसमें पेपर लीक करने, डमी बैठाने से लेकर इंटरव्यू कराने तक की व्यवस्था किया करते थे। एसओजी आरपीए में प्रशिक्षण ले रहे अन्य प्रशिक्षु थानेदारों की तस्दीक की जा रही है। एसओजी से बचकर भागी वांटेड वर्षा बिश्नोई को पकड़ने के लिए शनिवार को पुलिस ने कई जगह दबिश दी।

# जांगिड़ सुथार समाज के लोगों ने किया मुख्यमंत्री का अभिनंदन



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को जांगिड़-सुथार समाज के लोगों ने सैंकड़ों की संख्या में ओटीएस स्थित निवास पर मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया।

**जयपुर**। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को जांगिड़ सुथार समाज के लोगों ने सैंकड़ों की संख्या में ओटीएस स्थित निवास पर मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया।

प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड में राम गोपाल सुथार को अध्यक्ष बनाए जाने पर मुख्यमंत्री का साफा व माला पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उनका हस्तनिर्मित चित्र भी भेंट किया गया। इस दौरान विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड पर मनोनयन पर हर्ष जता आभार व्यक्त किया। इस दौरान आभार कार्यक्रम में विश्वकर्मा बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, प्रदेश मंत्री अजीत माँडण, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम पंवार, युवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल शर्मा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रविशंकर शर्मा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल, कैलाश जांगिड सालीवाले, भंवर जांगिड व निमेष सुथार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

# आयुषमल्ल नियुक्त



**जयपुर**। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर में केंद्र सरकार की ओर से पैरवी करने के लिए सेंट्रल गवर्नमेंट काउंसिल नियुक्त किए गए हैं। जारी सूची के अनुसार जयपुर में पैरवी के लिए सेंट्रल गवर्नमेंट काउंसिल के पद पर एडवोकेट आयुष मल्ल को नियुक्त किया गया है। उन्होंने नियुक्ति के लिए राजस्थान सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता बसंत सिंह छाबा का आभार व्यक्त किया है।

# पेपर लीक के आरोपियों पर कार्रवाई का स्वागत

**जयपुर**। अभाविप राजस्थान में पेपर लीक माफियाओं पर हो रही कमरतोड़ कार्यवाही का स्वागत करती है। सरकार ने दिसम्बर में ही पूर्ववर्ती सरकार में हुए पेपर लीक की जाँच के लिए एसआईटी का गठन किया था। उसके बाद से ही पेपर लीक से जुड़े कई नए खुलासे हुए हैं। पूर्ववर्ती सरकार में पेपर लीक एक आम समस्या थी जैसे रीट, जे-ईएन, सेकंड ग्रेड, पटवारी इत्यादि लगभग 19 से ज्यादा भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, लेकिन कांग्रेस सरकार ने केवल मात्र कुछ ही भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होना माना और कार्यवाही नहीं किया। हाल ही में एसआईटी ने सब-इंसपेक्टर भर्ती 2019 में पेपर लीक के आरोपी गिरोहों को पकड़ा है। इसी भर्ती में पेपर लीक करके पास हुए 15 ट्रेनी सब- इंसपेक्टर को गिरफ्तार भी किया है।

पेपर लीक और भ्रष्टाचार से आरपीएससी जैसी संवैधानिक संस्थाओं की गोपनीयता पर सवाल खड़े हुए हैं। पेपर लीक करने वाले गिरोह में राजीव गांधी स्टडी सर्किल नाम के संस्थान के पदाधिकारी भी जुड़े हुए थे। आरपीएससी के कुछ सदस्यों का भी इन पेपर लीक की घटनाओं में नाम सामने आया है। पेपर लीक घटनाओं और पूर्ववर्ती सरकार की उदासीनता के विरोध में अभाविप ने "न्याय पद यात्रा" निकली थी, यह यात्रा करौली से शुरू होकर कुडगांव, गंगापुर, पिपलाई, लालसोट, तुंगा, बस्सी और घाट की घुनी से होते हुए जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय में संपन्न हुई थी।

# लोकसभा स्तर पर होगा "लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन"

**जयपुर**। भाजपा किसान मोर्चा द्वारा लोकसभा स्तर पर चलाये जा रहे कार्यक्रम "लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन" को लेकर आज भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रेसवार्ता आयोजित हुई, जिसे किसान आयोग के नव-नियुक्त अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रेवत सिंह राजपुरोहित व डॉ. बलराम दून, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित गोयल ने सम्बोधित किया।

नव-नियुक्त किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी ने कहा कि ईआरसीपी से 21 जिलों को सिंचाई एवं पेयजल हेतु किसानों को पानी मिलेगा, जिससे 2.80 लाख हैक्टर सिंचाई लाभ हेतु 40 प्रतिशत आबादी को इसका लाभ मिलेगा। राजस्थान सरकार द्वारा प्रदेश में किसान सम्मान निधि योजना के तहत 6 हजार रूपये से बढ़ाकर 8 हजार रूपये किया गया, जिससे किसानों को आर्थिक सहयोग मिलेगा।

मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रेवत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि लोकसभा चुनाव-2024 को मध्यनजर रखते हुए भाजपा किसान मोर्चा द्वारा 31 मार्च, तक लोकसभा स्तर पर "लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन" का आयोजन किया जायेगा।

# जन कल्याणकारी नीतियों को प्रचारित करने में मीडिया की भूमिका अहम : सी.पी.जोशी

- भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश प्रवक्ता, पैनेलिस्ट, कलस्टर मीडिया प्रभारी और संभाग मीडिया संयोजकों की बैठक आयोजित

**जयपुर**। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में प्रदेश कार्यालय में आज प्रदेश प्रवक्ता, पैनेलिस्ट, कलस्टर प्रभारी, संभाग मीडिया संयोजक और प्रदेश मीडिया कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी नीतियों को अधिक से अधिक प्रचारित करने में मीडिया की अहम भूमिका है। ऐसे में मीडिया के सदस्यों के साथ भाजपा के प्रवक्ताओं और पैनेलिस्टों का बेहतर संवाद होना चाहिए। लोकसभा चुनावों की आचार संहिता लगने के साथ ही प्रदेश में अधिकांश सीटों पर लोकसभा कार्यालय एवं मीडिया सेंटर शुरू हो चुके हैं। ऐसे में अब मीडिया सेंटर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवा, गरीब, किसान और महिला उत्थान के लिए किए गए कार्यों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करना है। जोशी ने कहा कि लोकसभा चुनावों में प्रदेश की 25 की 25 सीटों पर कमल का फूल खिलाना है और फिर एक बार मोदी सरकार के ध्येय वाक्य के साथ हम सभी मीडिया सदस्यों को कार्य करना है। भाजपा मीडिया के कलस्टर और लोकसभावार सदस्यों को मोदी की योजनाओं को लेकर अधिक से अधिक संवाद करना है। इसके साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभांवित परिवारों से संवाद कर उनके अनुभवों को भी मीडिया में लाने की आवश्यकता है।

भाजपा की प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति और नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य मीडिया टीम का है। ऐसे में भाजपा के प्रत्येक प्रवक्ता के साथ पैनेलिस्ट को मैं से हम की भावना के साथ कार्य करना होगा। भाजपा के प्रवक्ताओं और पैनेलिस्टों को विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के साथ ही अपने अनुभवों को एक दूसरे के साथ शेयर करना होगा। इसके साथ ही कलस्टर मीडिया प्रभारी और लोकसभा मीडिया संयोजक लोकसभा क्षेत्र में लॉकल मीडिया, लॉकल न्यूज पोर्टल और यू-ट्यूबर से संवाद बढ़ाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर वर्ग के उत्थान के लिए योजनाओं का शुभारंभ किया है। ऐसे में भाजपा की मीडिया टीम को लाभार्थी संवाद और उनके अनुभवों को प्रिंट के साथ इलेक्ट्रोनिक मीडिया में कवरेज करवाने का प्रयास करना चाहिए।

# कांग्रेस के 15 उम्मीदवार 19 मार्च को तय होंगे

- 20 मार्च से शुरू होगा पहले दौर के नामांकन का काम

**जयपुर**, (का.प्र.)। राजस्थान में पहले दौर में 19 अप्रैल को मतदान होगा। ऐसे में 20 मार्च को राजस्थान में अधिसूचना जारी हो जाएगी। कांग्रेस के बचे हुए 15 उम्मीदवारों की सूची पर भी 19 मार्च को होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में फैसला कर लिया जाएगा। पहले दौर के मतदान के लिए जारी होने वाली अधिसूचना के अनुसार 28 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे।

राजस्थान में कांग्रेस ने अब तक 10 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, जबकि बाकी बचे 15 उम्मीदवारों की घोषणा इसलिए रोक दी गई थी कि कुछ नेताओं को पार्टी ज्वाइन करनी थी। इनमें से प्रमुख नाम बाड़मेर के उम्मेदाराम बेनीवाल का था, जिन्होंने एक दिन पहले ही पार्टी ज्वाइन की है। वह संभव है बाड़मेर से कांग्रेस के उम्मीदवार बनाए जाएंगे। सीकर और अजमेर में कांग्रेस जहां नए चेहरों पर दाव खेलने वाली है, वहीं नागौर में भी आश्चर्यजनक रूप से हनुमान बेनीवाल से गठबंधन नहीं होने की स्थिति में किसी ऐसे चेहरे को पार्टी चुनाव लड़वा सकती है, जिसे लेकर लोगों में चर्चा नहीं हो रही हो। झालावाड़-बारां में लगभग तय है कि प्रमोद जैन भाया उम्मीदवार होंगे। दौसा में पार्टी मुरारी लाल मीणा को चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन मुरारी लाल मीणा तैयार नहीं हैं। वहीं कोटा बूंदी लोकसभा सीट पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सामने विधायक अशोक चांदना को पार्टी चुनाव लड़ना चाह रही है। जहां तक जयपुर शहर की बात है तो यह तय है कि इस बार यहां नया उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा और यह भी तय हैं कि किसी ब्राह्मण चेहरे पर ही कांग्रेस जयपुर शहर में दाव खेलने वाली है। जयपुर ग्रामीण में गोविंद सिंह डोटासरा किसी विधायक को चुनाव लड़वाने की इच्छा रखते हैं, वहीं पार्टी की ओर से नए चेहरों पर भी दाव खेलने पर विचार चल रहा है।

वैसे तो राजस्थान की स्क्रीनिंग कमेटी में सभी सीटों पर चर्चा हो चुकी है और अंतिम रूप से उम्मीदवारों के नाम तय कर लिया गया है, लेकिन बदली हुई परिस्थितियों में 19 मार्च को अंतिम फैसला होगा, जब केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी।

# राजनैतिक प्रतिनिधियों को आदर्श आचार संहिता की जानकारी दी

**जयपुर**, (का.सं.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने रविवार को सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ शासन सचिवालय में बैठक आयोजित कर उन्हें लोकसभा चुनाव-2024 के कार्यक्रम तथा आदर्श आचार संहिता की जानकारी दी। बैठक में निर्वाचन विभाग ने सभी दलों से स्वतंत्र-निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान तथा आदर्श आचार संहिता का पालन करवाने के लिए पूर्ण सहयोग देने का आग्रह किया है। प्रत्येक प्रत्याशी एवं राजनैतिक दलों को अपनी वेबसाइट, सोशल मीडिया हेंडल, राष्ट्रीय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में प्रत्याशी की आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में कम से कम तीन बार प्रकाशित करवाना होगा। सभी पोलिंग बूथ पर बीएलए की नियुक्ति तुरंत प्रभाव से करने का भी आग्रह किया।

गुप्ता ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूचियों के अपडेशन, मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन, चुनाव के लिए कार्मिकों की तैनाती तथा बूथ स्तर तक निर्वाचन प्रबंधन के बारे में निर्देश दिए। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वीवीपैट के स्टॉक की समीक्षा करने तथा इन मशीनों का समुचित रैंडमाइजेशन करने का सुझाव दिया। गुप्ता ने आपराधिक मामलों वाले अभ्यर्थियों के संबंध में आयोग के निर्देशानुसार मीडिया माध्यमों में सूचना प्रकाशन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों को चुनाव खर्च की मॉनिटरिंग के लिए विभिन्न टीमों, उडनदस्तों आदि में नियोजित कर्मचारियों को मॉनिटरिंग प्रक्रिया की जानकारी, खर्च के लेखांकन तथा लेखा समाधान बैठकों के आयोजन के लिए भी निर्देशित किया।


**नम्बर मिलाइए 9587884433**



सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।


**नाम परिवर्तन**

मैने अपना नाम अवदेश कुमार (AWADESH KUMAR) से बदल कर अवधेश कुमार शर्मा (AVDHESH KUMAR SHARMA) पुत्र श्री रमेश चंद शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी- प्लॉट नं.3-, नाड़ी का फाटक, शांति नगर-1, मुरलीपुरा, जयपुर-302039

**खोया पाया**

मेरे भूखण्ड संख्या 77 ग्राम चतरपुरा उर्फ लाल्या का वास, 400फीट रोड सेज सम्पर्क रोड क्षेत्रफल 270 व.मी. का फ्री होल्ड पट्टा जो की छीतर एवं गोपाल पुत्रान रामकरण के नाम JDA से जारी किया गया था, कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें। सपीना 9829097220

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**

**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**

**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**

मुकदमा नम्बर 96/2024

**(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)**

चूंकि श्री ओम प्रकाश तेला पुत्र श्री मूल चन्द तेला निवासी 111/306 विजय पथ, अग्रवाल फार्म, तेजाजी किराना के पास मानसरोवर जयपुर 302020 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत वेद कनेक्ट हाऊस नं. 111/306 सेक्टर-11, जोन-111 अग्रवाल फार्म मानसरोवर योजना जयपुर प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 23.02.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 13.05.2024

मोहर अदालत

आकाश रंजन (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

**विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन**
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
**न्यायालय ए.डी.जे. नं. 1 स्थान हिण्डौन सिटी**
**रेणु आदि विरूद्ध महेन्द्र आदि**
**वाद बाबत घोषित किये जाने दानपत्र नल एण्ड वोईड व शून्य प्रभावी एवं स्थायी निषेधाज्ञा वाद सं. 11 सन् 16**

बनाम मीना पुत्र भरतसिंह पत्नि राजेन्द्र जाति मीना नि. आतरहेडा तहसील महवा जिला दौसा वादीगण ने आपके विरूद्ध के लिये वाद पंजीयत किया वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 18 माह 03 सन् 24 को दिन में 10 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज को आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं हो तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यह वाद ता. 08 माह 02 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

**आज्ञा से**
**सीनियर रीडर**
**अपर जिला एवं सैषन न्यायाधीश सं.-1, हिण्डौन सिटी**

**विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन**
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय M.M.18, Jaipur Metro-I, Sanganer
स्थान Jaipur
Kalpana Jain विरूद्ध State of Rajasthan
वाद बाबत Suit for declaration
वाद संख्या 456 सन् 2023

बनाम हर खास ओ आम पुत्र...जाति... स्थान हर खास के आम वादी ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न है Suit for declaration के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 26 माह 03 सन् 24 को दिन में.... बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता.15 माह 03 सन् 24 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

**अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम संख्या 1 सांगानेर जयपुर प्रथम**

# पेपर लीक मामले में एसओजी टीम ने दौसा व महुवा में दबिश दी

**लालसोट/दौसा**, (निसं)। प्रदेश में हुए पेपर लीक और डमी कैंडिडेट मामले को लेकर एससोजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) पूरे एक्शन मोड में नजर आ रहा है। पिछले दिनों पेपर लीक और डमी कैंडिडेट बैठाने मामले को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बैठक लेने के बाद अब एसओजी की टीम तेजी से संदिग्ध जगहों पर दबिश दे रही है।

पेपर लीक मामले में रविवार को दौसा के लवकुश नगर में एसओजी ने दबिश दी। जेईएन भर्ती पेपर लीक प्रकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बिठाने के मामलों को लेकर एसओजी का एक्शन लगातार जारी है। रविवार को जयपुर एसओजी की टीम ने दौसा जिला मुख्यालय व महुवा क्षेत्र के एक गांव में दबिश दी। एएसपी नरेंद्र मीणा के नेतृत्व में टीम ने आरोपी रिंकू शर्मा के लवकुश नगर के आवास पर तलाशी ली और कई घंटे तक सर्च किया।

एसओजी की एक टीम महुवा के टिकरी जाफरान गांव भी पहुंची। जहां स्वरूप मीणा के घर पर दबिश दी। पेपर लीक मामले में एसओजी को स्वरूप मीणा की तलाश है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए टीम द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

एएसपी नरेंद्र मीणा ने बताया एडीजी वीके सिंह के निर्देश पर पेपर लीक प्रकरण से जुडे मामलों की जांच जल्द पूरी करने व सभी आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। दौसा जिले में भी पेपर लीक प्रकरण से जुडे संदिग्ध आरोपी चिन्हित किए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। वहीं एसओजी टीम ने पेपर लीक के मास्टर माइंडों को जेल से गिरफ्तार भी किया हैं।

इनमें उदयपुर जेल से भूपेन्द्र सारण, अशोक नाथावत, अजमेर जेल से शेर सिंह मीणा और जयपुर जेल से जगदीश विश्नोई को 10 दिन की रिमांड पर लिया हैं। संदिग्ध चिन्हित जगहों पर लगातार दबिश दे रहे। पेपर लीक से जुडे मामले में एसओजी रिंकू शर्मा की पत्नी की भूमिका की भी जांच कर रही है। वहीं पूर्व में रिंकू शर्मा का भाई जो सरकारी स्कूल में लाइब्रेरियन है, उसकी नौकरी के दस्तावेज पूर्व में जिला शिक्षा अधिकारी विभाग से लिए थे उनकी भी एसओजी जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि इन सभी के तार पूर्व में एसओजी द्वारा गिरफ्तार किए गए महुवा निवासी हर्षवर्धन पटवारी से जुडे हुए हैं। फिलहाल हर्षवर्धन पटवारी एसओजी की रिमांड पर है। टीम डमी कैंडिडेट बिठाने के मामले को लेकर जांच में जुटी है। वही एसओजी की लगातार दबिश देखकर उन कैंडिडेट में भारी बेचैनी बनी हुई है जिन्होंने पेपर लीक सहित डमी कैंडिडेट को लेकर खुद की भूमिका निभाई थी और अब उन्हें पकडे जाने का डर सता रहा है।

दौसा जिला मुख्यालय पर विभिन्न जगहों पर रविवार को एसओजी ने पेपर लीक व डमी कैंडिडेट मामले में दबिश दी ।

- पेपर लीक मामले में जयपुर एसओजी की टीम ने दौसा जिला मुख्यालय व महुवा क्षेत्र के एक गांव में दबिश दी।
- एसओजी की एक टीम महुवा के टिकरी जाफरान गांव भी पहुंची। जहां स्वरूप मीणा के घर पर दबिश दी।

# नस काटकर बंदी ने की आत्महत्या

## गंभीर हालत देख कर जेल स्टाफ उसे अस्पताल ले गया जहां इलाज के दौरान बंदी की मौत हो गई

**श्रीगंगानगर**। सेंट्रल जेल में एनडीपीएस मामले में जेल में बंद एक बंदी ने रविवार सुबह करीब 11 बजे हाथ की नस काटकर सुसाइड कर लिया। सुबह बंदी ने जेल के बाथरूम में शेविंग ब्लैड से हाथ की नस काट ली। नस काटने के बाद वह जोर.जोर से चिल्लाने लगा। आवाज सुनकर जेल स्टाफ मौके पर दौड़ा चला आया। बाथरूम का दरवाजा खटखटाने पर बंदी ने दरवाजा खोला। उसकी हालात गंभीर देखकर जेल स्टाफ उसे अस्पताल ले गया। जहां इलाज के दौरान बंदी की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि मृतक विचाराधीन बंदी योगेंद्र पुत्र खानीराम श्रीगंगानगर जिले के गांव नेतेवाला का निवासी था। पिछले दिनों नशे के सामन की तस्करी करते हुए पुलिस ने उसे पकड़ा था। 29 फरवरी को उसे जेल भेज दिया गया। बंदी सुबह बाथरूम में गया था। जहां उसने शेविंग ब्लेड से अपने हाथ की नस काट ली। जेल के डॉक्टर शिवप्रीत ने गंभीर रूप से घायल बंदी की जांच की। हालत गंभीर देखते हुए उसे तत्काल श्रीगंगानगर के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। जहां उसकी मृत्यु हो गई। जेल सुपरिंटेंडेंट ने घटना की पुष्टि की बताया जा रहा है कि इस घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। परिजनों के श्रीगंगानगर पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जेल सुपरिंटेंडेंट डॉण्अभिषेक शर्मा ने घटना की पुष्टि की। डॉ. अभिषेक शर्मा ने कहा कि बंदी योगेंद्र ने खुद की नस काट ली थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां उसने दम तोड़ दिया। गांव के पूर्व सरपंच सुरेंद्र पारीक ने बताया कि युवक नशे का आदी था। वह अपने उपयोग के लिए नशे की गोलियां लेने गया था। इसी दौरान गणेशगढ़ चौकी पुलिस ने उसे पकड़ लिया था। ग्रामीणों ने मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पोस्टमार्टम की कारवाई की मांग की है। मृतक योगेंद्र के एक बेटा और दो बेटियां है। वह मेहनत मजदूरी करके परिवार का पेट पालता था।

# बांध में युवक का शव मिला

**रेवदर**, (निसं)। समीपवर्ती बासन गांव स्थित बांध में रविवार को सुबह एक युवक किनारे पर तैरता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद लोगों ने जैसे ही युवक को तैरता देखा तो इसकी सूचना रेवदर पुलिस को दी। जिसकी सूचना के बाद एएसआई दिनेश कुमार मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और बांध में तैरते हुए युवक गोताखोरो की सहायता से बाहर निकाला। इसके बाद जब पुलिस ने जानकारी जुटाई तो पास ही में युवक के कपडे भी पडे हुए थे। साथ ही युवक के हाथ में अस्पताल की पट्टी भी बंधी हुई थी। वहीं आंख के नीचे चोट के निशान भी थे।

मामले की जानकारी मिलने पर दर्जनों की संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे और युवक को रेवदर के राजकीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मृतक युवक के शव को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

मामले की जानकारी मिलने के बाद मृतक के भाई रमेश कुमार ने प्रथम दृष्टि पोपटलाल कोली की नहाने के समय डूबने से मौत होने का अंदेशा जताया और थाने में रिपोर्ट भी दी। वही बताया कि मृतक युवक मजदूरी का काम करता था। इसके बाद मृतक युवक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जिसकी पुलिस जांच में जुटी हुई है।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के भीलवाड़ा आगमन पर राजस्थान जन मंच अध्यक्ष कैलाश सोनी के नेतृत्व में भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया । राजस्थान जनमंच अध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि भीलवाड़ा में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के सानिध्य में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को दुपट्टा माला शाल ओढ़ाकर भव्य स्वागत अभिनंदन किया साथ ही प्रभु श्री नाथ जी की चरण पादुका तस्वीर भेंट की। इस दौरान हरीश भट्ट राजेश सेन ललित अग्रवाल विनोद झुरनानी सुरेंद्र सिंह मोटरास रामेश्वर मुंदड़ा सौरभ मांहेश्वरी जय नारायण जोशी पियूष शर्मा सहित राजस्थान जन मंच के सदस्य मौजूद थे।

# सड़क हादसे में 3 महिलाओं की मौत

**जोधपुर**, (कासं) । फलोदी सीमा क्षेत्र में सड़क हादसे में दो सगी बहनों सहित तीन महिलाओं की मौत हो गई। थानाधिकारी फलोदी ने बताया कि खारा के पास फलोदी- रामदेवरा रोड पर कार-टर्बो की आमने-सामने भिड़न्त में कार में सवार छह लोग घायल हो गए, जिन्हें आपातकालीन एम्बुलेंस 108 से फलोदी जिला अस्पताल लाया गया।

जहां चिकित्सकों ने दो महिलाओं स्वाति (26) पत्नी अमन सिंघल निवासी इन्दौर व उषा (24) पत्नी भंवर कुमार निवासी जोधपुर को मृत घोषित कर दिया। गम्भीर घायल कंचन पत्नी शिवजी को गम्भीर हालात में जोधपुर रैफर किया गया, लेकिन कंचन ने बीच रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक तीन महिलाओं में कंचन व उषा दोनों सगी बहने हैं और स्वाति दोनों के भाई के साले की पत्नी है और इन दिनों जोधपुर से फलोदी अपने पिता रमणलाल सुथार के घर आई हुई थी। शनिवार को रामदेवरा दर्शन के लिए गई थी।

हादसे की सूचना मिलने पर सुथार समाज के साथ अन्य व्यक्ति भी अस्पताल पहुंचने से भीड़ हो गई। पुलिस उप अधीक्षक आयुष वशिष्ठ व थानाधिकारी रामेश्वर सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और मामले की जांच शुरू की।

- घायलों को आपातकालीन एम्बुलेंस 108 से फलोदी जिला अस्पताल लाया गया।

# अपराधी अपराध छोड़ दें या चूरू छोड़ दें : एसपी यादव

## पुलिस ने अवांछित-अपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान ऑपरेशन वज्र प्रहार चलाया

**चूरू**, (का.सं.)। रविवार को एसपी जय यादव ने प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस इस ध्येय पर काम कर रही हैं कि या तो अपराधी अपराध छोड़ दें या चूरू छोड़ दें।

राजस्थान पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये गये राज्य स्तरीय विशेष अभियान के तहत चूरू जिले में ऐसे अपराधी जो हथियारों के साथ वारदात करते हैं। गली मौहल्लों में भय पैदा करते है। जमीन व संपति के विवादों को निपटाने में भय का माहौल पैदा करते हैं। आपराधिक गतिविधियों करते हैं और अपराधिक गैंग के सदस्य हैं जो गम्भीर अपराध करते हैं, जिनकी अपराधिक गतिविधियों में लगाम कसने के लिए व उन पर सख्त कार्यवाही के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र दादरवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़ किशोरीलाल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजानगढ़ दिनेश कुमार के सुपरविजन में जिले के समस्त वृताधिकारियों के नेतृत्व में जिले के समस्त थानाधिकारियों एवं उनकी टीमों द्वारा विगत कुछ समय से तैयारियां की गयी थी।

अपराधियों की संकलन के बाद रविवार को ऑपरेशन वज्र प्रहार के तहत 485 ठिकानों पर एक साथ दबिश देकर आपराधियों को घेरा तथा आपराधिक ठिकानों की गहन तलाशी ली गई। पुलिस टीमों द्वारा की गई कार्यवाही में 22 स्थाई गिरफ्तारी वारण्टी सहित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे कुल 238 जनों को पुछताछ में लिया और वांछित प्रकरणों में कार्यवाही में 180 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

विशेष अभियान में 59 पुलिस टीमों में 289 से ज्यादा पुलिस अधिकारी, जवानों द्वारा दी गई दबिशों के दौरान कुल 109 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इसके तहत चूरू पुलिस द्वारा अवांछित-अपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान ऑपरेशन वज्र प्रहार चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध मादक पदार्थ के तस्कर, अवैध शराब के तस्कर व अवैध प्रकार के कई तस्कर भी पकडे ग़ये। जानकारी के अनुसार विशेष अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक जय यादव द्वारा सम्पुर्ण मॉनिटरिंग कर पुलिस टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर कार्यवाही को अंजाम दिया गया तथा सम्पूर्ण अभियान में समस्त पुलिस थानों के पुलिस बल ने सक्रिय भूमिका निभाई।

एसपी जय यादव ने चूरू में प्रेस वार्ता की

- अपराधिक गतिविधियों के खिलाफ जिला पुलिस ने 485 ठिकानों पर दी दबिश।
- सम्पूर्ण अभियान में समस्त पुलिस थानों के पुलिस बल ने सक्रिय भूमिका निभाई।
- दबिशों के दौरान कुल 109 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

# दो सिक्योरिटी गार्ड की मालगाडी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

**पोकरण**, (निसं)। पोकरण में दो सिक्योरिटी युवा गार्ड की मालगाडी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के परिजनो ने हत्या की आशंका जताई।

थानाधिकारी एसएचओ राजूराम ने बताया कि हत्या की आशंका के चलते परिजन और ग्रामीण सुबह से पोकरण हॉस्पीटल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ हुए हैं। पोकरण के रहने वाले महेंद्र जटिया (21) पुत्र तेजाराम और प्रद्युम्न (22) पुत्र योगेश एलएनटी कंपनी (पोकरण) में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहे थे। दोनों पोकरण के स्थानीय निवासी थे। रानीखेत एक्सप्रेस से पहले पोकरण रेलवे स्टेशन से जैसलमेर के लिए रात 2.30० बजे मालगाडी निकली थी। ऐसे में हादसा संभावत: रात 2.30 से 3 बजे के बीच हुआ। सुबह करीब 5 बजे रेलवे पुलिस ने पोकरण पुलिस को सूचना दी। इसके बाद शवों को कब्जे में लेकर पोकरण हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। समाचार लिखे जाने तक परिजनों वह कंपनी मालिक एव प्रशासन के बीचसहमति नहीं होने सेशवों को नही उड्ढाया गया

रेलवे के मुखराम ने बताया- रानीखेत एक्सप्रेस के ड्राइवर ने वॉकी-टॉकी के जरिए रविवार सुबह 5 बजे पोकरण रेलवे गार्ड को सूचना दी। बताया था कि सेल्वी गांव के पास ट्रैक पर दो शव पडे हैं। सूचना पर रेलवे पुलिस और पोकरण पुलिस मौके पर पहुंची। शिनाख्त होने के बाद परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस से सूचना मिलने के बाद पोकरण हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी के बाहर लोग जुट गए। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। एलएनटी कंपनी पर लापरवाही और सुरक्षा उपकरण नहीं देने का आरोप लगाया। फिलहाल समाज के लोग मुआवजे और एलएनटी कंपनी के अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अडे हुए हैं। राजूराम ने बताया कि घटना को लेकर परिजनों ने अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं दी है। परिवार वाले समाज के लोगों के साथ मॉर्च्युरी के बाहर बैठे हुए हैं। कंपनी के अधिकारियों का बुलाने की मांग कर रहे हैं।

परिजनों ने बताया कि दोनों युवक अविवाहित थे। चार दिन पहले ही वे सुरक्षा गार्ड की नौकरी पर लगे थे। उनकी सैलरी 15 हजार रुपए महीना तय हुई थी। प्रद्युम्न और महेंद्र स्कूल टाइम से दोस्त थे। प्रद्युम्न पहले अपनी डीजे पार्टी व सजावट की दुकान पर और महेंद्र पेंटिंग का काम करता था। काम में मंदी के चलते दोनों सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी पर लगे थे। दोनों का ड्यूटी टाइम रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक था। दोनों एक ही बाइक से साथ जाते थे। एलएनटी कंपनी की सिक्योरिटी देखने वाली कंपनी न्यू दिल्ली सिक्योरिटी सर्विस ने रेलवे ट्रैक के पास इलेक्ट्रिक वायर की सुरक्षा के लिए प्रद्युम्न और महेंद्र को 4 किलोमीटर का एरिया दिया था। प्रद्युम्न पोकरण में खटीक बस्ती का रहने वाला था। तीन भाई-बहन में वह दूसरे नंबर का था। उसके पिता की कुछ साल पहले मौत हो गई थी। बडा भाई सरकारी हॉस्पिटल में मरीजों के रजिस्ट्रेशन की पर्ची काटने का काम करता है। सबसे छोटी दिव्यांग बहन है। महेंद्र चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर का था। वह पोकरण में भवानीपुरा कच्ची बस्ती का रहने वाला था। बडा भाई दिहाडी मजदूरी करता है। दो छोटी बहनें है। समाचार लिखे जाने तक उपखंड अधिकारी पर प्रभजोत सिंह गिल, एडिशनल एसपी गोपाल सिंह, क्षेत्रीयविधायक के पीए गुलाबसिंह, संतरामपुरी महाराज, सागसिह गड्डी पार्षद नारायण रंगा, राजु राम,सुरेश नागोरा, सहित अन्य समाजो के लोग घरनास्थल पर उपस्थित रहे।

# नकबजनी की वारदातों का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

**जालोर**, (कासं)। जालोर कोतवाली पुलिस ने रविवार को नकबजनी की वारदातो का पर्दाफाश कर किशन उर्फ गुगा को गिरफ्तार किया। उक्त आरोपी से पुलिस ने 4,12,000 रूपये नगद व करीब 2 किलो चांदी के जेवरात बरामद किए। जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में नकबजनी व चोरी की वारदातों के खुलासे, चोरी व नकबजनी की वारदातों की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाल जसवन्तसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने शातिर नकबजन व हिस्ट्रीशीटर किशन उर्फ गुंगा पुत्र जगदीश जाति माली निवासी ताशखाना बावडी हाल एफसीआई जालोर को दस्तयाब कर गहनता से पुछताछ की गई तो उक्त आरोपी किशन उर्फ गुंगा ने जालोर शहर की कई जगह नकबजनी व चोरी करना कबुल किया है। पुलिस ने आरोपी किशन उर्फ गुंगा के कब्जे से कुल 4,12,000 रूपये नगद व करीब 2 किलो चादी के जेवरात व सोने के गहने बरामद किये। प्रकरण का सहअभियुक्त चिन्दुसिंह उर्फ गोरधनसिंह पुत्र मालमसिंह जाति राजपुत निवासी रेल्वे स्टेशन जालोर बाद घटना फरार है, जिसकी तलाश जारी है। सहअभियुकत को शीघ्र दस्तयाब कर प्रकरण अनवान में माल मसरूका बरामद किया जायेगा।

**घटना का विवरण:-** मोहनलाल पुत्र पोलाराम जाति माली निवासी राजेन्द्र नगर जालोर ने 1 मार्च को रिपोर्ट पेश कर बताया कि 26 फरवरी 2024 को दिन के समय अज्ञात चोर द्वारा मकान के ताले तोडकर चादी के जेवरात व नगद रूपये चोरी कर ले गया। वही आबीदखान पुत्र अहमद खांजी जाति मुसलमान निवासी घरडा पावटी रोड जालोर ने 3 मार्च को रिपोर्ट पेश कर बताया की 02 मार्च को समय 2 बजे से 03.00 पीएम के मध्य में घर से अज्ञात चोर द्वारा सोने चादी के जेवरात व नगद रूपये चोरी के ले गया। वही 8 मार्च को नारायणसिंह पुत्र जोईताराम जाति राजपुरोहित निवासी जालोर ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि में मेरे परिवार सहित मंदिर दर्शन हेतु गये हुये थे, पिछे से अज्ञात चोरों ने घर के मुख्य दरवाजा व अन्दर कमरों के ताले तोडकर घर में रखे सोने, चांदी के आभुषण व रूपये चोरी कर ले गये, जिस प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की।

# हैकर्स के दलाल गिरफ्तार, 25 लाख की ऐवज में 50 बैंक खाते खुलवाकर हैकर्स को बेचे

**पाली**, (नि.सं.)। प्रोफेसर को शेयर मार्केट में ट्रेडिंग का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक साथ 40 लाख 50 हजार रुपए ठग लिए। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला आरोपी हैकर्स के दलाल भी हैं।

पाली के जो आरोपी हैं, हैकर्स ने इन्हें अपने जाल में फंसा रखा है। हैकर्स दोनों आरोपियों को खाते खरीदने के एवज में 50 हजार रुपए देते थे। इस तरह से आरोपी अब तक 50 खाते खुलवा कर हैकर्स को बेच चुके हैं। इसके एवज में आरोपी 25 लाख रुपए ले चुके हैं। इनमें से अकाउंट होल्डर को भी20 से 30 हजार रुपए देते थे। मामला गुरुवार का पाली का औद्योगिक थाने का है। यहां पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा समेत अन्य प्राइवेट बैंकों में गरीबों और मजदूरों के खाते खुलवाते थे। साथ ही उन्हें 30 हजार रुपए देते थे। इसके बाद आरोपी इनके खाते की डिटेल हैकर्स को 50 हजार रुपए में बेच देते थे। वहीं, फेसबुक के जरिए प्रोफेसर से शेयर मार्केटिं में साढ़े 40 लाख रुपए ठग लिए। औद्योगिक थाने की एसएचओ पाना चौधरी ने बताया कि पाली के सोसायटी नगर निवासी 41 वर्षीय आरोपी श्रवण कुमार पुत्र जगदीश कुमार और नेपाल निवासी अाषिक दोनों एक ठोनाइट फैक्ट्री में काम करते थे। श्रवण सोसायटी नगर निवासी दिलीप सोनी को जानता था जो इस तरह की ठगी का काम करता था। एक मामले में वह जेल में गया तो श्रवण ने ठगी का यह काम करना शुरू कर दिया। इसको लेकर उसने अपने साथी अभीषेक को साथ लिया और 10 हजार रुपए प्रति महीने के हिसाब से औद्योगिक नगर थाना क्षेत्र के भगवतीविहार (गुरु नगर) में मकान किराए पर लिया और ठगी शुरू कर दी।

पुलिस ने हैकर्स के दलाल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

**बैंक खातों से तीन करोड़ का लेनदेन:** जिन मजदूरों के अकाउंट खुलवाए है उनसे अभीतक कोई लेनदेनभीनहीं किया गया है। जिन ठकों ने अकाउंट खुलवाया है, उसमें मोबाइल नम्बर भी हैकर्स द्वारा दिया गयाहै, जो खाते में अपडेट किया गया है। आरोपियों ने बताया कि खाते में लगा हुआ नम्बर हैकर्स के पास रहता है, जिससे खाते संबंधी ओटीपी का प्रयोग कर सकें। हैकर्स अब तक इन खातों से लगाग तीन करोड़ रुपए का लेनदेन कर चुके हैं। **हवाला के जरिए चार खातों के दिए दो लाख रुपए:** आरोपी श्रवण कुमार जिन साइबर ठगों से बात करता था, वह उसे ऑनलाइन फर्जी नम्बरों से कॉल करते थे। वे कौन थे,उन्हें यह नहीं जनता है, ना ही कभी मिला है। खुद के और अभिषेक के इसने 4 बैंक अकाउंट खुलवाए और उसके बदले साइबर ठग ने इन्हें दो लाख रुपए दिए। यह रुपए लेने श्रवण सूरत के पास के गांव में गया था। जहां उसे हवाले के जरिए दो लाख रुपए दिए गए। रुपए देने वाले कौन थे, वे इसके सामने नहीं आए।

**बसों से भेजते थे बैंक डायरी, एटीएम और चेकबुक:** आरोपी श्रवण को एक बैंक अकाउंट खुलवाने के बदले 50 हजार रुपए मिलते थे। उसने करीब 50 अकाउंट खुलवाने की बात की है। जिसमें कंटालिया गांव के एक युवक का भी बैंक अकाउंट शामिल है। आरोपियों ने दो से तीन करोड का लेनदेन इन अकाउंट से किया है। खुलवाए गए बैंक अकाउंट की डायरी, एटीएम चेकबुक आदि आरोपी साइबर फ्रॉड को बस के जरिए सूरत की तरफ भेजते थे। उस पर सिर्फ नाम और मोबाइल नम्बर लिखा होता था।

# जे.डी.ए. के इंजीनियर्स ने 2 साल पुराने कार्यादेश पर बनवा दी सड़क

## कालवाड़ रोड पर करधनी व आसपास के क्षेत्र में सड़क निर्माण का मामला

**जयपुर** (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण में इंजीनियर्स और सड़क निर्माता ठेकेदारों के अजब-गजब कारनामे सामने आ रहे हैं। जहां एक तरफ ठेकेदार, टैंडर लेने के बाद 2-2 साल तक सड़क नहीं बना रहे, वहीं दूसरी तरफ इंजीनियर्स भी इस कदर मेहरबान हैं कि ऐसे ठेकेदारों पर जुर्माना लगाने अथवा फर्म को ब्लैक लिस्टेड करने के बजाय उनसे पुराने वर्क ऑर्डर पर काम करवाकर पुरस्कृत करने में जुटे हैं।

ताजा मामला जे.डी.ए. के जोन-7 में सामने आया है, यहां करधनी और आसपास की सड़कें पिछले 2 साल से बेवजह अटकी हुई थी। ठेकेदार फर्म गोकुलनाथ कंस्ट्रक्शन कंपनी ने जे.डी.ए. से वर्क ऑर्डर लेने के बावजूद भी सड़क निर्माण शुरू नहीं किया था। स्थानीय लोगों ने कई बार जे.डी.ए. के ऑफिस पहुंचकर शिकायत भी की, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई।

गत दिनों जोन-7 में अधिशाषी अभियंता और सहायक अभियंता की नई पोस्टिंग हुई तो उन्होंने ठेकेदार पर जुर्माना लगाने के बजाय उसे पुरस्कार देने की तैयारी कर ली। साथ ही उसे 2 साल पुराने वर्क आर्डर पर काम शुरू करने

के निर्देश दे दिए। इसके बाद ठेकेदार ने आनन-फानन में करधनी क्षेत्र में सड़क बनाने का काम शुरू कर दिया।

जानकारों की मानें तो अमूमन 2 साल पुराने वर्क आर्डर पर काम नहीं करने पर वह स्वत: ही निरस्त हो जाता है। साथ ही ठेकेदार पर जुर्माना अथवा लापरवाह फर्म को ब्लैक लिस्टेड करने जैसा कदम भी उठाया जाता है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं किया गया।

स्थानीय लोगों की शिकायतें हैं कि जो सड़क बनाई जा रही है, उसकी गुणवत्ता भी सही नहीं है। डामर की मोटाई भी कम है। डामर की मोटाई कम होने से सड़क फिर से उखड़ने का खतरा बना हुआ है। सड़क निर्माण के समय जे.डी.ए. के अधिकारी भी मौके पर नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे में सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिह्न लगा हुआ है।

सूत्रों की मानें तो गत दिनों जे.डी.ए. के

- **मजेदार बात यह है कि मैसर्स गोकुलनाथ कंस्ट्रक्शन कंपनी ने ठेका लेने के बाद भी 2 साल तक मनमर्जी से रोक रखा था सड़क निर्माण कार्य**
- **अब जोन में इंजीनियर्स बदले तो ठेकेदार पर मेहरबानी दिखाते हुए 2 साल पुराने वर्क ऑर्डर पर रोड बनवा दी, जबकि अधिकाशंतः वर्क ऑर्डर निरस्त कर ठेकेदार पर जुर्माना अथवा फर्म ब्लैकलिस्टेड करने की कार्रवाई की जाती है।**

जोन इंजीनियर्स का तबादला हुआ है, इसके बाद से इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। सोडाला से अजमेर रोड, पुलिस कमिश्नरेट तक लटाला कंस्ट्रक्शन कंपनी को भी इसी तरह फेवर करते हुए वर्क आर्डर की तारीख निकलने के बाद काम शुरू कराया गया है।

# भारतीय मानक ब्यूरो ने मनाया उपभोक्ता अधिकार दिवस

**जयपुर** । भारतीय मानक ब्यूरो ने 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया। मानकीकरण, उत्पाद प्रमाणन, हालमार्किंग एवं उपभोक्ता सशक्तिकरण के क्षेत्र में पिछले 77 वर्षों से भारतीय मानक ब्यूरो राष्ट्र सेवा से जुड़ा हुआ है तथा देश के उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा सुनिश्चित कर रहा है।

ब्यूरो की ओर से विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का आयोजन 15 मार्च को स्थानीय होटल में किया गया और इसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथियों में मनोज गुप्ता, मुख्य अभियंता, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड और विशिष्ठ अतिथि देवेन्द्र मोहन माथुर, अध्यक्ष, जयपुर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग उपस्थित थे। कनिका कालिया, प्रमुख एवं निदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो (जयपुर शाखा कार्यालय) ने श्रोताओं को संबोधित किया और उन्हें आई एस आई मानक गुणवत्ता वाले उत्पादों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान, "प्लाइवुड प्रोडक्ट" विषय पर मानक मंथन पर तकनीकी सत्र भी हुआ, जहां प्रमुख वक्ताओं में दीपक श्रीवास्तव, वैज्ञानिक

अधिकारी, एनटीएच, जयपुर और मोहित मीना, उप-निदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो ने अपने मूल्यवान विचारों को साझा किया। इस कार्यक्रम के दौरान भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा हाल ही में चलाए जा रहे ग्राम पंचायत संवेदीकरण कार्यक्रम में अभूतपूर्व योगदान देने वाले गैर सरकारी संघठनो और उपभोक्ता संघठनों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

हाल ही के वर्षों में भारतीय मानक ब्यूरो ने डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन को अपनाते हुए अपने कार्य क्षेत्रो जैसे मानकीकरण कन्फर्मिटी असेसमेंट, प्रयोगशाला प्रबंधन, हॉलमार्किंग इत्यादि को ऑनलाइन संचालित कर दिया है।

नये मानकों के निर्धारण एवं पुनरीक्षण हेतु, मानक मंथन के द्वारा स्टेकहॉल्डरों के बीच मानकों के मसोदे पर विचार-विमर्श करने की प्रक्रिया परिकल्पित कर दी गई है। मानको के प्रति, तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ावा देने हेतु तकनीकी शिक्षा संस्थानों जैसे-आईआईटी, एनआईटी इत्यादि में चेयर ऑफ स्टैंडडाइजेशन की स्थापना आवश्यक शोध कार्य करने हेतु कर दी गई है। साथ ही साथ नई पीढ़ी को गुणवत्ता के विमर्श से जोड़ने के प्रयास में माध्यिमक विद्यालय एवं महाविद्यालयों में स्टेण्डर्स क्लब का गठन किया गया है। राजस्थान में 600 से ज्यादा क्लब्स का गठन हो चुका है और 12,000 से ज्यादा छात्र इससे जुड़ चुके हैं।

# एस.के.आई.टी. का वार्षिकोत्सव संपन्न

**जयपुर,** (का.सं.)। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथान, जयपुर का पांच दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव प्रवाह, कॉलेज के वार्षिक समारोह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल अनुज माथुर, विशिष्ट सेवा पदक (सेवानिवृत्त) और डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा (पूर्व महानिदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली) शामिल हुए।

एसकेआईटी कॉलेज के मुख्य संरक्षक राजाराम मील, अध्यक्ष सुरजाराम मील, निदेशक जयपाल मील, निदेशक-शैक्षिणक प्रोफेसर एस. एल. सुराणा, रजिस्ट्रार रचना मील, प्राचार्य-प्रो. रमेश कुमार पचार, वाईसचेयरमैन अनिल बाफना कार्यक्रम में उपस्थित थे। समारोह का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती पूजन से हुआ। राजाराम मील ने अतिथियों का अभिनन्दन किया तथा प्रो. एस.एल. सुराणा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें कड़ी मेहनत कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ, अतिथियों ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिसमें छात्र-छात्राओं ने नृत्य व नाटक का प्रदर्शन किया।

प्रवाह के समन्वयक अभिषेक गुप्ता और टीम के सभी सदस्यों ने वार्षिकोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। कार्यक्रम का समापन प्रवाह टीम के अभिनंदन एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

## नकलचियों को पकड़ने के लिए उडनदस्ते गठित

**जयपुर** । जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के अधीन आने वाले प्रदेश के 69 सरकारी और निजी संस्कृत महाविद्यालयों की सैमेस्टर परीक्षा में नकलचियों को पकड़ने के लिए उडनदस्तों का गठन किया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. शंभु कुमार झा ने बताया कि नई शिक्षा नीति-2020 के तहत शास्त्री प्रथम वर्ष के प्रथम सैमेस्टर की परीक्षा नए पैटर्न से होगी। 18 मार्च से शुरू होने वाली परीक्षा के लिए पूरे प्रदेश में 47 केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर 5037 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। 22 मार्च तक एक पारी में होने वाली परीक्षा दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक चलेगी।

डॉ. झा ने बताया कि नकलरहित परीक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों से निगरानी के साथ ही विशेष उडनदस्ते का गठन किया गया है।

# अज्ञात वाहन की टक्कर के बाद पुल से नीचे गिरे पति-पत्नी, मौत

**जयपुर** । दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाईवे पर रविवार सुबह पौने 8 बजे अज्ञात वाहन ने बाइक सवार पति-पत्नी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार उछलकर 25 फीट ऊंची पुलिया से नीचे गिर गए। हादसे में दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने ग्रेड सेकंड टीचर और उसके पति शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाया है।

पुलिस ने बताया कि हादसे में राजेंद्र प्रसाद वर्मा (39) पुत्र मालीराम वर्मा और उनकी पत्नी संजू लता वर्मा (34) निवासी उदयपुरिया गांव हरमाड़ा की मौत हो गई। प्राइवेट जॉब करने वाले राजेन्द्र की पत्नी संजू लता को कॉलेज लेक्चरर एग्जाम दिलवाने जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह राजेंद्र और संजू लता सांगानेर जा रहे थे। सुबह करीब पौने 8 बजे करणी

- **करणी विहार क्षेत्र में खिरणी फाटक के पास रविवार सुबह हुआ हादसा**

विहार थाना क्षेत्र में खिरणी फाटक के पास एक्सप्रेस हाईवे पर अज्ञात वाहन पीछे से टक्कर मार दी और फरार हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की पति-पत्नी पुलिया से 25 फीट नीचे गिरने से लहूलुहान हो गए। दोनों को राहगीरों ने अलग-अलग हॉस्पिटल पहुंचाया। एक कार सवार पति को मरुधर हॉस्पिटल लेकर पहुंचा। वहीं, एक ऑटो ड्राइवर महिला को शेल्बी हॉस्पिटल लेकर पहुंचा। दोनों हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने पति-पत्नी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक को खड़ा करवाकर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। राजेंद्र प्रसाद वर्मा और संजू लता वर्मा की दो बेटियां है। इनमें यशस्वी 10 साल की है। वहीं, दीप्ति अभी 8 साल की है। छोटी सी उम्र में दोनों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया। मृतक पांच बहन-भाई हैं। इनमें दो भाई और तीन बहन हैं। राजेंद्र दूसरे नंबर का भाई था। संजू लता ने करीब एक महीने पहले ही ग्रेड सेकंड चर की पोस्ट पर जॉइन किया था। मृतक के भाई ललित ने बताया कि पत्नी की जॉब लगने पर वह उसके साथ अजमेर रहने लगा था। दोनों बेटियां स्कूल में पढाई के चलते दादा-दादी के पास ही रह रही थीं। संजू लता का रविवार को कॉलेज लेक्चरार का जयपुर में एग्जाम था। शुक्रवार रात को ही दोनों पति-पत्नी अजमेर से जयपुर अपने गांव आए थे।

## आचार्य सुनील सागर का पद विहार जारी

**जयपुर** । आचार्य सुनील सागर मुनिराज सहित छत्तीस साधु, साध्वियों का नई दिल्ली से चलकर कामां में पंच कल्याणक प्रतिष्ठापन एवं श्रीमहावीरजी में दर्शन करते जयपुर की ओर लगभग 500 कि.मी.का पद विहार जारी है। श्रीमहावीरजी से पद विहार की व्यवस्था दिगंबर जैन मुनि संघ प्रबंध समिति जयपुर के मंत्री ओम प्रकाश काला (मामा) एवं मंत्री मुकेश जैन कोषाध्यक्ष की अगुवाई में जारी है। आज के पद विहार में मुनि संघ प्रबंध समिति, धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर सहित अन्य संस्थाओं ने नादौती से गुढ़ाचंद्रजी तक विहार में आचार्य सुनील सागर के संघ का सान्निध्य प्राप्त किया। जयपुर वासियों को आचार्य संघ द्वारा वैशाली नगर जयपुर में आयोजित पंच कल्याणक महोत्सव का पावन सान्निध्य प्राप्त होगा।

## सी.आर.चौधरी बने राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष

**जयपुर** (कासं)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सी.आर.चौधरी को राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। चौधरी ने 16 मार्च को ही अपना कार्यभार भी संभाल लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए राजस्थान के किसानों व पशुपालकों की समस्याओं के त्वरित समाधान, कृषि-पशुपालन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए दूरगामी नीति निर्धारण के लिए कटिबद्धता व्यक्त की है।

## मकान में आग लगने से लाखों रु. का सामान खाक

**जयपुर** । महेश नगर थाना इलाके में रविवार की दोपहर को एक मकान में आग लगने से हड़कंप मच गया। लोगों ने घर से धुंआ निकलता देखकर पुलिस और दमकल को सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल ने दो घंटे में आग काबू पाया। इस आगजनी में घर में रखा हुआ लाखों रुपए का सामान जल कर राख हो गया।

पुलिस ने बताया कि रविवार को महेश नगर थाना इलाके में स्थित 80 फीट के पास एक मकान में अचानक आग लग गई। जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकल मौके पर पहुंची। तीन दमकलों की मदद से आग पर काबू किया गया। प्रारम्भिक जांच में आग शॉर्ट सर्किट से लगना सामने आया है। जानकारी में सामने आया कि आग जहां पर लगी थी एक गैस का सिलेंडर भी रखा हुआ था।

## सार-समाचार

### 'पशु अधिकारों के लिए करेंगे प्रदर्शन'

**जयपुर** (कासं)। जयपुर फॉर एनिमल्स नेटवर्क ने राजस्थान में भाजपा मुख्यालय तक विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा की है। दरअसल पशु अधिकारों की वकालत के लिए यह एन.जी.ओ. पिछले काफी समय से अपील और मांग उठा रहा है, इसके बावजूद आज तक जिम्मेदार प्रशासन इस ओर निष्क्रियता दिखाता आया। जयपुर फॉर एनिमल्स नेटवर्क के सदस्यों ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी.पी.जोशी से मुलाकात कर एक पोस्टर सौंपा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं एक श्वान को दुलार रहे है। इस पोस्टर पर लिखा था कि "क्या मैं भारत का नागरिक नहीं और क्या मेरी सुरक्षा आपकी जिम्मेदारी नहीं?" संगठन की सदस्य मरियम अबुहैदेरी ने बताया कि, हाल ही में श्रीगंगानगर में 6 निर्दोष पिल्लों को जलाने और सीएम कार्यालय के गार्डों द्वारा एक भूखे कुत्ते की नृशंस हत्या का मामला सामने आया है, इससे पशु प्रेमियों में रोष व्याप्त है। प्रदर्शनकारी और जयपुर फॉर एनिमल्स नेटवर्क की सदस्य वंदना गौतम ने मांग उठाई है कि इन दोनों मामलों में सरकार तुरंत एक्शन लें। मरियम अबू हैदरी ने कहा कि यह बात चिंताजनक है कि पिछले कुछ समय में कुत्तों (श्वान) द्वारा लोगों को काटने की घटनाएं बढ़ी है, लेकिन इसके पीछे मुख्य कारण भूख और उत्पीड़न है। श्वान पालने वालों को पुलिस द्वारा रोकने, गली के श्वान को खाना खिलाने वाले पशुप्रेमियों पर पाबंदी लगाना गलत है।

### पंजाब चेतना मंच की जालंधर में स्थापना

**जालंधर/जयपुर** (कासं)। पंजाब के कुछ सम विचार राजनैतिक नेताओं की बैठक में रविवार को एक नए संगठन 'पंजाब चेतना मंच' की स्थापना की गई। इसमें निर्णय लिया गया है कि पंजाब की 13 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावनाएं तलाश की जाए। बैठक रविवार सुबह जालंधर के देशभगत यादगार हॉल में जनता दल यूनाइटेड पंजाब के पूर्व उपप्रधान ओम प्रकाश खेमकरणी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि किसी राजनैतिक दल को इस चुनाव में सहायता नहीं दी जायेगी। साथ ही पंजाब चेतना मंच योग्य व पात्र उम्मीदवारों को तलाश करेगा। बैठक में अजय सूद, मनजीत सिंह, अनूप सिंह, कुलभूषण कुमार, संयुक्ता कौशल, अशोक गिल, विनोद वाल्मीकि, जयगोपाल धीमान, महेन्द्र सिंह, भूपेन्द्र सिंह मौजूद थे।

### 'खुशहाल छात्र बनाते हैं खुशहाल समाज'

**जयपुर**। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर ने शैक्षिणक संस्थानों में हैप्पीनेस और कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए "एलायंस फॉर हैप्पीनेस इन एकेडमिक" पर पहली राउंड टेबल का आयोजन किया। राउंड टेबल में मुख्य अतिथि हैप्पीट्यूड के संस्थापक करण बहल और विशिष्ट अतिथि सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल और जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के उपाध्यक्ष श्रीवत्स जयपुरिया थे। प्रोफेसर आर्य संस्थापक नो थायसेल्फ हैप्पी और विजिटिंग फैकल्टी, आईआईएम अहमदाबाद, मुख्य वक्ता थे। श्रीवत्स जयपुरिया ने न केवल भौतिक पहलुओं बल्कि शारीरिक और भावनात्मक कल्याण पर भी विचार करने पर जोर दिया।

# नौकरी के लिए पानी की टंकी पर चढ़े 'कोविड स्वास्थ्य सहायक'

**जयपुर** । कोविड स्वास्थ्य सहायकों ने एक बार फिर राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रविवार को फिर से नौकरी की मांग को लेकर कोविड स्वास्थ्य सहायक (सीएचए) जगतपुरा सीबीआई फाटक स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए। टंकी पर चढ़े स्वास्थ्य सहायकों ने कहा सरकार ने अगर जल्द से जल्द हमारी मांग को पूरा नहीं की तो हम आत्महत्या कर लेंगे। क्योंकि पिछले ढाई साल से हमें परेशान किया जा रहा है। इसकी वजह से जीवन यापन मुश्किल हो रहा है।

दरअसल, कोरोना काल के दौरान पूर्व कांग्रेस सरकार ने प्रदेशभर में 28 हजार सीएचए वर्कर्स की नियुक्ति की थी। जिन्हें कोरोना मरीजों के उपचार के साथ घर-घर जाकर दवाई पहुंचाने, सैंपल लेने की भी जिम्मेदारी दी गई थी। कोरोना खत्म होने के बाद वर्कर्स का कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के साथ ही सरकार ने सभी को नौकरी से हटाने का आदेश जारी कर दिया। इस आदेश के बाद से प्रदेश में सभी ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। इसके पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के वक्त बीजेपी नेताओं ने भी समर्थन किया था। बीजेपी सरकार के गठन के बाद सीएचए को नौकरी नहीं मिली।

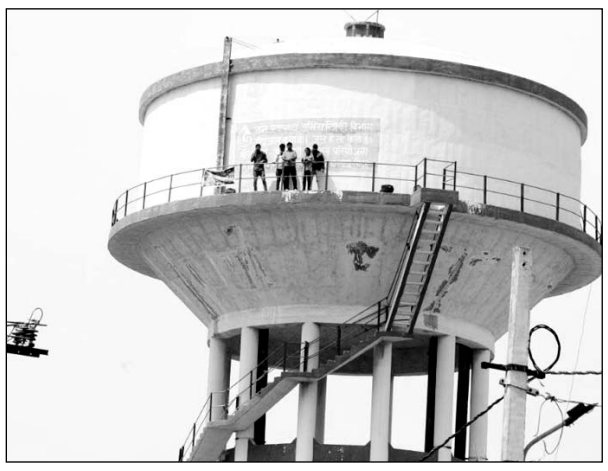

**जगतपुरा सी.बी.आई. फाटक स्थित पानी की टंकी पर रविवार को कई कोविड स्वास्थ्य सहायकों ने चढ़कर विरोध किया।**

इसके बाद बीजेपी सरकार के खिलाफ भी मोर्चा खोल दिया हैं।

पानी की टंकी पर चढ़ी संघर्ष समिति की प्रदेश अध्यक्ष पूजा बावरिया ने कहा कि हम अपनी जायज मांग को लेकर लम्बे वक्त से आंदोलन कर रहे हैं, कोई सुनवाई नहीं हो रही हैं। इसलिए आज हमें मजबूरन टंकी पर चढ़ना पड़ा हैं। अगर अब भी सरकार ने हमारी मांग को पूरा कर हमें फिर से रोजगार नहीं दिया। हम अपनी जान दे देंगे। जिसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। पूजा ने कहा कि कोरोना के वक्त न सिर्फ राजस्थान बल्कि देशभर में को नियुक्ति दी गई थी। लेकिन सिर्फ राजस्थान में ही को हटाया गया हैं। जबकि दूसरे राज्यों में आज भी काम कर आम जनता कि जिंदगी को बचाने का काम कर रहे हैं।

## युवक का अपहरण कर फिरौती वसूलने वाले दो बदमाश दबोचे

**जयपुर** (कासं)। रामनगरिया थाना पुलिस ने युवक का अपहरण कर फिरौती और लूटपाट के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में गिरफ्तार बस्सी निवासी रामनिवास मीणा और राकेश मीणा से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार 15 जून 2023 को प्रहलाद मीणा निवासी जीतपुर रामगढ़ पचवारा ने मामला दर्ज करवाया कि 10 जून 23 को वह ग्राम मैंदला में एक शादी समारोह में आया था। खाना खाने के बाद वह घर जा रहा था। शादी समारोह स्थल से करीब 700-800 मीटर दूर दो कारों में सवार होकर करीब एक दर्जन बदमाश पहुंचे और बदमाशों ने एक कार उसकी गाडी केआगे और एक पीछे लगा दी।

बदमाशों ने उसे गाडी से उतार अपनी गाडी में डाल लिया और मुहं पर कपड़ा बांध कर अपहरण कर ले गए। इसके बाद बदमाश उसे सुनसान स्थल और जंगल में ले गया वहां पर उसके साथ मारपीट की। मारपीट कर बदमाशों ने उससे 30 लाख रुपए मंगवाने को कहा। रुपए नहीं मंगवाने पर जान से मारने की धमकी दी। मेरे फोन से ही आरोपियों ने मेरे भाई से बात करवाई और कहां रुपए देकर

- **आरोपियों ने पिछले दिनों 1.76 लाख रुपये, घड़ी और सोने की चेन लूटने के बाद युवक को छोड़ा था**

अपने भाई को ले जाना। भाई ने कहा कि अभी तो इतने रुपयों का इंतजाम नहीं होगा, सुबह कर दूंगा। इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ फिर से मारपीट करना शुरू कर दिया।

आरोपियों ने कहा जितने रुपए है वे ही लेकर आ जाओ। इस पर उसका भाई और सियाराम दोनों सिरोली स्टैण्ड पर आए इसके बाद बदमाशों ने कहा कि अकेले सियाराम को ही रुपए लेकर भेज दो। आरोपियों ने सियाराम से 176000 रुपए, उससे घडी, सोने की चेन, सिम कार्ड लेकर बदमाश फरार हो गए। जानकारी करने पर सामने आया कि उसका अपहरण करने वालों में रामनिवास मीणा चैनपुरा बस्सी, मुकेश कुमार मीणा निवासी दौसा और कैलाश चंद मीणा चांदपुर सहित उसके दोस्तों का हाथ है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी।

## बच्चों को साहित्य से जोड़ेगा बुकरू

**जयपुर**। बच्चों की दुनिया अनोखी होती है। नौनिहालों के मन के कोरे कैनवास पर रचनात्मक रंगों से कलात्मक विधाओं के चित्र उकेरे जा सकते हैं, इससे ही तैयार होंगे भविष्य के कलाकार। अनूठे ढंग से बच्चों को किताबों और साहित्य से जोड़ने के लिए जवाहर कला केन्द्र की ओर से 30 से 31 मार्च को दो दिवसीय बुकरू चिल्ड्रन लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव, कला, साहित्य, संस्कृति, पर्यटन एवं पुरातत्व विभाग ने बुकरू के पोस्टर का विमोचन किया। इस दौरान जवाहर कला केन्द्र की अति. महानिदेशक प्रियंका जोधावत व वरिष्ठ लेखाधिकारी चेतन कुमार शर्मा भी मौजूद रहे। बुकरू विश्वपटल पर अपनी छाप छोड़ चुका है। बुकरू ने 2017 में लंदन बुक फेयर के नेशनल एक्सीलेंसी अवॉर्ड्स में लिटरेरी फेस्टिवल अवॉर्ड अपने नाम किया है।

# होलिका दहन के लिए 200 टन गौ-काष्ठ गुजरात भेजी

**जयपुर** (कासं)। पर्यावरण को बचाने एवं गाय संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए इस बार राजधानी जयपुर में करीब पांच सौ स्थानों पर गाय के गोबर से बनी लकड़ी से होलिका दहन किया जायेगा। वहीं होली पर दौ सौ टन गौकाष्ठ गुजरात भेजा गया है।

अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक एवं भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अतुल गुप्ता ने बताया कि गुजरात सरकार ने इस बार होली पर होलिका दहन महोत्सव गाय के गोबर से बनी लकड़ी से ही करना किया है। इसके लिए राजस्थान से दो सौ टन गोकाष्ठ भेजी जा रही है।

अतुल गुप्ता ने कहा कि सात वर्ष श्री पिंजरापोल गौशाला में शिवरतन चितलांगिया (महामंत्री) एवं राधेश्याम पाठक के नेतृत्व में गाय के गोबर की लकड़ी बनाने का काम शुरू किया गया। जयपुर में पांच सौ जगह पर होलिका दहन के लिए गौकाष्ठ के लिए बुकिंग हो चुकी है, वहीं उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु के चेन्नई से भी मांग की गई हैं। दस राज्यों में गौकाष्ठ भेजा जायेगा और इसके प्रति जागरुकता फैलाने का काम किया जायेगा। सौ से अधिक स्वयं सहायता समूह ने कम से कम 2000 टन गोबर की लकड़ी बनाई है और लगभग 70 प्रतिशत की खपत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि गोकाष्ठ की मांग बढ़ती जा रही है लेकिन जब सरकारें इसके प्रति आगे आयेगी तो जहां इसकी मांग और बढ़ेगी वहीं पर्यावरण और गाय संरक्षण को और मजबूती मिलेगी।

## मुख्यमंत्री से आचार्य रामचन्द्र दास ने की शिष्टाचार भेंट

**जयपुर** (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुख्यमंत्री निवास (ओटीएस) पर रविवार को श्री तुलसीपीठ, चित्रकूट के पद्म विभूषण जगद्गुरू स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्र दास ने शिष्टाचार भेंट की।

आचार्य रामचन्द्र दास ने मुख्यमंत्री शर्मा को जगद्गुरू स्वामी रामभद्राचार्य का आशीर्वाद प्रदान किया एवं संदेश सुनाया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आचार्य रामचन्द्र दास के साथ आए सभी संतों का शॉल ओढ़ाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी भी उपस्थित रहे। सभी संतों ने प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

# बुजुर्ग को चाकू मारकर बदमाशों ने बैग लूटा

**जयपुर** । मुहाना इलाके में बेखौफ बदमाशों ने 61 साल के एक बुजुर्ग का चाकू मारकर बैग लूट लिया। लुटेरों को लगा बैग में कैश है, बुजुर्ग ने बैग नहीं छोड़ा तो जांघ और कमर पर चाकू घोंप दिए और बैग लूट लिया। बैग में कंपनी से जुड़े कुछ दस्तावेज भर थे। पीड़ित अस्पताल में भर्ती है और पर्चा बयान के आधार पर केस दर्ज कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि मालवीय नगर निवासी हरी प्रसाद एक कंपनी में पार्टनर हैं। वे कंपनी से जुड़े दस्तावेज लेकर बालावाला इलाके में होकर गुजर रहे थे। दस्तावेज एक बैग में थे और बैग स्कूटर पर लटकाया हुआ था। बालवाला इलाके में कोल्ड स्टोरेज के आगे निकलने के दौरान एक कार ने ओवरटेक किया और हरी प्रसाद को टक्कर मारकर गिरा दिया। बैग छीनने की कोशिश की,

- **मुहाना इलाके के बालावाला क्षेत्र में कार सवार बदमाशों ने किया हमला**

लेकिन हरी प्रसाद ने बैग नहीं छोड़ा। कार में से निकले चार-पांच बदमाशों में से एक ने हरी प्रसाद के कमर और जांघ पर चाकू से कई वार किए और बैग लेकर फरार हो गए। बैग में कैश भी नहीं था। पुलिस ने कहा कि लूट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। घाव गंभीर हैं। हरी प्रसाद अस्पताल में भर्ती हैं। पता लगाया जा रहा है कि लूट की यह वारदात कैश के लिए थी या फिर इसके पीछे अन्य कोई कारण है। फिलहाल कार नंबरों के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

ARBiT it happens here...

**Global Recycling Day**

Global Recycling Day is here to remind individuals, organizations, corporations and governments that recycling is a key part of the circular economy of humans on the planet. The day is meant to draw attention to and recognize the important part that recycling plays in preserving primary resources. In addition, Global Recycling Day is meant to motivate people into taking action as they seek to help repair and restore global resources.From trash to treasure, give your waste a new lease on life! Contribute to a better future with the power of recycling.

राष्ट्रदूत
MONDAY
18 March 2024
A-B

#CONSCIENTIOUSNESS

# Pandemic Changed Personality Traits

Over the course of the pandemic, people became more conscientious, even more so in the later months of the pandemic.

Major life changes can affect personality, and the COVID-19 pandemic was the rare big life event that all humans shared together. "This was a really unique opportunity to see how a life event that's happening at the global stage to the entire population at the same time is changing personality," says Emily Willroth, an assistant professor of psychological and brain sciences at Washington University in St. Louis.

Over the course of 21 months of the pandemic, Willroth and colleagues surveyed 500 people with diverse backgrounds, ages, and from varied regions across the US using the "Big 5" personality traits test that measures conscientiousness, extraversion, agreeableness, neuroticism, and openness.

What they found was that over the course of the pandemic, people became more conscientious, even more so in the later months of the pandemic. In addition, extraversion dropped, though it eventually stabilized, and people exhibited slightly less neuroticism, on average.

The increase in conscientiousness was not surprising considering "people really had to engage in conscientious behaviours," such as hand washing and distancing, and when people engage in behaviours repeatedly, it can lead to overall change in that broader trait, Willroth notes.

Extraversion, being outgoing and sociable, also declined for what would seem like obvious reasons, but Willroth points out that isolation isn't the only factor in becoming less extraverted.

Extraversion and "good feelings" go hand in hand, so the stresses of the pandemic also could be a factor in muting an outgoing attitude. In other words, people were not only being forced to isolate, but they also were experiencing fewer positive emotions, which also can decrease extraversion.

The decrease in neuroticism happened later in the pandemic and may have occurred because people began to adapt to the new norms of pandemic life. Despite the view that the pandemic left us grumpier and meaner, that didn't show up in the trait survey, as "agreeableness" did not noticeably change during the pandemic.

The study also looked at health outcomes and how they were tied to personality traits, along with individual variations in these measures. While on average there was an increase in conscientiousness, it didn't apply to everyone.

And those individuals who did not see the increase accordingly didn't see the benefits. People who went up in the conscientious scale also were better off toward the later phases of the pandemic, both mentally and with their physical health.

But the effects of personality change can be difficult to interpret. The improved health outcomes for more conscientious individuals could be reflecting resilience of that individual, or "the personality trait change itself may have been protective and actually helping them to maintain health during this difficult time," Willroth says.

Increased conscientiousness can pay off, and previous research suggests that the personality shift may stick around.

"Anytime we have these sustained changes to our daily lives now resemble our pre-pandemic lives, that doesn't mean the ways the pandemic changed us are going back to baseline, she adds.

We have lost a veteran writer. He helped Arbit to grow from infancy to it's present heights. There can be no greater homage to him than to re-read one exclusive set of his contribution for our readers. Here is one set of his masterly contributions.

*With this issue we introduced a new format that showcased the works of many Jaipur artists and professionals. We started with the works of Nihal Mathur and his unique stamp presentations. He tells the Story of Flight by arranging his stamps in historically sequential order to tell the tale. There are in all 38 presentations that takes the reader from the beginning made by the early pioneers and ends with modern aircrafts today.*

*-Editor*

Concept and Design by Late Nihal Mathur

Computer Graphics by Bharat Kumawat

**Late Nihal Mathur,** *Filmmaker, writer*

Ostensibly, a stamp is postage paid to the government for delivering our letter to distant friends and family. But these small bits of perforated printed paper are actually cultural ambassadors of a nation because glued on mail, they go far and wide carrying images of the country. Imagine a kid in Kuwait captivated by the image of a Royal Bengal Tiger or a boy in Barbados seeing his hero Tendulkar on a letter from India. Once upon a time, before the advent of television, stamps were one of the mediums that brought these representative colourful images from around the world. People loved to collect flowers, birds, animals etc. Over the years, the popularity of the Hobby of the King's declined as other mediums captured the children's imagination. Like any school going child in early Sixties, Nihal also began to collect stamps as a hobby. This was a random collection that ended soon after he joined college. But stamps lurked in his subconscious and wherever he could get his hands on them, he collected them and put them away in a big paper box as a compulsive action. Later in his professional life, when he visited different metros for work, he would take time out to visit stamp dealers in the city and spend hours sifting through heaps of cheaply priced stamps to select what he wanted. His selection depended on his interests and he pulled out stamps on all kinds of themes - writers, poets, scientists, national parks, wildlife, space and of course aircrafts. Nihal has written many popular stories on stamps. One of them 'Daughters of the Land' described how Indian postage stamps portrayed the Indian women. The National Philatelic Museum in New Delhi displayed pages of the story for some time. He also produced a brochure "Reminiscences of Steam Era: A Journey Through Stamps" for the Ministry of Railways. He was also member of many online stamp communities.

#MEMORY

## Early Pioneers 1914-1918

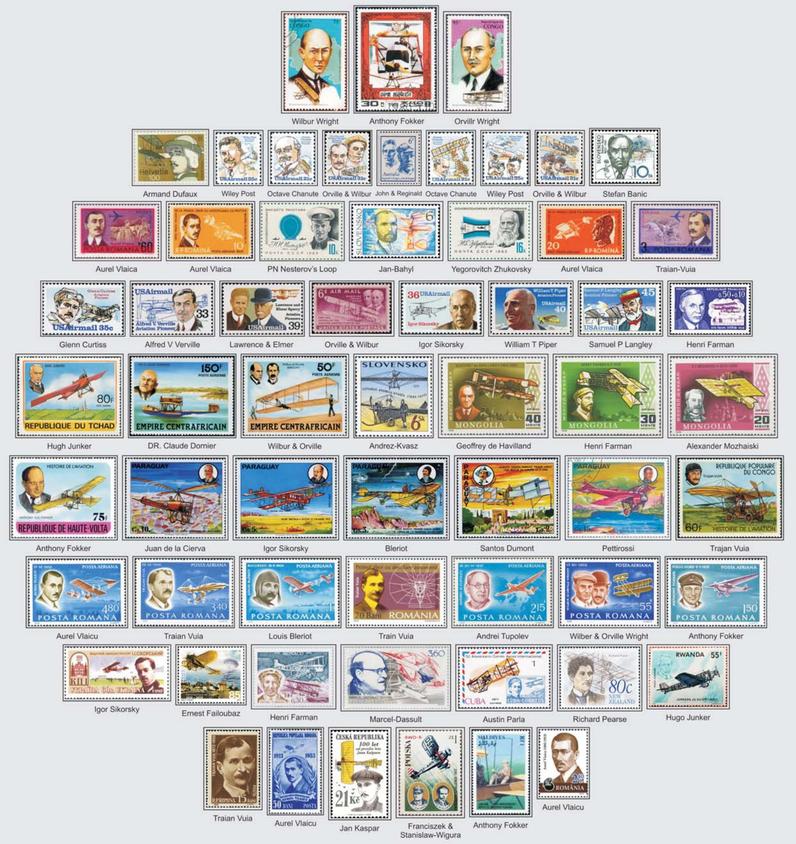


# Advancement of Aeronautical Era

With the arrival of Wright Brother's invention there was fervent activity amid the early pioneers to make their own aircrafts. Many different aircraft configurations were experimented with, all over Europe by the early pioneers. The development of the internal combustion engine enabled the designers to successfully produce heavier-than-air machines to take off. During this period, aviation passed from being seen as the preserve of few eccentric rich enthusiasts to being an established technology with its complex aeronautical engineering. Industrial aircraft manufacturing businesses also sprang up and aviation became a subject of enormous popular interest. Popular aircraft magazines appeared along with Aero Clubs in many countries where series of prizes were announced to encourage the pioneers to invent and innovate to address aeronautical problems. In America there were Glenn Curtiss, Octave Chanute, Lawrence & Elmer, Sikorsky, Langley to name a few, who did pioneering work. But it was the French who considered themselves as the true inheritors of the aerial era because it was abuzz with many aviators - Bleriot, Farman, Voison, Nieuport, Bruguet, Potez, Dassault, and not to forget Santos Dumont who was a Brazilian living and working in France. In England Geoffrey Havilland, Handley Page, Short Brothers, Vickers and many others, were all involved in designing and manufacturing aircrafts. The other significant aviators were Hugo Junker and Claudius Dornier from Germany while in Romania there were Aurel Vlaica and Traian-Vuia who were busy building aircrafts. Besides these, there were many other pioneers in Europe who were all competing with one another for prizes and trophies like the Gordon Bennett Cup for Racing and other technical achievements. These attracted huge audiences and successful pilots achieved celebrity status. By 1914, the competition between the aviators was raging and that was reflected in World War I which was not long in coming.

*rajeshsharma1049@gmail.com*

#FOOD-REVIEW

# Chaat Bistro

"Chaat Bistro is an outcome of the indelible mark that each region with its distinct flavour profile left on my palate," says Vrinda Agarwal

**Sadhana Garg**
*Journalist & social entrepreneur*

Have you heard of the Chaat Bistro? If not then do head for this cosy restaurant nestled in the verdant greens of Civil lines in the city. First things first, it's all about good vibes and good food. On the walls is a map of India which is like a culinary canvas that narrates diverse spectrum of Indian street food. Vrinda Agarwal, the foodie behind the venture says "Chaat Bistro is an outcome of the indelible mark that each region with its distinct flavour profile left on my palate."

To begin with the BOM- BAE Bhel, unknown to this part of the country a few decades ago totally justifies it popularity. The Sev - Puri -a crisper cousin of the Bhel wherein thin white flour wafers are loaded with a medley of zero number, sev, potatoes, chickpeas and sweet and sour chutney. The Masala Paw, clearly a lifeline of Mumbai is great for all lovers of spices and garlic.

Kolkata Kravings, as the name suggests, is about Jal muri & the Dahi Toast. The latter sounds very basic but the hung curd with onion, tomato and potatoes among other things is surprisingly very delicious.

From Indore ka Sarafa Bazaar there is Sabudana Khichdi- not the lumpy kind that one finds in most places. The Bread Poha made mostly "chatpat in jhatpat "in Indian homes at Bistro is a flavour packed dish.

The dhokla - the savoury sponge like farsaan from Gujarat that lies on the Western coast of India is surprisingly not included in the menu. To refresh ones memory it may be mentioned that it is a dish that was depicted on a postal stamp by the government of India in 2017. Instead the Masala Khakra- a humble stable of the Gujarati thali finds its way in the menu as Dhokle ka Amdavadi Dost. Crispy and spicy, it sure is addictive. The PeejaToast - is the Indian version of the authentic Italian pizza- a happy combination of bread, pizza sauce, cheese, onion and paneer. It is what most homes still dabble in at different times of the day. So in many ways the bistro is an extension of the home kitchen bringing alive nostalgia and childhood stories shared over hearty meals.

Move over to Banaras - the only city in the world to have three names - kashi, Varanasi and Banaras. The latter was coined by Akbar meaning "City of light.". It's gastronomic variety bewilders one. The fox nut or simply put- the Makhana mixture is a delight in four different variations. The Chuda Aloo was great but one missed the Mattar Chuda of Banaras. No other city in the country in winters is as "hap- pea" as this ancient gem. The aroma of fresh coriander and lime with, fresh ground garam masala and kala namak impart it a simple divinity sans garlic and onions.

Jaipur's claim to fame- the Piyaaz Ki Kachori gets a makeover as " Kachori Chaat " with dollops of yoghurt, green and sweet chutney and a generous helping of zero number Seethe DIY Mattar Bhel is somewhat of a challenge for those good at only eating- if you add the right amount of accompaniments that come in small katories you can end up curating a treat for yourself.

The Marina Beach, speciality of Chennai is a high protein combination of white peas, carrots, raw mango curry leaves and coconut shredding. Add to this the puffed Millet Bhel and you have a healthy platter from South.

For those who think dessert is the sweetest form of love, there is Rasagulla from rose flavoured milk- the softness and fluffyness is something to die for. Mishrimawa and Malai Kulfi are an added bonus.

For Beverage lovers there are various blends of tea and coffee to sip and savour. For all those calorie watchers if you want to reduce your blood sugar levels after the Chaat, binge chew on the home made paan served in a nawabi style platter- a perfect finish to an immersive "chaatlicious" experience.

**THE WALL**

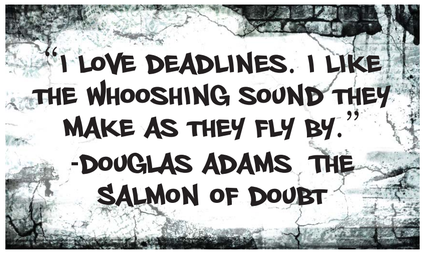


**BABY BLUES** By Rick Kirkman & Jerry Scott

**ZITS** By Jerry Scott & Jim Borgman

# सड़क निर्माण में कोताही पर सरसड़ी में ग्रामीणों ने लगाया जाम

## ग्रामीणों ने ठेकेदार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

**केकड़ी, (निस)।** ब्यावर रोड स्थित सरसड़ी ग्राम में ग्रामीणों ने देर शाम निर्माणाधीन सड़क के निर्माण में अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए ब्यावर केकड़ी मार्ग पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने ठेकेदार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

ग्रामीणों ने बताया कि इन दिनों सरसड़ी से कणेई तक करीब 14 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण के दौरान जमकर कोताही बरती जा रही है। जिसके कारण आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण का कार्य बेहद धीमी गति से किया जा रहा है। ऐसे में इस मार्ग पर यात्रा करने वाले राहगीरों को आवाजाही में परेशानी उठानी पड़ रही है। अधूरे निर्माण कार्य के चलते कई बार हादसें हो चुके है।

सड़क निर्माण में कोताही के विरोध में सरसड़ी में सड़क पर ग्रामीण एकत्रित हो गये।

ग्रामीणों का कहना है कि करीब तीन-चार महीने से सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसके चलते सरसड़ी, रामपाली, बिलिया सहित दर्जनों गांवों के लोगों को दूसरे मार्ग से होकर सफर करना पड़ रहा है। सड़क निर्माण कार्य में लापरवाही पर कई बार ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों को शिकायत भी दी, लेकिन ठेकेदार पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अधूरे निर्माण कार्य के चलते इस मार्ग पर आए दिन हादसे हो रहे है। रविवार को भी एक बाइक चालक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने सरसड़ी गांव में बीच सड़क मार्ग पर लकड़ियां व पत्थर डालकर जाम लगा दिया। जिसके चलते सड़क मार्ग के दोनों और वाहनों की कतारें लग गई।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार की ओर से सड़क निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। तय मानकों के अनुरुप सड़क निर्माण नहीं किया जा रहा है। सीसी सड़क निर्माण में बजरी की जगह खाल से निकलने वाली मिट्टी ड़ाली जा रही है। कई जगहों पर सीसी सड़क बनाई गई है, लेकिन यहां साइडों में रैम्प नहीं बनाया गया। जिससे आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त होकर चोटिल हो रहे है। सड़क को खोदने के बाद उस पर गिट्टी बिछाकर छोड़ दिया है। ठेकेदार द्वारा पानी का छिड़काव नही करने से दिनभर धूल उड़ती रहती है। जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

# धरपकड़ अभियान में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया

पुलिस ने रविवार को अपराधियों की धरपकड़ अभियान के अंतर्गत विभिन्न मामलों के 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

**बीदासर ।** पुलिस ने रविवार को अपराधियों की धरपकड़ अभियान के अंतर्गत विभिन्न मामलों के 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी कैलाशचंद्र ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक रैंज सीकर सत्येंद्र कुमार, चूरू जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशन में आदतन अपराधियों पर प्रभावी अंकुश एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ एवं आगामी लोकसभा चुनाव शान्ति पूर्वक कराने हेतु चलाएं जा रहें एरिया डोमिनेशन अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजानगढ़ दिनेश कुमार, बीदासर उप पुलिस अधीक्षक प्रहलाद राय के नेतृत्व में थाना हाजा पर गठित टीमों द्वारा अलग-अलग कुल 24 स्थानों पर दबिश दी गई। जिसमें थाना हाजा पर पूर्व में आमर्स एक्ट, एन डी पी एस एक्ट के प्रकरणों में चलानशुदा अपराधियों व थाना हाजा के एच एस अपराधियों को चैक किया जाकर पूछताछ की गई तथा 12 चालानशुदा व एच एस को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय में पेश किया गया।

# स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए प्रशासन तैयार : चिन्मयी गोपाल

## जिला निर्वाचन अधिकारी चिन्मयी गोपाल ने ली प्रेस कॉन्फ्रेंस

**झुंझुनूं ।** लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी चिन्मयी गोपाल ने रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनावी तैयारी की जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला कलेक्टर ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासन की तैयारी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए प्रशासन पूर्ण रूप से तैयार हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि झुंझुनूं लोकसभा क्षेत्र में 20 लाख 61 हजार 889 मतदाता है जिनमें 29 हजार 576 सर्विस वोटर्स है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम जारी होने के साथ ही लागू आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराने को लेकर पुलिस ने भी कमर कस ली है। लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय पुलिस फोर्सेस की 35 टुकड़ियों मौजूद रहेगी।

जिनके लगभग 39 हजार सशस्त्र पुलिसकर्मी निष्पक्ष व भय मुक्त चुनाव करवाने के लिए मतदान केंद्रों पर तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया कि वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जाएगा एवं गुंडा एक्ट के तहत भी कार्यवाही की जाएगी। हरियाणा के सीमावर्ती क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरा से निगरानी की जाएगी। सीमावर्ती क्षेत्र के हर कच्चे पक्के रास्ते पर पुलिस की नजर रहेगी। उन्होंने बताया कि सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम रामरतन सौंकरिया ने बताया कि निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया, केबल के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाने वाली सामठी पर भी निगरानी रखी जा रही हैं। किसी भी प्रकार की फेक न्यूज अथवा एमसीसी का उल्लंघन करने वाली पोस्ट किए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि पेड न्यूज पर निगरानी के लिए सूचना केंद्र में प्रकोष्ठ संचालित किया जा रहा हैं। संदेहास्पद पेड न्यूज की जानकारी मिलने पर, शिकायत के आधार पर एवं स्वप्रेरणा से संज्ञान लिया जाएगा।

# फागोत्सव 22 मार्च से

**लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी ।** प्रतिवर्ष की भांति स्थानीय कबूतरिया कुआ के पास आयोजित होने वाले तीन दिवसीय फागोत्सव कार्यक्रम का आयोजन इस साल 22 मार्च से लेकर 25 मार्च तक होगा। आयोजन की सफलता को लेकर फ्रेंड्स वेलफेयर सोसाइटी के कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक रविवार को संगठन कार्यालय में अध्यक्ष प्रदीप शर्मा की सम्पन्न हुई। आयोजन समिति के संयोजक शशांक जोशी, रवि जैन व अश्विनी पारीक ने बताया कि कार्यक्रम में तीनों दिन गींदड़ प्रतियोगिता का आयोजन होगा। प्रतियोगिता में बालक, युवा व वरिष्ठ तीनों वर्गों के प्रथम तीन स्थान पर रहने वाले विजेताओं को नगद पुरस्कार व गिफ्ट हैंपर प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बालिकाओं की गींदड़ प्रस्तुति रहेगी। बालिकाओं के लिए अलग से प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

# संजय महला को केंद्र सरकार ने अपना अधिवक्ता नियुक्त कर दी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

## सीबीआई सहित केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण विभागों से जुड़े रहे है महला

- सीबीआई के स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर पद पर रहते हुए कई हाई प्रोफाइल मामलों में प्रभावी पैरवी कर अपनी अमिट छाप छोड़ चुके है
- महला केंद्र सरकार से संबंधित मामलों में केंद्र की ओर से प्रभावी पैरवी करने के लिए तत्पर रहेंगे

**झुंझुनूं, 17 मार्च।** राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर के सीनियर एडवोकेट संजय महला को भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय ने उनके विशेष अनुभव को देखते हुए अपना वरिष्ठ पैनल अधिवक्ता नियुक्त कर केंद्र सरकार की ओर से पैरवी करने के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है।

मूल रूप से झुंझुनूं जिले के गांव खाजपुर नया के निवासी एवं राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर में वकालत कर रहे संजय महला पूर्व में भारत सरकार की महत्वपूर्ण शीर्ष जांच एजेंसी सीबीआई के स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर पद पर रहते हुए कई हाई प्रोफाइल मामलों में प्रभावी पैरवी कर अपनी अमिट छाप छोड़ चुके है।

फिलहाल वे देश के महत्वपूर्ण विभागों में से संघ लोक सेवा आयोग, एयरपोर्ट्स अथॉरिटी आफ इंडिया, पुलिस एवं फायर गेम्स बोर्ड ऑफ इंडिया व राजस्थान सरकार के कई महत्वपूर्ण विभागों व निकायों सहित शेखावटी की पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावटी विश्वविधालय एवं जेजेटी विश्वविद्यालय के अधिवक्ता के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे है। एडवोकेट महला हाईकोर्ट बार एसोसिएशन में विभिन्न पदों पर निर्वाचित हो चुके है।

अपनी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति को लेकर महला ने महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत सरकार के कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल सहित भाजपा संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों का अपनी इस नियुक्ति के लिए आभार जताते हुए कहा कि वे केंद्र सरकार से संबंधित मामलों में केंद्र की ओर से प्रभावी पैरवी करने के लिए तत्पर रहेंगे।

# सरपंच के चालक ने विकास अधिकारी से की मारपीट

**दौसा, (निसं)।** जिले की सिकराय पंचायत समिति के विकास अधिकारी से हाथापाई व मोबाइल तोडने का मामला सामने आया है।

आरोप है कि विकास कार्य स्वीकृत करवाने की बात को लेकर ठीकरिया ठाम पंचायत के सरपंच कमलेश मीणा ने अभद्रता की गई। सरपंच के ड्राइवर ने विकास अधिकारी के साथ उनके चेंबर में ही की हाथापाई मारपीट करने का पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया। जिसमें एक शख्स बीडीओ की ओर दौडता है तभी दूसरा युवक बीडीओ को पकड कर हाथापाई करता दिख रहा है। विकास अधिकारी के चेंबर में हंगामे की आवाज सुनकर दूसरे लोगों ने बीच बचाव किया।

इस दौरान सरपंच व उसका ड्राइवर वहां से फरार हो जाते हैं। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बीडीओ ने बताया कि वे पंचायत समिति परिसर स्थित अपने ऑफिस में सहायक लेखाधिकारी हरसहाय मीणा के साथ कार्य कर रहे थे। इस दौरान ठीकरिया सरपंच कमलेश उनके कक्ष में आया और कार्य स्वीकृत करने के लिए कहने लगा। बीडीओ ने सरपंच को बताया कि उक्त कार्य प्लान में जुडवाने के बाद स्वीकृत कर दिए जाएंगे। वही आवेश में आकर सरपंच ने उनका मोबाइल छीनकर फेंक दिया। उसके ड्राइवर बलराम ने मारपीट कर सरकारी डाक्यूमेंट्स फाड़ दिए। मानपुर थाना इंचार्ज सुरेश कुमार ने पंचायत समिति के विकास अधिकारी बाबूलाल मीणा ने ठीकरिया ठाम पंचायत के सरपंच कमलेश मीणा व उसके ड्राइवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच जांच की तो विकास अधिकारी व सरपंच के बीच विवाद की बात सामने आई है मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरपंच व चालक द्वारा खंड विकास अधिकारी के साथ की गई हाथापाईयों मारपीट को लेकर पंचायत कार्मिकों में रोष व्याप्त है। वही इस घटना के बाद चर्चा की जब अधिकारी खुद के चेंबर में ही सुरक्षित नहीं तो फील्ड में जांच आदि कार्य को लेकर अधिकारी कैसे निकल पायेगा इसे लेकर कडी कार्रवाई की मांग की गई है।

# बच्चे का भ्रूण मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैली

**भीलवाड़ा, (नि.सं.)।** शहर के सदर थाना इलाके में स्थित पालड़ी गांव की कंजर बस्ती के निकट नाली में बच्चे का भ्रूण मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को अपने कब्जे में लेकर महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया है।

सदर थाने के एएसआई रामप्रसाद ने बताया की थाने में सूचना मिली कि पालड़ी गांव की कंजर बस्ती के निकट नाली में बच्चों को एक नवजात बच्चे का भ्रूण मिला है सूचना पर वह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे तो दो ढाई महीने का भ्रूण नाली के निकट पड़ा हुआ था। क्षेत्रवासियों का कहना था की बच्चों ने उसे खेलने का गुड्डा समझ कर नाली से बाहर निकाला और खेलने लगे जब इस बारे में क्षेत्र के लोगों को पता चला तो वह तत्काल मौके पर पहुंचे और भ्रूण को सुरक्षित रखकर पुलिस को इसके बारे में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को अपने कब्जे में लेकर महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचाया जहां फिलहाल उसे मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया है।

# मोटरसाइकिलों की टक्कर में दो जनों की मौत

- मामला सिरोही जिले के रेवदर कस्बे में कांडला हाईवे का है
- हादसे के बाद मौके पर बड़ी तादाद में लोग जुट गये

**रेवदर, (निसं)।** आवाडा रोड पर आमने सामने की भीषण टक्कर में दो बाइकों के परखच्चे उड गए। हादसा इतना भीषण था कि बाइकों पर सवार 4 लोग उछलकर एक-दूसरे से टकराए। दुर्घटना में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो घायलों को गुजरात रेफर किया गया है। मामला सिरोही जिले के रेवदर कस्बे में कांडला हाईवे का है। घटना रविवार सुबह 10 बजे हुई।

एएसआई दिनेश कुमार ने बताया सुबह 10 बजे आवाडा मार्ग पर रेवदर पुलिस थाने के पास दो बाइक टकरा गईं। एक बाइक पर भगाराम मेघवाल (50) पुत्र रावताराम, कालाराम मेघवाल (72) पुत्र रामजीराम और लवजीराम सवार थे। तीनों सुबह 9 बजे रोहुआ से बाइक पर साथ निकले थे। रेवदर में रविवार को मेघवाल समाज के छात्रावास में एक कार्य म में शामिल होने जा रहे थे। सुबह 10 बजे आवाडा मार्ग पर रेवदर पुलिस थाने के पास सामने से आती बाइक से भिडंत हो गई। उस बाइक पर रेवदर के पिलाची रामपुरा का निवासी गेनाराम कोली (28) था। दोनों बाइकों में जबरदस्त भिडंत हुई। चारों उछलकर गिरे।

हादसे के बाद मौके पर बडी तादाद में लोग जुटे। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से चारों घायलों को रेवदर हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां रोहुआ (रेवदर) निवासी भगाराम की मौत हो गई। कालाराम, लवजीराम और गेनाराम कोली को पालनपुर (गुजरात) रेफर किया गया। रास्ते में कालाराम ने रास्ते में भी दम तोड दिया। मृतकों के शव रेवदर हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाए गए। जबकि लवजीराम व गेनाराम का गुजरात में इलाज चल रहा है। परिजनों की रिपोर्ट के बाद शवों का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए।

# अब अलवर के बहाला गांव में भी चंदन की खेती

**अलवर, (निसं)।** अलवर जिले के किसानों के लिए खुशखबरी लेकर आया है एक किसान जिसने अपने खेत में सफेद चंदन की खेती कर सभी को चौका दिया है। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांव बहाला में मांगी लाल प्रजापति ने अपने खेत में करीब डेढ़ बीघा भूमि में सफेद चंदन के 323 पौधे लगाए है। ये पौधे करीब छह माह के हो चुके है। कृषक मांगीलाल प्रजापति ने बताया कि पहले तो उन्हें भय था कि पौधे लगे या नहीं लेकिन उनकी मेहनत रंग लाई और आज उनके सभी पौधे लहरा रहे है। उन्होंने बताया कि ये पौधे करीब बारह-तेरह साल में बड़े हो जाते है और इनकी बाजार में कीमत करीब एक पेड़ की एक लाख रूपये होती है इससे अगर उनके सभी पौधे मोजूद रहे तो उन्हें करीब तेरह साल बाद सवा तीन करोड की आय हो सकती है जो फसल उगाने से सौ गुना ज्यादा फायदा देगी। वही उन्होंने सेव, संतरा, नीबू आंवला, चीकू आदि फलों के भी पोधे लगाए हुए है। उनका सारा फोकस इन पौधों को बडा करने में लगा हुआ है। अगर उनका सपना सफल होता है तो अलवर के एकमात्र ऐसे किसान होगे जिन्होंने ऐसा प्रयास किया और वे सफल भी हुए।

# युवक के पेट्रोल छिड़ककर आग लगाई

- गंभीर हालत में युवक को जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रैफर किया गया है

**जोधपुर, (कासं) ।** ओसियां थाना क्षेत्र के चेराई रामनगर में एक नरेगा साइट पर युवक के पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में युवक को जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रैफर किया गया है। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। हालांकि यह पता नहीं चल सकता है कि श्रमिक ने खुद पेट्रोल छिड़ककर आग लगाई या उसे जलाया गया है।

मामले की जांच कर रहे ओसियां थाने के एसआई सुल्तान सिंह ने बताया की ओसियां के निकटवर्ती चिरई के रामनगर में नरेगा साइट पर बिरमाराम नाम के युवक के आग लगाने की जानकारी मिली थी। तब टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

अभी तक इस मामले में किसी की ओर से रिपोर्ट नहीं दी गई है । जांच के बाद ही पता चल सकेगा की वास्तविकता क्या थी। बुरी तरह झुलसे युवक को महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।घटना की सूचना मिलने के बाद तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे । युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। युवक 80 प्रतिशत तक झुलस चुका है।

बताया जा रहा है कि युवक बिरमाराम का खेत की जमीन को लेकर पड़ोसियों से झगड़ा चल रहा है। युवक नरेगा साइट में काम भी करता है। शनिवार को भी लड़ाई हुई तो ग्रामीणों ने समझाइश कर मामला शांत करवाया था। आज सुबह दस बजे के करीब युवक नरेगा साइट पर पहुंचा था। बताया जा रहा है की इसी बीच युवक का तीन चार अन्य युवकों के साथ झगड़ा हो गया। इसके बाद युवक के झुलसने की जानकारी सामने आई। हालांकि ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवक ने खुद पेट्रोल उड़ेलकर आग लगाई या फिर किसी ने उसे जलाया है।

# कार से 80 किलो 800 ग्राम डोडा पोस्त चुरा जब्त

**भीलवाड़ा, (नि.सं.)।** जिले की गुलाबपुरा थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक लग्जरी कार से 80 किलो 800 ग्राम डोडा पोस्त चुरा जप्त किया है । पुलिस ने इस मामले में दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है । पकड़े गए डोडा चूरा की कीमत करीब 22 लख रुपए बताई जा रही है।

गुलाबपुरा थाना प्रभारी पूरणमल ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के चलते थाना क्षेत्र में नाकाबंदी की गई थी । इसी दौरान भीलवाडा की ओर से आ रही एक हुंडई वरना कार को रुकवाया । इसमें ड्राइवर व उसके साथ एक व्यक्ति बैठा था । पूछताछ में ड्राइवर ने अपना नाम वेद प्रकाश पिता रामेश्वर लाल जाट ( 32 ) निवासी हनुमानगढ़ व साथ में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम विनोद पिता धर्मपाल जाट ( 25 ) निवासी हनुमानगढ़ बताया । कार के शीशे पर काली रंग की जाली लगी हुई थी । पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो इसमें चार कट्टों में अफीम डोडा चुरा



गुलाबपुरा थाना पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है

मिला । पुलिस ने दोनों व्यक्तियों से अफीम डोडा चूरा परिवहन करने से संबंधित कागज पूछे तो उनके पास कोई परिवहन का कोई कागज नहीं मिलने पर पुलिस ने 8 / 15 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया और कार को जप्त किया । चारों कट्टों का वजन करने पर इसमें कुल 80 किलो 800 ग्राम डोडा चुरा पाया गया जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 22 लख रुपए बताई जा रही है । पुलिस प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने चित्तौड़गढ़ से डोडा चूरा लाना और हनुमानगढ़ इसकी सप्लाई करना कबूल किया है । पुलिस दोनों आरोपियों से और अधिक पूछताछ में लगी है।

# रंगरूडौ फाग उच्छब 22 मार्च से

**रतनगढ़ ।** सांस्कृतिक सरोकारो की संस्था शिवाजी सेवा संस्थान की ओर से प्रति वर्ष होली के अवसर पर आयोजित होने वाला "रंगरूडौ फाग उच्छब 22 मार्च से होगा। यह निर्णय संस्थान के अध्यक्ष किशोरीलाल बील की अध्यक्षता में गत रात्रि हुई बैठक में लिया गया। आयोजन समिति के संयोजक विकास रिणवा ने बताया कि इस वर्ष का फाग उच्छब लोकरंग के रसिया कलाकार स्व.सुखदेव माली व स्व.बालकृष्ण सैनी को समर्पित रहेगा। रिणवा ने बताया कि स्व.सुखदेव माली व स्व. बालकृष्ण सैनी शिवाजी सेवा संस्थान के आधार स्तम्भ थे और हाल ही में दोनों दिवंगत हुए हैं। शिवाजी सेवा संस्थान प्रांगण में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए संस्थान के सचिव अशोक वर्मा व लिट्टू कल्पनाकांत ने संयुक्त रूप बताया कि रंगरूडौ फाग उच्छब 2024 के अन्तर्गत 22 मार्च को रामगढ़ शेखावाटी की याराना ढ़प मंडल व 23 मार्च को श्री लोकनृत्य ढ़प मंडल लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी के लोक कलाकारों की ओर से चंग,बांसुरी व धमाल कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

# चंग की थाप पर फाल्गुन महोत्सव मनाया

- भगवान श्याम प्रभु की मनमोहक झांकी सजाई गई, तथा फूलो से विशेष श्रृंगार किया गया

**बीदासर।** श्याम परिवार के तत्वाधान में शनिवार की रात्रि में कस्बे की राधाकृष्ण हवेली में श्री श्याम एवं बालाजी फाल्गुन महोत्सव 2024 का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भगवान श्याम प्रभु की मनमोहक झांकी सजाई गई, तथा फूलो से विशेष श्रृंगार किया गया। रात्रि में आचार्य देवकी नन्दन व्यास ने वैदिक मंत्रौच्चार के साथ पूजा अर्चना करवाई। पूजा के बाद महा ज्योत व महाआरती में श्रृद्धालुओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। महाआरती के पश्चात संगीतमय कीर्तन का शुभारम्भ मुरलीधर पारीक ने " गंजानन्द महाराज पधारों कीर्तन की सब तैयारी है "गणेश वंदना से हुआ। कीर्तन में फरीदाबाद की भंजन गायका शशी पाटनी, रतनगढ के प्रदीप पारूल आत्रे, नोखा के मुरलीधर पारीक, हरियाणा की तनु खरखोटा,



श्याम परिवार के तत्वाधान में राधाकृष्ण हवेली में श्री श्याम एवं बालाजी फाल्गुन महोत्सव 2024 का आयोजन किया गया।

दिव्याकर ओझा ने प्रभु श्री श्याम के भंजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर श्रृद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्याम कीर्तन में श्याम परिवार के गोंविद पारासर, रवि मोदी, मनोज पंसारी, मनोज शर्मा, शिवकुमार टांटिया, विकास गौड, समाजसेवी गिरधारी लाल मेहला, मनोज माली, धर्मदत शर्मा, परमानन्द शर्मा, पुसराज गौड, विमल टांटिया सहित सैकड़ो की संख्या में श्रृद्धालुओ ने भाग लिया। बीदासर कस्बे में होली के पर्व को लेकर कस्बे मे अनेक स्थानों पर चंगो की थाप पर देर रात्रि तक चलने वाले चंग नृत्य को देखने के लिए दर्शकों का हजूम उमड़ रहा है। नया बस स्टेण्ड के पास कोडामल बैंगवानी के नोहरे में आपणो रंगारंग फाग उत्सव व चंगोत्सव में शनिवार की रात्रि में राजस्थानी वेशभूषा में सजे कलाकारों ने चंग व ढप की थाप, ढोलक की रिदम और बांसुरी की धुन पर फाल्गुनी धमालों तथा चंगो की थाप पर फाग रसीयों ने नृत्य कलाकार सुरेन्द्र पाण्डेय के साथ जमकर ठुमके लगाये।

## संक्षिप्त

### जयराम गुर्जर का सम्मान किया

**मनोहरपुर,** (निसं)। कस्बे के प्रतापपुरा में स्थती शिव मंदिर पापडा की ढाणी में गुर्जर समाज के गणमान्य लोगों ने राष्ट्रीय स्तर नेटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने पर जयराम गुर्जर का साफा, माला पहनाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। जगदीश प्रसाद गुर्जर ने बताया कि पूर्व वार्डपंच मालीराम कसाना ने कहा कि समाज की प्रतिभाओं का सदैव सम्मान करना चाहिए जिससे आगे बढने का हौसला बढता है। इस अवसर पर मालीराम कसाना, व कानाराम भूभला सहित अन्य ने भी गुर्जर को नकद राशि भेंट की। इस मौके पर रामकरण गुर्जर, बोदूराम गुर्जर, रिछपाल गुर्जर, रंगलाल गुर्जर, कानाराम भुमला, गणेश गुर्जर, जगदीश प्रसाद गुर्जर, ओमप्रकाश गुर्जर मौजूद रहे।

### एटीएम नहीं होने से ग्राहक परेशान

**निवाई,** (निसं)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा सिरस में एटीएम नहीं लगा होने से ग्राहकों को नकद राशि निकलवाने में परेशानी का सामना करना पड रहा है। पूर्व सीआर रामेश्वर मीणा, राजेश टायगर, श्यामलाल योगी, राजू जायसवाल, रामजीलाल जाट, ताराचन्द्र जाट, रामभजन योगी व गोविन्द सिंह सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि यूनियन बैंक सिरस में एटीएम नहीं लगा होने से ग्राहकों को छुट्टी के दिन राशि निकलवाने के लिए निवाई या टोंक जाना पडता है। उल्लेखनीय है कि सिरस में 3 वर्ष पहले एटीएम लगा हुआ था। जिससे ग्राहकों को अच्छी सुविधाएं मिल रही थी। बैंक प्रबंधन द्वारा उक्त एटीएम को हटा दिया है।

### स्कूल का वार्षिक समारोह आयोजित

**अलवर,** (निसं)। बचपन स्कूल काला कुंआ अलवर का 6वॉ वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन शहर के महावर ओडोटोरियम में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में स्कूल की प्रिंसीपल पूनम जैन और डायरेक्टर डॉ.ललित जैन ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के चीफ गेस्ट अलवर शहर के पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंगल रहे जबकि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओकेशपाल, राजेन्द्र प्रसाद जैन, एक्स प्रिंसीपल मंजू शर्मा, चीफ पेटी आफिसर रमेश चंद यादव,एक्स नेवी आफिसर शेर सिंह यादव एवं सैलीब्रिटी प्रज्ञा प्रजापति और साहिल अनरेजा शामिल हुए सभी ने बच्चों का उत्साह बढाया।

### अज्ञात ने फसल के ढेर में आग लगाई

**टोंक,** (निसं)। पीपलू थाना क्षेत्र के ग्राम मालीपुरा में अज्ञात बदमाशों ने कटी फसल के ढेर पर आग लगा दी। इससे फसल जलकर राख हो गई। पीपलू थाना प्रभारी जगमोहन ने बताया की शनिवार रात्रि 2 बजे सूचना मिली कि रामप्रसाद पुत्र हरनाथ जाती सैनी, राजेंद्र पुत्र बजरंग लाल जैन पासरोटियां के अधोनी (सिरी) भंवर लाल सैनी की कटी हुई फसल पर अज्ञात लोगों ने आग लगा दी, जिसे दमकल बुलाकर बुझाया गया लेकिन दोनों खेतों की करीब 30 बोरी सरसों जलकर राख हो गई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया है।

### 221 पदयात्री खाटूश्याम रवाना

**किशनगढबास,** (निसं)। श्री श्याम प्रचार मंडल किशनगढबास के तत्वधान में 221 श्यामभक्त खाटूश्याम के लिए रवाना हुये। पदयात्रा किशनगढबास से होते हुए श्याम मंदिर बास कृपाल नगर से जुलूस के साथ रवाना हुई। श्याम भक्त नरेश गुप्ता ने बताया कि पदयात्रा 20 मार्च को खाटू श्याम पहुंचेगी। पदयात्रा में आनंद स्वरूप शर्मा, राधेश्याम अग्रवाल तिजारा वाले, धनराज जांगिड, नरेश गुप्ता, संस्कार अग्रवाल, देवेन्द्र जांगिड, विनोद सैनी, दिलबाग चौधरी, बलवान यादव, बिन्नू सैनी, अंशुल अग्रवाल मामचंद पंडित, चन्द्रशेखर स्वामी कृष्ण यादव, धीरज मालानी मौजूद रहे।

### धारदार तलवार के साथ एक गिरफ्तार

**निवाई,** (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध धारदार तलवार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि थानांतर्गत गांव मुख्तार नगर के राजकीय स्कूल के सामने से एक आरोपी को एक तलवार के साथ गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसकी सूचना मुखबिर से मिली थी। पुलिस ने बताया कि अनिल पुत्र रामस्वरूप वर्मा को गिरफ्तार कर अवैध तलवार को जब्त कर लिया।

# पुरातन छात्र सम्मेलन में छात्र जीवन की यादों को साझा किया

**चाकसू,**(निसं)। कस्बे के टोंक रोड स्थित आदर्श विद्या मंदिर में पुरातन छात्र सम्मेलन हुआ। जिसमें विद्यालय छोड चुके लोगों ने हिस्सा लेकर अपने छात्र जीवन की यादों को साझा किया।

इस अवसर पर पुरातन छात्र समिति का गठन सर्वसम्मति से हुआ। पुरातन छात्र समिति द्वारा महेश कुमार शर्मा (डूसरी वाले) को संयोजक और दिनेश कुमार शर्मा को सह संयोजक नियुक्त किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामावतार बैरवा, अध्यक्षता महंत राजेंद्र पुरी महाराज, (गणेशपुरी धाम चाकसू) तथा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रामदयाल सेन, जिला व्यवस्थापक आदर्श शिक्षा समिति जयपुर रहे। विद्या मंदिर की समिति द्वारा विधायक बैरवा एवं अतिथियों का साफा पहनाकर, स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। पुरातन छात्रों के सम्मान में विद्यालय के छात्र, छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य अतिथि रामावतार बैरवा ने चाकसू क्षेत्र को शिक्षा, चिकित्सा और सुविधाओं के क्षेत्र में अग्रणी करने का आश्वासन दिया। मुख्य वक्ता ने आदर्श विद्या मंदिर द्वारा संस्कार युक्त शिक्षा, अनुशासन, देशभक्ति और समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी विद्यालय बताते हुए पूरे देश भर में विद्या मंदिरों द्वारा किए जा रहे युवाओं द्वारा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्या मंदिर के पूर्व प्रधानाचार्य डॉक्टर सरदार सिंह यादव, जगदीश प्रसाद गुर्जर, किशोरी लाल शर्मा, घनश्याम शर्मा, गोविंद सिंह गुर्जर, लालचंद शर्मा, गणेश नारायण मीणा, परीक्षा 2021में चयनित प्रद्युमन अग्रवाल और संजय चौधरी, भामाशाह महेश शर्मा, रचना शर्मा, अभिषेक जैन, शंभू घीया, रामेश्वर प्रसाद माली, अजय शर्मा आदि का पुरातन छात्र परिषद द्वारा स्वागत और सम्मान किया गया। महंत राजेंद्र पुरी ने सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए सनातन धर्म और संस्कृति की रक्षा हेतु कार्य करने का सभी से आव्हान किया। विद्यालय के व्यवस्थापक घनश्याम बाहेती, सत्यनारायण सांवरिया, मुकुट रावत, जुगल किशोर गर्ग, निहालचंद जैन, सचिन लाभी, रचना शर्मा, आशीष गुप्ता, प्रधानाचार्य सुमेर सिंह शेखावत, सीमा शर्मा, रामावतार जाट, गणपत सिंह सिसोदिया एवं समिति द्वारा आगंतुकों का स्वागत और सत्कार किया गया। इस अवसर पर चाकसू कस्बे के 250 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। पुरातन छात्र समिति द्वारा अतिथियों का स्वागत और सत्कार किया गया। विद्यालय का समस्त स्टाफ और पूर्व छात्र परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चाकसू में पुरातन छात्र सम्मेलन में विद्यालय छोड़ चुके लोगों ने हिस्सा लेकर अपने छात्र जीवन की यादों को साझा किया।

- समिति का गठन कर महेश शर्मा को संयोजक और दिनेश शर्मा को सहसंयोजक बनाया

### सेंधमारी कर लाखों की चोरी

**टोंक,** (निसं)। सदर थाना इलाके में रविवार को बमोर रेड स्थित एक मकान से अज्ञात चोर एक लाख दस हजार की नगदी समेत साढे तीन लाख के जेवरात पार हाथ साफ कर गए। जानकारी के अनुसार गणेश सैनी पुत्र मोतीलाल 4 बजे बाद सरपंच कॉलोनी स्थित अपने गोदाम को समहलने गया था। इस दौरान पीछे से अज्ञात चोर पीछे के गेट का ताला तोडकर अंदर गया और चांदी के कडिया, कडूले, कनकती, सोने के मंगलसूत्र, टोपिस सहित एक लाख दस हजार की नकदी पार कर ले गए। जानकारी के अनुसार गणेश सैनी ने मकान में कॉल्ड्रीन्क व आईसक्रीम की एजेंसी लगा रखी थी, अपरान्ह को वह सरपंच कॉलोनी स्थित गौदाम को सम्हालने गया था, जिसके पीछे से यह वारदात हो गई। सूचना पर सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मौका मुआयना कर साक्ष्य साक्षी जुटाए। पीएफ गणेश सैनी ने बताया कि जिस दौरान चोरी हुई उसे समय उसके पिताजी मकान के बाहर में गेट पर थे वही उसकी पत्नी भी किसी काम से पडोस में गई हुई थी। जहा मौका देखकर चोरों ने पीछे का गेट खोलकर अंदर प्रवेश किया और नगदी और जेवरात चुरा ले गए।

# फुलेरा में दो स्थानों पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

**फुलेरा,** (निसं)। फुलेरा में रविवार को दो अलग-अलग स्थानों पर स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। जिनमें क्षेत्रवासियों सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने बढ-चढकर हिस्सा लिया। साथ ही उत्साह के साथ रक्तदान किया।

गौरतलब है कि कस्बे के गणगौरी बाजार स्थित रामद्वारा धर्मशाला में फुलेरा ब्लड बैंक की प्रथम वर्षगांठ पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर आयोजनकर्ताओं ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के दौरान डॉ. पवन गुप्ता एवं उनकी टीम के द्वारा कुल 80 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया साथ ही आगे बताया कि कस्बे में गत वर्ष 13 मार्च 2023 को फुलेरा ब्लड बैंक की स्थापना हुई थी। जिसकी प्रथम वर्षगांठ पर उक्त रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। वहीं आगे बताया कि रक्तदाताओं की हौसला अफजाई हेतु उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं जीवन सुरक्षा के हेतु एक हेलमेट देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अंशु कुमावत, हिमांशु कुमावत, लेखराज कुमावत, मनीष सैनी, मनोज जोगी, हरफूल योगी, चेतना, सुमन नायक विशेष सेवाएं प्रदान की। वहीं दूसरी ओर कस्बे की बालाजी बायपास सडक स्थित माध्यमिक आदर्श विद्या मन्दिर परिसर में भी सेवा भारती समिति के द्वारा तरूण भारत रक्तदान शिविर एवं निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. गजेन्द्र कुमार शर्मा, एक्यूप्रेशर डॉ मूलचन्द जांगिड एवं बीईएमएस डीएनवाईएस डॉ. अविनाश दाधिच ने सेवाएं प्रदान की। उपरोक्त जानकारी देते हुए समाजसेवी महावीर प्रसाद जैन ने बताया कि आयोजित रक्तदान शिविर में सरकारी ब्लड बैंक के डॉक्टरों की टीम द्वारा कुल 80 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

रक्तदान शिविर में सरकारी ब्लड बैंक के डॉक्टरों की टीम द्वारा कुल 80 यूनिट रक्त एकत्रित किया।

### सिंघीवाल समाज का सम्मेलन

**कोटपूतली,** (निसं)। जनकल्याण संस्थान जयपुर एवं सिंघीवाल समाज विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को रिवाला धाम मलपुरा में सिंघीवाल समाज का सम्मेलन आयोजित हुआ। इस मौके पर हवन यज्ञ किया गया। रिवाला धाम महंत स्वामी गणेशानन्द महाराज ने कहा कि विश्व भर में केवल हिंदू संस्कृति एवं हिन्दू रिति नीति ही सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने गाय की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम सभी की मुक्ति का आधार गाय है, हमें परिवार में गाय रखनी चाहिये एवं गौ माता के दूध व घी का सेवन करना चाहिये। धर्मजागरण विभाग के प्रांत संयोजक अशोक शर्मा ने कहा कि हम सभी के पूर्वज हिन्दू थे और हमें इस बात का गर्व होना चाहिये। धर्म जागरण प्रांत प्रमुख अमर सिंह ने कहा कि हमें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने का प्रयास करना चाहिये। समाज में व्याप्त बुराईयों को दूर करने का प्रयास करना चाहिये। ब्रह्म मुनि महाराज व विभाग सह संयोजक लक्ष्मण मीणा ने भी सम्बोधित किया। सिंघीवाल समाज विकास समिति के पदाधिकारियों सहित समाज के लोगों ने समाज विकास पर अपने विचार रखे।

# सांभर अंबेड़कर समिति के नवीन पदाधिकारियों की घोषणा

सांभर में अंबेडकर चेतना समिति के नवीन पदाधिकारी घोषित किए गए।

**सांभरझील,** (निसं)। अंबेडकर भवन में डॉ.भीमराव अंबेडकर चेतना समिति की आमसभा का आयोजन प्रतापचंद बासीवाल की अध्यक्षता में किया गया।

इसमें सर्वसम्मति से पदाधिकारियों को निर्वाचित किया गया। जिसमें संरक्षक डॉ.ज्ञान प्रकाश दायमा , ताराचंद तंवर, प्रतापचंद बासीवाल, जगदीश प्रसाद सांभरिया, मदनलाल चौहान, अध्यक्ष विनोद दुलारिया, उपाध्यक्ष भागचंद सुखरिया, मोहनलाल गर्वा, राजेश कचावटिया, जगदीश प्रसाद सुनिया, अरविंद मेहरडा, महासचिव नाथूलाल बेरवाल, सचिव रमेश कुमार बंसीवाल, अभिलाष तंबोलिया, पुखराज भांडोरिया, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर सांभरिया, सहकोषाध्यक्ष कैलाश सांभरिया, संगठन मंत्री नानकराम गेहनोलिया, प्रभुदयाल उज्जैनिया, प्रचार मंत्री दीनदयाल सबलानिया, कपिल चौहान, देवेंद्र कुमार, सूरज सबलानिया, सत्यनारायण सालोदिया, गिरधारी गेहनोलिया, हिरालाल चौहान, मांगीलाल बंसीवाल, दानमाल जावलिया, मिश्रीलाल बोकोलिया, खेमचंद सबलानिया, भंवर लाल बंसीवाल, सुनील बंसीवाल, कोमेश नोगिया, मनीष नोगिया, पुरुषोत्तम बासीवाल, प्रवक्ता जितेंद्र दुलारिया, आशीष खारडिया, बाबूलाल सबलानिया, हरिप्रकाश सबलानिया , शिवराम गेहनोलिया, हिमांशु बुनकर, मीडिया प्रभारी गोपाल नोगिया को निर्वाचित किया गया।

### सिद्धचक्र महामंडल विधान को लेकर रथयात्रा निकाली

**निवाई,** (निसं)। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं सुबोधमति माताजी के सानिध्य में अष्टानिका पर्व को लेकर रविवार को श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान का शुभारंभ विशाल रथयात्रा निकाल कर किया गया।

सुनिल भाणजा ने बताया कि भगवान पारसनाथ की विशाल रथ यात्रा के जुलूस में सबसे आगे ध्वज लेकर युवा चल रहे थे। सभी महिला मंडल अपने ड्रेस कोड के साथ भगवान पारसनाथ का जयकारा लगाते हुए चल रही थी। महिला जय घोष अपनी धुन बजाते हुए चल रहा था। जो मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। अंत में पीली कंठ के रथ में भगवान पारसनाथ को सारथी के रूप में महावीरप्रसाद जैन पहाडी रथ को खेंचते हुए चल रहे थे। ख्वासजी धर्मचंद जैन पहाडी को बनाया गया। सुनिल ने बताया कि भगवान पार्श्वनाथ का विशाल जूलूस कायस्थों का मोहल्ला, पटेल रोड, बडा बाजार, सब्जी मंडी, बिचला जैन मंदिर, चौहटी बाजार, गणगौरी बाजार, राधा दामोदर जी का कुंड व पुलिस थाना के सामने से होता हुआ पारसनाथ उद्यान नसिया मंदिर स्थित संत निवास पहुंचा। जहां पं. धर्मचंद शास्त्री अष्टापद द्वारा मंत्रोच्चार पूर्वक विधि विधान के साथ झंडारोहण कराया। ध्वजारोहण करने का सौभाग्य तारा देवी, महावीर प्रसाद, मनभरदेवी जैन, मुकेश कुमार, अनिल कुमार जैन पहाडी परिवार द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि ध्वजारोहण के पश्चात विधान की पूजा प्रारंभ हुई जिससे पूर्व देव, आज्ञा गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, अंकुरारोपण, सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा भूमि शुद्धि की गई। इसके बाद शांति धारा के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया। तत्पश्चात संगीतकार अरविंदकुमार जैन सागर द्वारा नित्य नियम पूजा व पर्व पूजा के साथ विधान पूजा प्रारंभ हुई जिसमें सौधर्म इंद्र परिवार द्वारा आठ श्रीफल अर्घ्य चढाकर मंडप पर समर्पित किए गए। इस अवसर पर समाज के मंत्री महावीरप्रसाद पराना, शिखरचंद काला, महेंद्र चंवरिया, मनोज पाटनी, सुनील भाणजा, अशोक बिलाला, पवन बोहरा, राजेंद्र बगडी, विनोद सुनारा व विमल सोगानी आदि श्रद्धालु मौजूद थे।

- ध्वजारोहण के साथ हुआ शुभारंभ

# वार्षिकोत्सव व होली मिलन समारोह आयोजित

**नारायणपुर,** (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत गढी मामोड में स्थित श्रीमती मंजू देवी मेमोरियल कॉलेज में रविवार को वार्षिकोत्सव व होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया । इस अवसर पर अतिथि के रूप में मौजूद एनयुएसआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड, एसडीएम ऋषिराज, खरकडी कला सरपंच भागीरथ सैनी, लोकेश रैया, सरपंच प्रतिनिधि मातादीन गुर्जर आदि का संस्था कि ओर से साफा और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। समारोह में कॉलेज की 65 प्रतिभावान छात्राए खेलकूद सहित अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। छात्राओं ने समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रेरणादायक व देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुती देकर छात्राओं ने दर्शको से खूब तालियाँ बटौरी। एनयुएसआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीती की पहली सीढी छात्र राजनीति होती हैं। वही छात्र राजनीति आपको संघर्ष करना सिखाती हैं और आपको मजबूत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि जब एक बेटी शिक्षित होती हैं तो एक परिवार और समाज शिक्षित होता हैं। मंच संचालन विजेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर कॉलेज निदेशक बब्लू बागडा, एसएचएम निदेशक शिशुपाल यादव, पीएम स्वामी, प्रमोद गुर्जर सहित बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

वार्षिकोत्सव में कॉलेज की 65 प्रतिभाएं सम्मानित हुई।

- कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया

### मत प्रतिशत बढ़ाने की अपील

**अचरोल,** (निसं)। जिलाध्यक्ष जयपुर देहात उत्तर श्याम शर्मा एवं जिला अध्यक्ष दक्षिण सुरेश गुर्जर की अध्यक्षता में अचरोल स्थित वसुंधरा पीजी महाविद्यालय में बैठक संपन्न हुई। उत्तर देहात जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा ने उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए लोकसभा चुनाव में पिछले लोकसभा चुनाव से अधिक मत प्रतिशत बढाने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क करें और प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल द्वारा जनहित में कराए जाने वाले कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं जिससे भाजपा को समर्थन मिल सके। इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री किरोडी लाल, सहप्रभारी विमल अग्रवाल, लोकसभा संयोजक निर्मल कुमावत, जिला प्रभारी सतवीर यादव, जिला प्रमुख रामा चोपडा, विधायक विराटनगर कुलदीप धनकर, कोटपूतली हंसराज पटेल, बानसूर देवी सिंह, जमवारामगढ महेंद्र पाल मीणा, उपेन यादव आदि ने भाग लिया।

## सार-समाचार

### 129 महिलाओं को राशन बांटा

**गोविंदगढ/अलवर,** (निसं)।कस्बे में 253वां निशुल्क राशन वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल चौधरी प्रधान पति पंचायत समिति गोविंदगढ, विशिष्ट अतिथि राजेश जैन बडौदामेव, देवाराम बडौदामेव एवं मदन फौजी बडौदामेव की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबूलाल शर्मा जलाल पुरिया गोविंदगढ ने की। कार्यक्रम में सैंकडों विधवा, परितत्या, वृद्ध, विकलांग लोगों ने समिति द्वारा लाभ प्राप्त किया। समिति द्वारा लगभग 129 राशन गृहिताओं को राशन सामग्री का वितरण किया गया एवं सैंकडों लोगों को भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में समिति के रामेश्वर रावत, गिर्राज प्रसाद मीणा, कैलाश चंद्र गुप्ता, मंत्री नदीश कुमार स्वामी, ओमदीप गुप्ता, भुवनेश गुप्ता, लक्ष्मण शर्मा, कैलाश शर्मा, सीताराम गाबा, मोहन सेठी, डालचंद गुप्ता, अमित शर्मा, रत्तीराम शर्मा, मुकेश शर्मा, गुरदीप सिंह एवं समस्त कार्यकारिणी श्री मानव सेवा समिति गोविंदगढ उपस्थित रही।

### बस्ती संपर्क एवं संवाद संयोजक बने

**श्रीमाधोपुर,** (निसं)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के बस्ती संपर्क अभियान सीकर के जिला संयोजक बाबूलाल हल्दुनिया ने विधानसभा क्षेत्र श्रीमाधोपुर में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा बस्ती संपर्क एवं संवाद संपर्क अभियान को गति देने के लिए बस्ती संयोजक एवं बस्ती सह संयोजक नियुक्त किए हैं। जानकारी के अनुसार श्रीमाधोपुर देहात के लिए बस्ती संयोजक महेंद्र कुमार वर्मा को, श्रीमाधोपुर शहर बस्ती संयोजक रामावतार महरडा को, अजीतगढ बस्ती संयोजक सीताराम वर्मा एवम सह संयोजक लालचंद, टोडा चीपलाटा विधानसभा मंडल के लिए सीताराम वर्मा को बस्ती संयोजक, भारणी के लिए गिरधारी सूबेदार को एवं थोई झाडली मंडल के लिए प्रमोद कुमार सकरवाल को बस्ती संयोजक नियुक्त किया है। हल्दुनिया ने यह नियुक्ति भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेश कुमार मेघवाल की सहमति से की है। इन नियुक्तियों पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा शहर अध्यक्ष अशोक कुमार मीणा, अनुसूचित जाति शहर मंत्री सुरेश मतंग, डॉ आंबेडकर जागृति संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष भोजराज वर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष महेश कुमार मेघवाल व जिला संयोजक बाबूलाल हल्दुनिया का आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त संयोजक रामावतार महरडा सहित अन्य को बधाइयां दी हैं।

### बीसीएमओ ने मरीजों का उपचार किया

**कोटपूतली,** (निसं)। बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर ने आयुष्मान आरोग्य मन्दिर-आरोग्य परम धनम् शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नागाजी की गौर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीसीएमओ ने अस्पताल की व्यवस्थायें देखी। आदर्श चुनाव आचार संहिता की पालना को लेकर संस्था से पोस्टर व बैनर हटवाये गये। वहीं संस्था में चिकित्सक पदस्थापित नहीं होने के कारण बीसीएमओ डॉ. गुर्जर ने ओपीडी में मरीजों का उपचार किया। उन्होंने सीएमएचओ से संस्था में शीघ्र ही चिकित्सक लगवाने का अनुरोध किया है। इस दौरान सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

### श्रीराम उत्सव धूमधाम से मनेगा

**कोटपूतली,** (निसं)। विश्व हिंदू परिषद् की बैठक रविवार को ग्राम बिलवाडी के ओलिया हनुमान मंदिर में जिलाध्यक्ष रामविलास सिंघल के नेतृत्व में आयोजित की गई। जिला सह मंत्री अशोक सैनी ने विश्व हिंदू परिषद् के आगामी कार्यक्रमों की रूप रेखा रखते हुए कार्यो को गति देने के लिए लक्ष्य तय किये। आगामी भारतीय नववर्ष से हनुमान जयंती तक जिले भर में ग्राम इकाई स्तर तक धूमधाम से श्रीराम उत्सव मनाया जायेगा। इस दौरान विराटनगर निवासी भारत हिन्दू को प्रखण्ड मंत्री, राकेश हिन्दू को प्रखंड सह मंत्री व संजय हिन्दू को बजरंग दल प्रखंड संयोजक की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में बजरंग दल जिला संयोजक नेमीचंद हिन्दू, जिला सह संयोजक सुरेंद्र हिन्दू, जिला कोष अध्यक्ष रामसिंह सैनी, प्रखंड अध्यक्ष रामसिंह जाट, प्रखंड मंत्री उमेश हिन्दू, मनीष जोशी, अशोक गुर्जर, कृष्ण, राजेश सैनी, सुरेंद्र जाट समेत अन्य मौजूद रहे।

### रक्तदान शिविर में 45 यूनिट रक्तदान

**राजगढ,** (निसं)। समाजसेवी संस्था भारत विकास परिषद की ओर से किरण मोतीलाल बोहरा की स्मृति में खंडेलवाल धर्मशाला में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 45 यूनिट रक्तदान हुआ। कार्यक्रम के संयोजक पारस सर्राफ, जिनेंद्र जैन ने बताया कि भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ रक्तदान शिविर का शुभारंभ हुआ। भारत विकास परिषद के संरक्षक डॉ के एम गुप्ता,राजेश शर्मा ठेकेदार, लोकेश रावत, रश्मि विजय, एवं अन्य की प्रेरणा से युवाओ ने रक्तदान किया। माखनलाल चैरिटेबल ट्रस्ट अलवर ब्लड बैंक टीम ने रक्तदान शिविर में सहयोग किया। राजेश शर्मा ठेकेदार ने कहा कि रक्तदान से बडा कोई पुण्य नहीं है, केवल रक्त का एकमात्र स्त्रोत मानव है। उन्होंने रक्तदान के प्रति व्याप्त भ्रान्तियों को उदाहरण देकर दूर किया। इस शिविर में 45 यूनिट रक्तदान हुआ। इस अवसर पर ओम प्रकाश गुप्ता, सूर्य प्रकाश, दीपक विजय, खामोश सैनी, एवं अन्य मौजूद रहे। रक्तदान करने वाले सेवाभावियों का प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित कर हौसला अफजाई की।

### 1035 नेत्र रोगियों की जांच व दवा बांटी

**नारायणपुर,** (निसं)। मिश्री देवी आई हॉस्पिटल एवं रिसर्च सैन्टर बहरोड के सयुंक्त तत्वाधान में रविवार को अग्रवाल धर्मशाला में युवा यादव महासभा अध्यक्ष राजेन्द्र यादव के सानिध्य में आयोजित आँखों का निशुल्क चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.विरेन्द्र सिंह यादव बहरोड द्वारा 1035 मरीजों की जांच कर निशुल्क दवा वितरण की गई । जिसमे देर शाम तक मोतियाबिंद, भैंगापन, नाखुना, काला पानी आदि बीमारी के मरीजों की जांचकर निशुल्क दवा दी गई । आँपरेशन के लिए 217 मरीजों को चयनित किया गया। जिनका नारायणपुर से लाने-ले जाने सहित बहरोड अस्पताल में मरीजों का 4 चरणों में निशुल्क ऑपरेशन किया जायेंगा। इस अवसर पर मरीजों को चाय, फल, बिस्कुट वितरण किया गया।

### साक्षरता परीक्षा का आयोजन

**निवाई,** (निसं)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय झिलाय में रविवार को साक्षरता परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें 32 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। उक्त परीक्षा को लेकर रविवार को केंद्र अधीक्षक अनुराधा वर्मा नें उपस्थित रहकर आयोजन करवाया। इस दौरान बनवारीलाल मिश्रा, रश्मि जैन, दिनेशकुमार जांगिड, मणिशंकर पारीक व राजकंवर गुर्जर मौजूद थे।

## संक्षिप्त

### डॉ. प्रवीण भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने

**पावटा,** (निसं)। डॉ. प्रवीण कुमार आर्य का भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयन हुआ। वहीं सेना के लेफ्टिनेंट का पद मिलने पर डॉ. प्रवीण कुमार के परिवार में खुशी का माहौल है।

डॉ. प्रवीन कुमार

डॉ. प्रवीण कुमार के पिता हजारी लाल आर्य निवासी भूरी भडाज सेवानिवृत अध्यापक है वही माता बीना देवी गृहिणी है। सेना के लेफ्टिनेंट का पद मिलने पर डॉ. प्रवीण कुमार के परिजन की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया इस सफलता में मेरे माता पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा है।

### विमल जौला को पितृशोक

**निवाई,** (निसं)। जैन समाज धर्म प्रचारक विमल जौला को पितृ शोक हुआ है। धर्म प्रचारक विमल जौला के पिता प्रमुख समाजसेवी स्व. सूरजमल जैन पाटनी जौंला के निधन हो जाने से संपूर्ण जैन समाज में शोक की लहर दौड गई। स्व. सूरजमल जैन पाटनी एक सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका अधिकतम समय देव शास्त्र व गुरू एवं स्वाध्याय में व्यतीत रहता था। वह परम भक्त, व्यवहार कुशल, मिलनसार व प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी थे। उल्लेखनीय है कि स्व. जैन को आचार्य विवेक सागर महाराज, मुनि शुद्धसागर महाराज व अनुपमसागर महाराज ने चार प्रकार का आहार का त्याग करवाया एवं णमोकार मंत्र सुनाया। विमल जौला ने बताया कि तीये की बैठक सोमवार को गंगा-जमना गर्डन में आयोजित होगी।

स्व. सूरजमल जैन

### जितेंद्र डांगरा भाजपा मंडल अध्यक्ष

**सांभरझील,** (निसं)। भाजपा के जितेंद्र डांगरा को सांभर मंडल अध्यक्ष पद पर पुन: नियुक्ति प्रदान की गई है साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी पदाधिकारियों ने उन्हें खास जिम्मेदारी भी सौंपी है।

जितेंद्र डांगरा

डांगरा को अध्यक्ष नियुक्त करने पर पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, पार्षद धर्मेंद्र जोपट, एडवोकेट दिव्याराजवीर गुर्जर, विष्णु कुमार सिंघानिया, पार्षद गौतम सिंघानिया कायस्थ समाज के शैलेश माथुर, पार्षद सुशीला शर्मा, नेता प्रतिपक्ष अनिल कुमार गट्टानी, राजेश पारीक, संतोष सांभरिया, चंद्रप्रकाश सैनी, पूर्व अध्यक्ष विनोद सांभरिया, राजेंद्र अगवाल, प्रेमचंद माली सहित अनेक ने हर्ष व्यक्त किया है।

### राशन डीलर कार्यकारिणी गठित

**पावटा,** (निसं)। ब्लॉक राशन डीलर संघ की बैठक का आयोजन उपखंड कार्यालय पावटा के पास किया गया। पावटा ब्लाक राशन डीलर की बैठक में राशन डीलर कार्यकारिणी का गठन किया गया। उपस्थित सदस्यों ने बैठक में सभी पदों के लिए सर्वसम्मति से कार्यकारिणी निर्वाचन का निर्णय लिया। सर्वसम्मति से कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर जगदीश सुरेला सुदरपुरा, उपाध्यक्ष पद पर शिव कुमार पावटा, कोषाध्यक्ष पद पर मुरारी लाल ठीकरीया, सचिव पद पर नरेश चन्द ललाना को चुना गया। बैठक में तहसील पावटा के सभी ग्राम पंचायतों के डीलरों के साथ ही नगरपालिका परिक्षेत्र के 26 डीलरों ने भाग लिया।

### सुंदरकांड पाठ का आयोजन

**मनोहरपुर,** (निसं)। शाहपुरा में शनिवार को शिव धर्म प्रचार मंडल के तत्वाधान में साप्ताहिक सामुहिक दिव्य सुंदरकांड के पाठ रामगोपाल, विजय बंसल के निवास स्थान पर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लक्ष्मण सिंह, प्रकाश शर्मा, मेघराज झालानी, पवन टेलर, मिथलेश शर्मा आदि सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

# तबियत खराब होने पर सीएल लेने गई शिक्षिका से प्रधानाचार्य ने मारपीट की

- खेड़की वीरभान के बोहरा श्री रामजी लाल यादव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का मामला
- शिक्षिका की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में उपचार जारी

**कोटपूतली,** (निसं)। जिला कोटपूतली बहरोड के बोहरा श्री रामजी लाल यादव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेडकी वीरभान में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां स्वयं की तबीयत खराब होने पर सीएल लेने गई एक वरिष्ठ महिला शिक्षिका के साथ महिला संस्था प्रधान ने पहले रजिस्टर उठाकर मारा और फिर दोनों अध्यापिकाएं एक दूसरे से गुथ्मगुत्था हो गई। पूरा स्टाफ व बच्चे इस नजारे को देखते रहे। घटना के बाद पीड़ित अध्यापिका की तबीयत बिगड गई।

इस पर विद्यालय स्टाफ ने उसे कोटपूतली के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां अध्यापिका का उपचार जारी है। वही मौके पर जांच के लिए पहुंची कोटपूतली थाना पुलिस को स्टाफ ने बताया कि संस्था प्रधान आए दिन ज्यादती करती हैं और संस्था प्रधान की मनमानी के चलते विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थी परेशान हैं। विद्यालय स्टाफ ने संस्था प्रधान पर जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल कर स्टाफ को अपमानित करने का आरोप भी लगाया है।

इधर पीड़ित अध्यापिका सन्नी तंवर ने बताया कि प्रधानाचार्य अनीता मीणा ने उन्हें रजिस्टर व थप्पडों से मारा। जिससे उनके चेहरे व हाथ पर खरोंच आई है। वह तबीयत खराब होने पर बीडीएम अस्पताल में इलाज ले रही है। पीडित अध्यापिका ने बताया कि वह विद्यालय में वरिष्ठ अध्यापिका के पद पर कार्यरत हैं। तबीयत खराब होने की वजह से वह मैडम से सीएल मांगने आई थी। जिस पर प्रधानाचार्य अनीता मीणा का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। प्रधानाचार्य ने रजिस्टर उठाकर वरिष्ठ अध्यापिका सन्नी तंवर पर दे मारा। इसके बाद अध्यापिका की आवाज सुनकर विद्यालय स्टाफ पहुंचा तो एक अध्यापिका ने इसका का वीडियो बनाने की कोशिश की तो प्रधानाचार्य ने अध्यापिका का मोबाइल फोन छीन कर उसे जमीन पर गिराकर तोड दिया।

कोटपूतली में मारपीट की घटना के बाद पुलिस ने मामले की छानबीन की।

घटना के बाद विद्यालय स्टाफ संगीता, रेखा, सुनील, कविता, अनीता, निशा, राकेश व लल्लू राम ने विभागीय अधिकारियों को घटना से अवगत कराया व कोटपूतली पुलिस थाने को सूचना दी। जिस पर पुलिस ने आकर मामले की जांच भी की। घटना पर विद्यालय स्टाफ व पीडित अध्यापिका की ओर से थाने में रिपोर्ट दी गई है। इधर विद्यालय में इस शर्मसार घटना की खबर जैसे ही गांव वालों तक पहुंची। गांव में रोष का माहौल है व शिक्षा विभाग से संबंधित प्रधानाचार्या पर कार्यवाही की मांग की गई है।

इस संबंध में सीबीईओ भागीरथ मीणा का कहना है कि प्रधानाचार्य द्वारा एक महिला शिक्षिका के साथ मारपीट को लेकर स्कूल स्टाफ से उन्हें फोन पर जानकारी मिली थी शीघ्र ही तथ्यात्मक जांच करवा कर विभागीय कार्यवाही की जायेगी। वहीं इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव से बात करनी चाही तो उन्होंने ने अपना फोन उठाना मुनासिफ नहीं समझा।

### बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक परीक्षा

**श्रीमाधोपुर,** (निसं)। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अन्तर्गत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान द्वारा रविवार को सत्र 2023-24 में द्वितीय चरण की बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा 2024 का आयोजन किया गया। विनोद कुमार शर्मा कार्यवाहक मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्रीमाधोपुर ने बताया कि ब्लॉक में सत्र 2023-24 में कुल 940 लर्नर्स (15 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के असाक्षर) पंजिकृत हैं जिनमें जिला साक्षरता एवं सतत् शिक्षा अधिकारी सीकर द्वारा द्वितीय चरण 340 लर्नर्स को 17 मार्च रविवार को परीक्षा में बैठाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सांवरमल नरेडिया ब्लॉक समन्वयक साक्षरता ने बताया कि ब्लॉक में लर्नर्स की सुविधानुसार कुल 25 परीक्षा केन्द्र बनाये गये जिन पर प्रात: 10 बजे से सांय 5 बजे तक परीक्षा आयेजित की गई, जिसमें 87 पुरुष एवं 236 महिलाओं सहित कुल 323 ने परीक्षा दी है।

# पांच दिवसीय खुला सत्रीय कार्यक्रम संपन्न

- विकसित भारत रैली निकाल सार्वजनिक स्थानों पर सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया

**किशनगढबास,** (निसं)। भारतीय टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में पांच दिवसीय खुला सत्रीय कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर रितेश कुमार शर्मा व अध्यक्ष डॉ अरविंद अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया।

पांच दिवसीय खुला सत्रीय कार्यक्रम के दौरान विकसित भारत रैली सार्वजनिक स्थानों पर साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिए जाने सहित अनेक जागरूकता के संदेश दिए जाने के लिए आयोजन किए गए। इस समापन समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना व स्वागत गान से किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में एकल नृत्य प्रतियोगिता, समूह नृत्य प्रतियोगिता एवं विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

एकल नृत्य प्रतियोगिता शिव तांडव, घूमर, श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी, घर मोरे परदेसिया, आदि गानों पर प्रस्तुति दी गई। जिसमें स्वामी विवेकानंद सदन के छात्र अभिषेक के शिव तांडव को सभी ने खूब सराहा। समूह प्रतियोगिता में सभी सदनों से दो समूहों ने भाग लिया। समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्र छात्राओं द्वारा कान्हा सो जा जरा, अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो, मेरा जूता है जापानी एवं विभिन्न संस्कृति को दर्शाते पैरोडी सॉन्ग पर अत्यंत मन भावन प्रस्तुति दी गई। विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिता में लुहारी, रानी पद्मावती, जोधाबाई और स्वच्छता का संदेश देने वाली प्रस्तुति को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया गया। एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर स्वामी विवेकानंद सदन के अभिषेक एवं द्वितीय स्थान पर रानी लक्ष्मीबाई सदन के शुभम रहे। समूह नृत्य प्रतियोगिता में कल्पना चावला सदन प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर कल्पना चावला सदन के ही प्रतिभागी रहे। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में कल्पना चावला सदन की अंजलि प्रथम एवं द्वितीय लक्ष्मी बाई सदन की अन्नू रही। प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं में अभिषेक, शुभम, अंजलि, अन्नू, मुस्कान, इशिका, निशा, प्रियंका, पुष्पराज, अवधेश कुमार, यश रोधा, लक्ष्मी, शिवकुमार रहे। निर्णायक मंडल में रवीना सचदेवा, सुश्री राखी कंवर रही। कार्यक्रम में डॉ नीलम शर्मा, भावना शर्मा, मीनाक्षी जोशी, रेनू यादव, क्षमता वासु, जसपाल एवं समस्त प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ रितु बाला चौहान एवं एसएस यादव ने किया।

प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

# आठ विधानसभाओं के 18 लाख 92 हजार 354 वोटर चुनेंगे दौसा सांसद

- दौसा में 1965 मतदान केंद्र, 886 क्रिटिकल बूथ

**दौसा/लालसोट,** (निसं)। लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है। इसे लेकर रविवार को जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मीडिया के साथ बैठक में आचार संहिता की पालना एवं प्रावधानों से रूबरू करवाने को लेकर चर्चा की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि लोकसभा चुनाव में दौसा जिले के पांच विधानसभा क्षेत्र, अलवर जिले की थानागाजी विधानसभा एवं जयपुर जिले की चाकसू व बस्सी विधानसभा क्षेत्र के मतदाता दौसा लोकसभा सीट के लिए होने वाले चुनाव में अपने मत का प्रयोग करेंगे। इन आठों विधानसभा क्षेत्रों में कुल मतदाता संख्या 18 लाख 92 हजार 354 है, जो अपने वोट का प्रयोग करते हुए दौसा का सांसद चुनेंगे। इन मतदाताओं में पुरूष मतदाता 9 लाख 99 हजार 939 तथा महिला मतदाता 8 लाख 92 हजार 410 व थर्ड जेण्डर मतदाता की संख्या 5 है। लोकसभा क्षेत्र की आठ विधानसभाओं में कुल 1965 मतदान केंद्र हैं, जिनमें ग्रामीण मतदान केंद्र 1735 तथा शहरी मतदान केंद्र 230 हैं। दौसा लोकसभा क्षेत्र की आठों विधानसभाओं पर नजर डाले तो लालसोट विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 55 हजार 954 मतदाताओं में एक लाख 36 हजार 135 पुरुष, एक लाख 19 हजार 818 महिला व एक वोटर ट्रांसजेंडर है। बस्सी विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 33 हजार 774 वोटर्स में से एक लाख 21 हजार 481 पुरुष व एक लाख 12 हजार 293 महिला वोटर हैं। चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 31 हजार 80 वोटर्स में से एक लाख 20 हजार 437 पुरुष व एक लाख 10 हजार 643 महिला वोटर हैं। थानागाजी विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 20 हजार मतदाताओं में एक लाख 18 हजार 94 पुरुष तथा एक लाख 2 हजार 760 महिला वोटर हैं। बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 22 हजार 407 वोटर हैं, जिनमें एक लाख 17 हजार 239 पुरुष, एक लाख 5 हजार 167 महिला व एक ट्रांसजेंडर वोटर हैं। महुवा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 20 हजार 906 कुल मतदाता हैं। जिनमें एक लाख 18 हजार 158 पुरुष, एक लाख 2 हजार 746 महिला व 2 ट्रांसजेंडर वोटर हैं। सिकराय विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 63 हजार 677 मतदाताओं में एक लाख 40 हजार 79 पुरुष, एक लाख 23 हजार 598 महिला वोटर हैं। दौसा विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 43 हजार 702 मतदाताओं में एक लाख 28 हजार 316 पुरुष, एक लाख 15 हजार 385 महिला व एक वोटर ट्रांसजेंडर है। वहीं विभिन्न उपखंड क्षेत्र में आचार संहिता उल्लंघन करने वाली राजनीतिक प्रचार सामग्रियों को हटाने का कार्य भी शुरू किया गया है। दूसरी और लालसोट उपखंड मुख्यालय पर उपखंड अधिकारी नरेंद्र कुमार मीणा एवं नवनियुक्त डिप्टी एसपी उदय सिंह मीणा व तहसीलदार अमितेश मीणा द्वारा उपखंड कार्यालय में आचार संहिता से संबंधित पुलिस अधिकारी एवं कार्मिकों की एक बैठक ली गई एवं किस तरह से आचार संहिता की पालना करनी है एवं इसी के साथ आचार संहिता को लेकर अवैध वस्तुओं के आवागमन पर किस तरह निगरानी रखनी है संबंधित जानकारी दी गई।

# लोकसभा चुनावों को लेकर कलेक्टर ने निर्देश जारी किए

**टोंक,** (निसं)। लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) डॉ. सौम्या झा ने आदर्श आचार संहिता एवं लोकसभा आम चुनाव-2024 को लेकर विभिन्न निर्देश प्रदान किये है।

डॉ. सौम्या झा

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत राजकीय कार्मिकों का राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध है। चुनाव में समस्त राजकीय कार्मिक निष्पक्ष रहें एवं चुनाव के दौरान होने वाली किसी भी तरह की राजनीतिक गतिविधियों में भाग नहीं लेंवे। उन्होंने बताया कि कलेक्ट्रेट कार्यालय की बिना अनुमति के किसी भी अधिकारी एवं कर्मचारी को कार्य ग्रहण एवं कार्यमुक्त नहीं किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जिले के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के किसी भी तरह के अवकाश (मातृत्व, चाइल्ड केयर लीव एवं पूर्व में स्वीकृत मेडिकल अवकाश को छोडकर) कलेक्ट्रेट कार्यालय में बनाए गए कार्मिक प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी की अनुमति के बिना स्वीकृत नहीं किये जाएं। चुनाव प्रक्रिया के दौरान अधिकारी एवं कर्मचारी अधोहस्ताक्षरकर्ता की अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोडेगे एवं सभी कार्मिक अपने मोबाईल एवं दूरभाष नंबर चालू रखेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्देशों की अवहेलना किये जाने पर संबंधित कार्मिकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

# लोकसभा चुनाव में अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई : वृत्ताधिकारी

- फुलेरा पुलिस व बीएसएफ के जवानों ने फ्लैग मार्च किया

**फुलेरा,** (निसं)। आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने को लेकर प्रशासन जुट गया है। इसको लेकर स्थानीय पुलिस थाना क्षेत्र में प्रात: 10 बजे वृताधिकारी सांभरलेक सारिका खण्डेलवाल व फुलेरा थानाधिकारी बाबूलाल मीणा के नेतृत्व बीएसएफ के जवानों नें फ्लैग मार्च किया।

फुलेरा थानाधिकारी बाबूलाल मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि स्थानीय पुलिस बल व बीएसएफ के जवानों के द्वारा कस्बा व उसके आसपास के गांवों में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान फुलेरा थाना परिसर से रवाना होकर गांधी चौक, गणगौरी बाजार, हलवाई बाजार, इन्दिरा मार्केट, ज्योतिबा फुले सर्किल, बालाजी बायपास रोड, जोबनेर रोड, बस स्टैण्ड, पांच बत्ती चौराहा सहित थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले आस पास के क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया।

स्थानीय पुलिस बल व बीएसएफ के जवानों ने कस्बा व उसके आसपास के गांवों में फ्लैग मार्च किया।

इस दौरान लोगों को भरोसा दिलाया कि आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल सम्पन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन हर तरह से तैयार है। साथ ही आगे बताया कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न देते हुए अफवाह फैलाने वाले की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान पुलिस बल द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चैकिंग की गयी तथा लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए उनसे शांति, सहयोग व सौहार्द्र बनाये रखने की अपील की गयी। इसी क्रम में जवानों ने भी स्थानीय लोगों को अफवाह पर ध्यान न देते हुए अफवाह फैलाने वाले लोगों की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान पुलिस बल व बीएसएफ के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

वृत्ताधिकारी सांभरलेक सारिका खंडेलवाल ने कहा कि क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न देते हुए अफवाह फैलाने वाले की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान पुलिस बल द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चैकिंग की गयी तथा लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए उनसे शांति, सहयोग व सौहार्द्र बनाये रखने की अपील की गयी। इसी क्रम में जवानों ने भी स्थानीय लोगों को अफवाह पर ध्यान न देते हुए अफवाह फैलाने वाले लोगों की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान पुलिस बल व बीएसएफ के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

## सार-समाचार

### रास्ता भटक गई बच्ची को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

**पावटा,** (निसं)। कस्बे में ऑपरेशन खुशी वी के तहत थाना प्रागपुरा पुलिस टीम ने रास्ता भटकी हुई एक बच्ची को उसके परिजनों से मिलाकर परिवार में खुशियां लौटाई। जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि गुमशुदा बच्चों की शीघ्र बरामदगी व रास्ता भटके बच्चों को उनके परिजनों से मिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन खुशी वी के तहत शुक्रवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली नेम सिंह के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर रोहित सांखला के सुपरविजन मे प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश मीणा के नेतृत्व मे गठित पुलिस टीम द्वारा अपनी दादी के साथ पावटा सीएचसी दवाई लेने आई गुमशुदा बालिका की तलाश शुरू करते हुए त्वरित कार्यवाही करते हुए पावटा प्रागपुरा मे अनेको जगह सीसी टीवी फुटेज खंगालते हुए, होटलो व ढाबो व खाटू श्याम जी के जाने वाले पदयात्रियों की भीड में सादा कपडों में पुलिसकर्मियों को लगाकर गहनता से तलाश करते हुए 3 घंटों में नाबालिग बच्ची को दस्तयाब कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया। अपनी बच्ची को सकुशल पाकर परिजन खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं और पुलिस की भूरी-भूरी प्रशंसा कर रहे हैं।

### मोरेल बांध की मुख्य नहरें खोलने की मांग

**बौंली-बामनवास,** (निसं)। राजस्थान किसान सभा जिला सवाईमाधोपुर की शाखा की ओर से सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय के महावीर पार्क में 17 मार्च रविवार को मोरेल डैम की मुख्य नहरे खोले जाने की मांग को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रामगोपाल गुणसारिया ने की एवं वशिष्ठ अतिथि किसान सभा के जिला सचिव कालूराम मीणा थे। बैठक में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए किसान सभा के सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष कांजी मीणा ने बताया कि 11 मार्च से किसान फसल सिंचाई को लेकर मोरेल डैम की नहरे खोले जाने की मांग कर रहा है लेकिन अब तक भी नहरें नहीं खोली गई है जिससे गेहूं की फसलों को नुकसान हो रहा है। किसान नेता ने क्षेत्रीय सांसद, विधायक एवं मंत्री पर भी किसानों की वाजिब मांग को अनदेखा करने का आरोप लगाते हुए बताया कि किसान व मजदूर ऐसे लोगों को वोट देकर कुर्सी देते हैं इन लोगों ने इस बारे में एक शब्द भी नहीं बोला अब सभी किसान एकत्रित होकर सोमवार को प्रात: 10 बजे जिला कलेक्टर को एक चेतावनी भरा पत्र देकर नहरे नहीं खोले जाने पर कोटा-लालसोट मेगा हाईवे पर एकत्रित होकर मांग करने के लिए अवगत कराया जाएगा। बैठक में खेत मजदूर यूनियन के जिला अध्यक्ष भरत लाल मीणा, महिला फेडरेशन की महासचिव शबनम बानो, किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष छोटेलाल बैरवा, रईस अहमद अंसारी व रामधन बैरवा सहित अनेको किसान उपस्थित थे।

### फागोत्सव में झूमे श्रद्धालु

**निवाई,** (निसं)। इन्दिरा विस्तार कॉलोनी में फागोत्सव व भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने जमकर फूलों की होली खेली व श्याम बाबा के भजनों पर ठुमके लगाए। इस दौरान बाबा श्याम की फूलों से आकर्षक झांकी सजाई गई। भजन संध्या का शुभारंभ गायिका सुनिता बडागांव ने गणेश वंदना के साथ किया। गायिका सुनिता बडागांव ने सांची-सांची कह दे बाबा म्ह थारी कोण लांगू, नैणा नीचा कर ल श्याम न रिझावली कांई सहित कई भजन प्रस्तुत किए। गायक कलाकार सत्यनारायण गोयल ने श्रीराम जानकी बैठे है मेरे सीने में, गायक राजकुमार शर्मा ने कभी राम बनके कभी श्याम बनके चले आना प्रभुजी चले आना, अरी सखी मंगल गाओजी, गायक बालकिशन शर्मा ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है, सालासर वाले बाबा वीर हनुमाना, देना हो तो दीजिए जनम-जनम का साथ, बालाजी का लाड लडाव माता अंजना व छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां दी। जिस पर श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किया। इस दौरान बाबा श्याम बाबा की महाआरती करके प्रसादी वितरित की गई। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण व राधाजी की सजीव झांकी सजाकर श्रद्धालुओं ने फूलो की होली खेलकर फागोत्सव धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर आयोजक समिति के पूर्व पार्षद बालकिशन शर्मा, लक्ष्मीचंद शर्मा, रामकिशन बहादुरपुरा, मुकेश अग्रवाल मित्रपुरा, गिरधारीलाल जैन पहाडी, मुकेशकुमार गुप्ता व नरेश बडागांव सहित कई कॉलोनीवासी श्रद्धालु मौजूद थे।

### भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन आज

**चौमूं/कालाडेरा,** ( निसं)। भाजपा विधानसभा क्षेत्र चौमूं के नगर और देहात मंडल के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन का आयोजन 18 मार्च सोमवार को प्रात: 10 बजे रखा गया है। कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन रेनवाल रोड स्थित रजवाडा गॉर्डन चौमूं में किया जाएगा। कार्यकर्ता सम्मेलन में सीकर सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती और पूर्व विधायक रामलाल शर्मा लोकसभा चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा परिचर्चा करेंगे।


**TENDER FOR PROCUREMENT OF FOLLOWING WORK REQUIRED AT SAPTA SHAKTI CANTEEN**

Tenders are invited for procurement of following work at Sapta Shakti Canteen as under:-

| Sr.No | Particulars | Qty |
|---|---|---|
| 1 | Heavy Duty Pallet Rack As per Powder coated with 500-700 kg load capacity as follows<br>a) 26" X 6" X 24" Nos 01<br>b) 16" X 6" X 24" Nos 01<br>c) 14" X 6" X 24" Nos 01<br>d) 8" X 6" X 24" Nos 02 | 05 |
| 2 | Replacement of Existing tiles and replacement of new Gypsum tiles with existing frame of size 2'x2' incl labour charges | 168 |
| 3 | Electrical Wiring shifting in underground and provision of additional Bajaj LED lights of 6" & 15 watt with new wiring | 01 |
| 4 | Painting work incl. labour charges room size 20'x40' with properly filling of cracks surface leveling by putty and painted with Asian paint. | 01 |
| 5 | Removing of existing floor tiles and digging out the scrap of old material and replacement with New Johnson & Johnson tiles non skid of 2'x2' including fixing Material and labour charges approximate 850 sq ft including skating | 850 sqft |
| 6 | Wall Paneling by 12 mm ply board and cover up with laminated Sunmica sheets<br>Pillars 24" X 15" X 9" Nos 03<br>Pillars 5" X 15" X 9" Nos 03<br>Pillars 18" X 15" X 9" Nos 06 | 12 |
| 7 | Shifting of camera wire into 4U panels with provision of electrical point | |

Tender form should be submitted in a closed envelope at Sapta Shakti Canteen, Sawai Jai Singh Marg, Bani Park, Jaipur-302016. The last date of receipt of sealed tenders is 21 Mar 2024. Work completion report to be submitted by 31 Mar 2024. Contact No 9461095508



शोक समाचार

**निहाल माथुर की स्मृति में**

हम अपने प्यारे निहाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री सी.बी.एल. माथुर और स्वर्गीय डॉक्टर श्रीमती तारा माथुर, के निधन की दुखद खबर साझा करते हैं।

प्रार्थना सभा 18 मार्च, 2024 को धर्मार्थ संस्थान हॉल, शिव मार्ग, बानी पार्क, जयपुर में शाम 4:00 से 5:00 बजे आयोजित की जाएगी।

बहनें और बहनोई: रेखा-परमातम स्वरूप भटनागर, रेणु-सिद्धार्थ कंसल, बीना-योगेश बहादुर माथुर; बहनें: रीना और मीना माथुर; भांजे और भांजियां: मयंक, आशीष-अल्पना, मनीष-रवनीता, गौरव-मेघा, राधिका-अमित, रुचिका; पोते-पोती: अनिका, आदिया, अबीरा, रिधान, द्रुविका; नाती: वीरेन, दिवित

RSVP: 9414460554 / 9828060790 / 9928499071

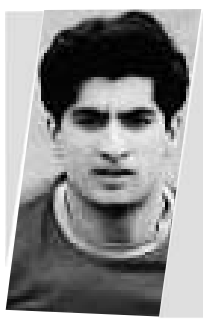

सीनियर खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन, चयनकर्ताओं और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच स्पष्टता और बेहतर संवाद स्थापित करने की जरूरत है।

**- नसीम शाह**

**पाक किक्रेटर, पाकिस्तान की टीम में असुरक्षा को लेकर बोलते हुए।**

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

**गुलवीर सिंह**

**भारतीय** धावक गुलवीर सिंह ने रविवार को द टेन 2024 एथलेटिक्स मीट में पुरुषों की दस हजार मीटर में 16 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में आयोजित एथलेटिक्स मीट में 27:41.81 के समय के साथ, गुलवीर अमेरिकी डू हंटर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। डू हंटर को 27:38.87 समय के साथ पहला स्थान मिला। जर्मनी के आरोन बिएननफेल्ड 27:42.83 समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा में भारत का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड 28:02.89 था। इसे सुरेंद्र सिंह ने बनाया था।

**क्या आप जानते हैं ?...** क्रिस्टीन ओटरो ऐसी पहली महिला खिलाड़ी है जिसने एक ही ओलंपिक में 6 स्वर्ण पदक जीते। उसने सियोल ओलंपिक (1986) में तैराकी में यह रिकार्ड बनाया।

## आईपीएल से पहले डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी के पास खिताब जीतने का मौका

नई दिल्ली, 17 मार्च । वुमेंस प्रीमियर लीग 2024 का फाइनल मुकाबला आज यानी 17 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच के जरिए डब्ल्यूपीएल को एक नया चैंपियन मिलेगा। दरअसल, पिछले सीजन की विजेता मुंबई इंडियंस इस बारखिताबी मुकाबले में अपनी जगह नहीं बना पाई है, ऐसे में डीसी और आरसीबीदोनों टीमों के पास अपना पहला खिताब जीतने का मौका है। इसी के साथ दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्सकी टीम आईपीएल 2024 से पहले डब्ल्यूपीएल 2024 में पहला खिताब जीतकर इतिहास रच सकती है। दरअसल, दिल्ली और बैंगलोर का नाम आईपीएल की उन चुनिंदा फ्रेंचाइजियों की लिस्ट में शामिल है जिन्होंने आज तक कोई खिताब नहीं जीता है। ऐसे में मेंस टीम से पहले फ्रेंचाइजी की वुमेंस टीम उनके लिए ट्रॉफी का सूखा खत्म कर सकती है।

## डब्ल्यूपीएल मैच के फाइनल के लिए दिल्ली मेट्रो ने ट्रेन संचालन का समय रात 12.15 बजे तक बढ़ाया

नई दिल्ली, 17 मार्च । दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने रविवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल के कारण ट्रेन परिचालन का समय बढ़ा दिया है। डब्ल्यूपीएल 2024 का फाइनल रविवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेला जाएगा। डीएमआरसी ने 'एक्स' पर लिखा, ''अरुण जेटली स्टेडियम में आज रात महिला प्रीमियर लीग फाइनल के समापन के बाद दर्शकों की सुचारू आवाजाही की सुविधा के लिए निकटवर्ती दिल्ली गेट स्टेशन (वायलेट लाइन पर) से मेट्रो सेवा 12.15 बजे तक उपलब्ध रहेगी।''

## डीएसए सीनियर डिवीजन लीग में भाग लेगी 11 टीमें

नई दिल्ली, 17 मार्च । डीएसए सीनियर डिवीजन लीग का उद्घाटन मैच सोमवार को अंबेडकर स्टेडियम मैदान में हिन्दुस्तान एफसी और इंडियन एयर फोर्स की टीमों के बीच खेला जाएगा। प्रीमियर लीग के सफल आयोजन के बाद सीनियर डिवीजन लीग में भाग ले रही 11 टीमें इस प्रकार है:- हिन्दुस्तान एफसी, उत्तराखंड एफसी, नेशनल यूनाइटेड, दिल्ली टाइगर्स, गढ़वाल डायमंड, अजमल एफसी, इंडियन एयर फोर्स, यूनाइटेड भारत, जगुआर एफसी, सिटी एफसी और शास्त्री एफसी शामिल हैं। आयोजन समिति के चेयरमेन जगदीश मल्होत्रा, कन्वीनर आनंद डबास और सह कन्वीनर नईम की देखरेख़ में खेले जाने वाले मैचों का आयोजन सिंगल लेग के आधार पर किया जाएगा। अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली छह टीमें सुपर सिक्स में भाग लेंगी, जिनमें से पहली तीन प्रीमियर लीग में प्रवेश करेंगी।

## राजस्थान रॉयल्स की टीम से जुड़े यशस्वी जायसवाल, टीम होटल में हुआ शानदार वेलकम

नई दिल्ली, 17 मार्च । भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसावल आईपीएल के आगामी सीजन में हिस्सा लेने के लिए राजस्थान रॉयल्स की फ्रेंचाइजी से जुड़ गए हैं। यशस्वी जायसवाल शानदार फॉर्म में हैं। जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुए पांच मैच की टेस्ट सीरीज में 712 रन बनाए थे। राजस्थान रॉयल्स ने अपने स्टार सलामी बल्लेबाजों का जर्बदस्त स्वागत किया। राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी ने यशस्वी जायसवाल का टीम होटल में पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। आईपीएल 2023 में धमाकेदार प्रदर्शन के दम पर यशस्वी जायसवाल ने भारतीय टीम में जगह बनाई थी। जायसवाल ने आईपीएल 2023 में 625 रन बनाए थे। 2020 से राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे यशस्वी ने टीम के लिए एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए हैं। वह टूर्नामेंट के 2023 संस्करण में पांचवें सबसे ज्यादा स्कोर करने वाले खिलाड़ी थे। शानदार आईपीएल और शानदार घरेलू सीजन के दम पर यशस्वी जयसवाल ने भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाई और लाल गेंद प्रारूप में अपनी प्रतिभा दिखाई। उन्होंने वेस्टइंडीज दौरे पर घर से बाहर जबरदस्त शतक लगाया और उसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। हाल ही में समाप्त हुई इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में यशस्वी जायसवाल ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। जयसवाल सुनील गावस्कर के बाद एक ही सीरीज में 700 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने थे।

## आईपीएल से बाहर हो सकते है दिलशान मदुशंका

नई दिल्ली, 17 मार्च । श्रीलंकाई क्रिकेटर दिलशान मदुशंका के शुरुआती मैचों से बाहर हो सकते हैं। वह चोट की वजह से बांग्लादेश के टूर से भी बाहर हो गए हैं। वह पहले ही सोमवार को चट्टोग्राम में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने वाले दूसरे वनडे से बाहर थे। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को बयान जारी कर बताया है कि मुदशंका को बायें हैम स्ट्रिंग में चोट लगी है। वह रिकवरी के लिए बांग्लादेश से श्रीलंका लौटेंगे। एमआरआई में उनकी चोट की पुष्टि हुई है। उन्हें बीच दौरे से ही लौटना पड़ा है। श्रीलंका में हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में मेडिकल टीम की ओर से उनका मूल्यांकन किया जाएगा। मदुशंका बांग्लादेश के खिलाफ पहले वनडे में चोटिल हो गए थे। उन्हें दो विकेट मिला था। वह चोट लगने की वजह से 6.4 ओवर ही गेंद फेंक सके थे। पिछले साल दिसंबर में आईपीएल के हुए मिनी ऑक्शन में मदुशंका को मुंबई इंडियंस ने 4.6 करोड़ में खरीदा था। मदुशंका ने बांग्लादेश के खिलाफ दो वनडे मैचों में 2-2 विकेट लिए थे। वहीं अब तक खेले 23 वनडे मैचों में 41 विकेट ले चुके हैं।

# वर्ल्डकप फाइनल की पिच बदलना भारत को भारी पड़ा : कैफ

## धीमी पिच पर कमिंस ने गेंदबाजी चुनी तो इंडिया अपने जाल में फंस गई

नई दिल्ली, 17 मार्च । टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा कि भारत को वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में पिच से छेड़छाड़ करने का नुकसान झेलना पड़ा। टीम अपने ही प्लान में फंस गई और पहले बैटिंग करते हुए बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि पैट कमिंस ने पहले मैच की गलती से सीख ली और टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। 19 नवंबर 2023 को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप का फाइनल खेला गया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 240 रन बनाए, ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। कैफ ने लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में कहा, मैं वहां 3 दिन तक था। रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ ने भी 3 दिन तक हर दिन पिच इंस्पेक्ट की। दोनों करीब एक घंटे तक पिच के पास ही खड़े रहते थे। मैंने पिच को अपना रंग बदलते हुए देखा। पिच पर पानी नहीं डाला जा रहा था, ट्रैक पर घास भी नहीं थी। भारत फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को धीमी पिच देना चाहता था। भले ही लोगों को विश्वास न हो, लेकिन यही सच्चाई है। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को हराने का प्लान तो बनाया लेकिन टीम पैट कमिंस की ऑस्ट्रेलिया के सामने अपने ही प्लान में फंस गई। कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा की लीडरशिप में टीम इंडिया 12 साल बाद वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची थी। कैफ बोले, ऑस्ट्रेलिया में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबाज थे। उन्हें कमजोर बनाने के लिए भारत ने स्लो पिच बनवाई, लेकिन यही हमारी गलती थी। लोग कहते हैं कि पिच क्यूरेटर पर किसी का दबाव नहीं होता, यह बकवास है। जब आप पिच के पास घूमते हैं तो बस इतना ही कहना होता है, पानी मत डालो, घास कम रखो। यह सच्चाई है और ऐसा ही होता है। अगर आप घर में खेल रहे हो तो ऐसा होना भी चाहिए लेकिन भारत ने होम कंडीशन का कुछ ज्यादा ही फायदा उठाया। कैफ बोले, पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया के कप्तान) ने चेन्नई में पहले मैच की गलती से सीखा। वहां शुरुआत में पहले बैटिंग करना मुश्किल था। कोई भी फाइनल में पहले फील्डिंग करने के बारे में नहीं सोचता लेकिन कमिंस ने ऐसा किया। हमने पिच से छेड़छाड़ कर बहुत बड़ी गलती कर दी। धीमी पिच पर पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया 240 रन ही बना सकी थी। ऑस्ट्रेलिया ने 44वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया था। वनडे वर्ल्ड कप फाइनल से ठीक पहले के पिच कंसल्टेंट एंडी एटकिन्सन ने इस्तीफा दे दिया था। हालांकि अधिकारियों ने कहा था कि एटकिन्सन का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था। सूत्रों ने बताया, एंडी का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था, इसलिए उन्हें टूर्नामेंट खत्म होने से पहले पद छोड़ना पड़ा। यहां कॉन्ट्रोवर्सी बनाने की जरूरत नहीं है। ऐसा भी कोई नियम नहीं है कि फाइनल से पहले के पिच कंसल्टेंट का मौजूद होना जरूरी है।ऑस्ट्रेलिया ने 19 नवंबर 2023 की रात भारत को हराकर छठी बार वनडे वर्ल्ड कप जीता था। पर पहले से इस्तेमाल हुई पिच पर सेमीफाइनल करवाने के आरोप भी लगे थे। हालांकि, ने बाद में साफ कर दिया था कि नॉकआउट मैच फ्रेश पिच पर ही कराने का कोई नियम नहीं है। एटकिंसन के इस्तीफे के बारे में भी को पहले से पता था। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच को औसत रेटिंग दी थी। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच कोलकाता में हुए सेमीफाइनल और भारत-पाकिस्तान मैच की पिच को भी ने औसत रेटिंग ही दी थी।

# अश्विन ने चुनौतियों को अपनी प्रगति पर अंकुश नहीं लगाने दिया : अनिल कुंबले

नई दिल्ली, 17 मार्च । रविचंद्रन अश्विन के 500 अंतरराष्ट्रीय विकेट चटकाने से खुश महान स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा कि पिछले एक दशक में इस ऑफ स्पिनर के सामने कई चुनौतियां आयी लेकिन वह लगातार सीखने के जज्बे और इच्छाशक्ति से इससे पार पाने में सफल रहे। अश्विन के नाम टेस्ट में 516 विकेट है और वह भारत के लिए कुंबले (619) के बाद दूसरे सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

भारत के पूर्व लेग स्पिनर कुंबले इससे बिल्कुल भी आश्चर्यचकित नहीं थे। कुंबले ने अश्विन को 100 टेस्ट और 500 विकेट पूरे करने पर तमिलनाडु क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कहा, ''अश्विन के सामने कई चुनौतियां आई हैं।उन्होंने किसी भी चुनौती को अपनी प्रगति में रोड़ा बनने का मौका नहीं दिया। वह एक दशक से अधिक समय से देश के लिए एक असाधारण मैच विजेता रहा है, और उसने जो निरंतरता दिखाई है, वह शानदार है।'' कुंबले ने कहा, '' इस तरह की सफलता के लिए अपने उद्देश्य के प्रति पूर्ण समर्पण की आवश्यकता है।''

कुंबले ने कहा कि अश्विन भारतीय प्रशंसकों द्वारा उनसे की गई भारी उम्मीदों से निपटने में सक्षम हैं। कुंबले ने खेल के बारे में विशेषकर प्रतिद्वंद्वी के खेल के बारे में अश्विन की परख की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''जब मैं भारतीय टीम का कोच था तब हमने एक साल तक एक साथ काम किया था। वह पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरते है। जिन खिलाड़ियों के खिलाफ उनका मुकाबला था भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि अश्विन ने देश में स्पिन गेंदबाजी का स्वरूप बदल दिया।

उन्होंने कहा, ''मैं उस विरासत के बारे में सोच रहा हूं जो अश्विन जैसा खिलाड़ी खत्म होने के बाद छोड़ेगा। मेरा मानना है कि अभी उसे अपने करियर में लंबा सफर तय करना है।'' द्रविड़ ने कहा, ''स्पिन गेंदबाजी के बारे में सोचते ही, उन्होंने स्पिन गेंदबाजी के बारे में हमारी समझ और ज्ञान को आगे बढ़ाया है, जो एक महान विरासत है।

## आईपीएल खेलने के लिए कोहली भारत लौटे, ट्रेनिंग शिविर से जुड़ेंगे

नई दिल्ली, 17 मार्च। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने बेटे अकाय के जन्म के बाद रविवार को भारत लौट आये और आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के ट्रेनिंग शिविर में जुड़ने को तैयार हैं। कोहली ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला लेते हुए भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला से हटने का फैसला किया था। बाद में बताया गया कि यह ब्रेक इसलिये लिया गया ताकि यह स्टार बल्लेबाज ब्रिटेन में अपने बेटे के जन्म के समय अपनी पत्नी के साथ रह सके। आईपीएल प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स ने ट्वीट किया, ''विराट कोहली लौट आये हैं। 'रेड किंग' भारत में 22 मार्च को सीएसके के खिलाफ अपना आईपीएल अभियान शुरू करने के लिए तैयार हैं।'' इसमें लिखा था, ''किंग के लिए चीयर करने और 'किंगली बीट्स' पर थिरकने के लिए तैयार हो जाइये क्योंकि स्टार स्पोर्ट्स का नया एंथम 'कोहली कॉलिंग' सभी मंच पर रिलीज हो गया है।

# वॉटसन, सैमी ने ठुकराया पाकिस्तान के कोच बनने का प्रस्ताव

कराची, 17 मार्च । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला शेन वॉटसन और वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी ने पाकिस्तान का मुख्य कोच बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है जिससे पीसीबी की विदेशी कोच की तलाश अब भी पूरी नहीं हुई। सैमी ने पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) को बताया कि वह पहले से ही वेस्टइंडीज बोर्ड के साथ सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच के रूप में अनुबंधित हैं।

वॉटसन इस बात से खफा हो गये कि उनके प्रस्तावित पैकेज के विवरण का खुलासा पाकिस्तान मीडिया और सोशल मीडिया पर हो गया। वह पीसीबी के प्रस्ताव को ठुकराने के बाद शनिवार रात को स्वदेश लौट गये। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि पीसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने पीएसएल मैचों के दौरान कराची में वॉटसन के साथ विस्तृत बातचीत की थी और उन्हें मुख्य कोच पद की पेशकश की थी। उन्होंने बताया, ''वॉटसन ने शुरू में दिलचस्पी दिखाई थी और प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए कुछ वित्तीय और अन्य शर्तें रखी थीं।

बोर्ड ने वॉटसन की वित्तीय मांगों को कमोबेश स्वीकार करने के बाद यह पूर्व खिलाड़ी इस बात से खुश नहीं था कि उसके प्रस्तावित पैकेज का विवरण पाकिस्तान मीडिया और सोशल मीडिया में लीक हो गया।'' वॉटसन ने इसके बाद विनम्रतापूर्वक इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा कि आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) और मेजर क्रिकेट लीग (अमेरिका) में कमेंटेटर के रूप में उनकी पूर्व प्रतिबद्धताएं हैं। इसके साथ ही वह सिडनी में अपने परिवार को अधिक समय देना चाहते हैं।

पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक पीसीबी ने वाटसन को दो मिलियन डॉलर (लगभग 16.60 करोड़ भारतीय रुपये) सालाना देने के लिए तैयार हो गया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ 14 अप्रैल से शुरू होने वाली पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए बोर्ड अब किसी घरेलू कोच को अंतरिम आधार पर नियुक्त करना चाहता है।

## हरे-भरे कल के लिए खूब दौड़ी नवाब नगरी

लखनऊ, 17 मार्च । लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) की ओर से रविवार सुबह आयोजित दस किमी की दौड़ में हर उम्र के लोगों ने जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया। 'रन टुडे फॉर ग्रीनर टुमारो' यानी कि हरे-भरे कल के लिए आज दौड़ें' की थीम पर आयोजित दौड़ 1090 चौराहे से शुरू हुई जिसको एलएसजी के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर, सहायक कोच लांस क्लूजनर, फील्डिंग कोच जोंटी रोड्स ने नीली झंडी दिखायी और धावकों के साथ गीत-संगीत पर डांस कर और उन्हें सेल्फी देकर समां बांध दिया। सुबह छह बजे से आयोजित 10 किमी दौड़ के साथ ही पांच किलोमीटर की फन रन का भी आयोजन किया गया जिसमें करीब 2500 से ज्यादा लोगों ने प्रतिभाग किया। एलएसजी के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर, सहायक कोच लांस क्लूजनर, फील्डिंग कोच जोंटी रोड्स, एलएसजी के सीईओ कर्नल विनोद बिष्ट व डिप्टी सीईओ सत्यम त्रिवेदी ने दौड़ को एलएसजी की नीली झंडी दिखाकर रवाना किया।

## चैम्पियन टीम पर होगी करोड़ों की बरसात

नई दिल्ली, 17 मार्च । आज महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 के चैंपियन का फैसला हो जाएगा। डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीजन का फाइनल रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच खेला जाना है। दोनों टीम की दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टक्कर होगी। डीसी ने लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। डीसी को पहले सीजन के फाइनल में मुंबई इंडियंस (एमआई) के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। एमआई इस बार एलिमिनेटर से बाहर हो गई। उसे आरसीबी ने शिकस्त दी। आरसीबी का पिछले सीजन में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पाई थी। हालांकि, स्मृति मंधाना के नेतृत्व वाली आरसीबी मौजूदा सीजन में अलग ही टच में नजर आई और पहली बार फाइनल में कदम रखा। डीसी ने खिताबी मुकाबले में डायरेक्ट एंट्री की थी। चलिए, आपको बताते हैं कि विनर और रनर्स अप को कितने रुपये मिलेंगे। एमआई को डब्ल्यूपीएल 2023 का खिताब जीतने पर 6 करोड़ रुपये मिले थे जबकि रनर्स अप दिल्ली को तीन करोड़ रुपये दिए गए थे।

## अमेलिया और सोफी इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टी-20 मैच नहीं खेलेगी : एनजेडसी

वेलिंग्टन, 17 मार्च। अमेलिया केर और सोफी डिवाइन इंग्लैंड के खिलाफ 19 मार्च से डुनेडिन में शुरु हो रही पांच टी-20 श्रृंखला के शुरुआती मैच में न्यूजीलैंड की महिला का हिस्सा नहीं होंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने एक बयान में कहा भारत में चल रहे विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम के लिए खेल रही केर शुरुआती टी-20 मैच में हिस्सा लेने के लिए समय पर न्यूजीलैंड नहीं लौट पायेंगी। वहीं न्यूजीलैंड की सफेद गेंद की महिला कप्तान सोफी डिवाइन रॉयल चैलेंसर्ज बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए नियमित स्टार्टर रहीं हैं। वह रविवार को विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स से मुकाबला करेंगी। एनजेडसी ने 22 मार्च को नेल्सन में होने वाले दूसरे टी-20 के लिए केर की उपलब्धता की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि डिवाइन रविवार को डब्ल्युपीएल फाइनल के तुरंत बाद भारत छोड़कर अपनी जोड़ीदार के साथ टीम के साथ उपलब्ध रहेंगी। न्यूजीलैंड ने प्रतिस्थापन के रूप में बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर को टीम में बुलाया है और क्वीन्सटाउन में इंग्लैंड ए के खिलाफ दूसरे मैच के बाद न्यूजीलैंड ए टीम से एक दूसरे खिलाड़ी का भी चयन किया जाएगा।

## टॉस हारने पर टूटा मंधाना का दिल लेकिन हौसले बुलंद

नई दिल्ली, 17 मार्च। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच रविवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 का फाइनल खेला जा रहा है। दोनों टीम दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आमने-सामने हैं। डीसी ने खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। वहीं, टॉस हारने पर आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना का दिल टूट गया लेकिन उनके हौसले बुलंद हैं। उन्होंने कहा कि टॉस हारने से ज्यादा दिक्कत नहीं है। बता दें कि आरसीबी पहली बार डब्ल्यूपीएल का फाइनल खेलने मैदान पर उतरे है।

मंधाना ने टॉस गंवाने के बाद कहा कि हम भी पहले बैटिंग करना पसंद करते। लेकिन कोई बात नहीं। हमें टॉस हारने से अधिक परेशानी नहीं। हमें अच्छी गेंदबाजी करनी होगी और अपने प्लान पर टिके रहकर बेहतरीन क्रिकेट खेलना होगा। अब तक सीजन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा लेकिन आज रात हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत है। यह सेम विकेट पर चौथा मैच है। छोटे स्कोर का बचाव करने से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है।

# दिव्यांग तीरंदाज शीतल देवी बनी निर्वाचन आयोग की पहल की राष्ट्रीय पहचान

नई दिल्ली, 17 मार्च । चुनाव आयोग ने दिव्यांग तीरंदाज शीतल देवी को शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे मतदाताओं की सुविधा के लिए की जा रही पहल को प्रचारित करने के लिए अपना राष्ट्रीय दूत बनाया है। यह घोषणा राजधानी में आयोग द्वारा भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के साथ मिल कर आयोजित एक क्रिकेट मैच के अवसर पर की गयी ।

शनिवार को करनैल सिंह स्टेडियम में किए गए इस आयोजन का लक्ष्य आयोग द्वारा चुनाव में समावेशिता और मतदान मशीन तक पहुंचने में में लोगों की आसानी के लिए आयोग द्वारा किए जा रहे प्रयासों और उपायों को रेखांकित करना था। आयोग की रविवार को जारी एक विज्ञिप्त के अनुसार इस कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू उपस्थित थे।

इस आयोजन में क्रिकेटर निखिल चोपड़ा को भी डीडीसीए और आईडीसीए के अधिकारियों के साथ विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को 18वीं लोक सभा के चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा करते हुए कहा था कि आयोग ने शारीरिक चुनौतियों का समाना कर रहे मतदाताओं के लिए मददान केंद्र पर पहिया कुर्सी, रैम्प और इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन तक पहुंचने में सहायता के प्रबंध किए जा रहे हैं। 40 प्रतिशत से अधिक की अक्षमता वाले दिव्यांग मतदाताओं को घर से वोट डालने की सुविधा का भी विकल्प दिया जाएगा। इसके लिए उन्हें विशेष पर्चियां दी जाएंगी।

आयोग ने हर मतदान केंद्र से जुड़ी सूची में दिव्यांग मतदाताओं की पहचान की पहल की है और उनकी सुविधा के लिए उन्हें भूतल वाले बूथ पर मतदान की सुविधाएं करायी जाएंगी। आयोग की वेबसाइट के अनुसार दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने ले जाने के लिए वाहन सुविधा तथा नेत्रहीनों के लिए ब्रेल लिपि की पर्ची जैसी पहल भी की गयी है।

# टीम ग्रीन ने जीता मीडिया क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला

## टीम ग्रीन के कप्तान चन्द्र शेखर शर्मा बेस्ट बल्लेबाज चुने गए

अजमेर, 17 मार्च। मीडिया क्लब अजमेर की ओर से रामनगर स्थित बॉक्स स्टेडियम में इंटरमीडिएट बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 2 के मुकाबले खेले गए प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थाओं में काम करने वाले सक्रिय मीडिया कर्मियों की चार टीमों ने भाग लिया जिसमें टीम रेड टीम ब्लू टीम ग्रीन और टीम येलो शामिल हुई प्रतियोगिता में लीग आधार पर चारों टीमों ने अपने तीन-तीन मुकाबले खेले और पॉइंट्स के आधार पर टीम रेड और टीम ग्रीन के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया। फाइनल मुकाबले

में टीम ग्रीन ने टीम ब्लू को हराकर किताब अपने नाम किया। अध्यक्ष अभिजीत दवे ने बताया कि फाइनल मुकाबले में टीम राइट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और निर्धारित 8 ओवर में टीम ग्रीन ने चार विकेट के नुकसान पर 102 रन बनाए जिसमें कप्तान चंद्रशेखर शर्मा ने 36 और उदय प्रताप सिंह ने 32 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम रेड महज 87 रन ही बना सकी और टीम ग्रीन ने 15 रन से मैच जीतकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। फाइनल मुकाबले में प्रतियोगिता की विजेता और उपविजेता टीम को समाजसेवी संजय अरोड़ा और अरविंद पाराशर ने ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए। प्रतियोगिता के बेस्ट बल्लेबाज के रूप में टीम ग्रीन के कप्तान चंद्रशेखर रहे जिन्होंने चार पारियों में 206 की स्ट्राइक रेट के साथ 122 रन बनाए। वही प्रतियोगिता के बेस्ट गेंदबाज के रूप में टीम रेड के कप्तान मनीष सिंह रहे जिन्होंने चार पारियों में 7.75 की इकोनॉमी रेट के साथ 6 विकेट लिए। प्रतियोगिता के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट टीम रेड के अशोक सिंह भाटी रहे जिन्होंने चार पारियों में 6 विकेट और 86 महत्वपूर्ण रन बनाए। इस मौके पर प्रतियोगिता के अतिथि संजय अरोड़ा और अरविंद पाराशर ने कहा की मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और काम की भागदौड़ के बीच खुद को फिट रखने के लिए इस तरह की प्रतियोगिता नियमित रूप से आयोजित होनी चाहिए। उपाध्यक्ष शुभम जैन ने सभी अतिथियों और सहयोगी संस्थाओं का आभार जताया और कहा की भविष्य में भी इस तरह की प्रतियोगिताएं मीडियाकर्मियों के लिए आयोजित होती रहेंगी जिससे आपसी मित्रता और सदभाव की भावना बढ़े।

# तृणमूल ने कांग्रेस से भी ज्यादा ''इलैक्टोरल बॉण्ड'' कैसे ''अर्जित'' किए?

**यह तथ्य उल्लेखनीय इसलिए है, क्योंकि, तृणमूल केवल एक क्षेत्रीय पार्टी है और केवल एक ही राज्य में सरकार है, जबकि, कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है तथा लगभग छः दशकों तक सत्ता में रही है**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल में बड़े स्तर पर जो वसूली रैकेट चला रखा है, वो इलैक्टोरल बॉण्ड के प्रकाशन के साथ उजागर हो गया है। तृणमूल को बंगाल की कम्पनियां द्वारा खरीदे गए इलैक्टोरल बॉण्ड्स से करीब 16 सौ करोड़ रूपयों का चंदा मिला।

यह धन मध्यम आकार की कम्पनियों द्वारा गलाकाट प्रतिस्पर्धा से कमाए जाने वाले धन से अधिक है। तृणमूल कांग्रेस अपनी जेबें भरने के लिये भारतीय उद्योग को निचोड़ने में कैसे समर्थ है।

तृणमूल कांग्रेस ने धन वसूली की कला में महारथ हासिल कर रखी है। उसका एक बड़ा नैटवर्क है, जो प्रसिद्ध से लेकर सामान्य जन से धन वसूलता है। ममता बनर्जी सरकार के कम से कम तीन मंत्री पहले ही जेल में बंद हैं। ये मंत्री हजारों करोड़ का धन हड़प चुके हैं।

अब इलैक्टोरल बॉण्ड्स के खरीददारों की सूची के प्रकाशन और उनके द्वारा दिए गए चंदे ने बंगाल के स्थानीय गुण्डों को मिले बम्पर धन का लिंक दर्शा दिया है।

- **चर्चाओं के अनुसार, यह संभव इसलिए हो पाया, क्योंकि, तृणमूल ने अपने शासनकाल में एक बड़ा और संगठित सिस्टम विकसित कर लिया है, अपने कार्यकर्ताओं और प्रशासन की मदद से, स्थानीय उद्योगपतियों और जनता से वसूली करने के लिए।**
- **चाहे कई दशकों से बंगाल में कोई पूँजी निवेश नहीं हुआ और ना ही नए उद्योग लगे हैं, पर, कुछ स्थानीय कम्पनियों, जैसे, संजीव गोयका समूह, को कोलकाता व आस-पास के क्षेत्रों में बिजली वितरण का एकाधिकार देकर, लगातार भारी वसूली होती है। ऐसा ही एकाधिकार का मामला दूध बेचने वाली जानी मानी कम्पनी कैवन्डर्स का है।**
- **तृणमूल के स्थानीय बाहूबली व मंत्रीगण इस वसूली उद्योग के सजग व उत्साही ''पार्टिसिपैंट'' हैं, अतः भारी रकम के इलैक्टोरल बॉण्ड तृणमूल कांग्रेस को मिलना कोई आश्चर्य की बात नहीं।**

बंगाल में, पिछले ग्यारह वर्षों में ऐसा कोई महत्वपूर्ण निवेश नहीं हुआ है, जिससे की राज्य में नई नौकरियों का सृजन हुआ हो। इस कारण बंगाल से बाहर जाने वाले प्रवासी मजदूरों की संख्या में जबरदस्त उछाल आ गया। कोविड महामारी के दौरान, इस त्रासदी का पैमाना सबके सामने था, जब बहुत सारे प्रवासी मजदूर अचानक से अपने घर लौट रहे थे।

इन छोटी-मोटी त्रासदियों ने यद्यपि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया। वह तो बंगाल में उद्योगों से धन इकट्ठा करने के होड़ पर लग गयी, जो भी बचा-खुचा था।

तृणमूल कांग्रेस एक छोटी क्षेत्रीय पाटी है, जो कि एक राज्य में सत्ता में है। इसका बंगाल के बाहर कोई नामोनिशान नहीं है। पार्टी की जबरन वसूली प्रथाओं पर इस बात का कोई फर्क नहीं पड़ता है। इसने तो कांग्रेस जो कि एक राष्ट्रीय पार्टी है और जो छः दशकों तक सत्ता में रही है, को बहुत पीछे छोड़ दिया है।

कलकत्ता इलैक्ट्रिक सप्लाई कॉरपोरेशन (सी.ई.एस.सी.) और संजीव गोयनका ग्रुप ने बहुत बड़ा योगदान दिया है, जो कि सबसे बड़े योगदानों में से एक है। इसमें कोई अपवाद नहीं है क्योंकि सरकार ने शहर और आसपास के क्षेत्रों में विद्युत वितरण के लिए इन्हें एकाधिकार दिया है। सी.ई.एस.सी. ग्रुप के लिए दूध देती गाय है इसलिए वह ''नजराने'' के तौर पर एक छोटी राशि देने में बुरा नहीं मानेगी।

इसी तरह से, केवेंटर्स, जो कि दूध और दूध उत्पादों के लिए एक घरेलू नाम है, ने बड़े दानदाताओं के लगभग बराबर राशि का अंशदान दिया है। लेकिन सबसे खास बात है कि, आई.टी.सी. ने बहुत ही मामूली चंदा दिया है।

कई दूसरी कम्पनियों ने चुनावी बॉण्ड्स खरीदे हैं, स्पष्ट है कि इनके पास कोई चारा नहीं था।

## दत्तात्रेय होसबाले पुनः संघ के सरकार्यवाह चुने गये

नागपुर 17 मार्च (वार्ता)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने रविवार को दत्तात्रेय होसबाले को पुनः तीन वर्ष के लिए सरकार्यवाह चुन लिया।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के तीन दिन के अधिवेशन के समापन दिवस के पूर्वाह्न के सत्र में वर्ष 2024-27 के सरकार्यवाह के दायित्व के लिए होसबाले पुनः निर्वाचित हुए। होसबाले वर्ष 2021 में पहली बार सरकार्यवाह निर्वाचित हुए थे और तब से इस दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं।

अपराह्न में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि, होसबाले को सर्वानुमति से पुनः तीन वर्ष के लिए सरकार्यवाह के दायित्व के लिए चुना गया है। होसबाले ने कहा कि, पिछली बार उन्हें बेंगलुरु में सरकार्यवाह का दायित्व दिया गया था। उनके मन में नागपुर में ही यह गुरुत्तर दायित्व लेने की इच्छा थी। पर कोविड के कारण प्रतिनिधि सभा की बैठक नागपुर की जगह बेंगलुरु में आयोजित की गयी थी। लेकिन इस बार यह इच्छा भी पूरी हो गयी है।

- **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने दत्तात्रेय होसबाले को पुनः तीन वर्ष के लिए सरकार्यवाह चुन लिया।**

# कर्नाटक में कांग्रेस को उम्मीदवार ढूंढ़ने में छूट रहे हैं पसीने

बैंगुलुरु, 17 मार्च। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है लेकिन, कांग्रेस पार्टी की मुश्किल कम होने का नाम नहीं ले रही है। दक्षिण में अपने मजबूत गढ़ कर्नाटक राज्य में कांग्रेस को लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार ढूंढने में पसीना बहाना पड़ रहा है। आलम यह है कि, पार्टी के दिग्गज चुनाव में उतरने से कतरा रहे हैं। राज्य में दो फेज के तहत 26 अप्रैल और 13 मई को मतदान होना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि, कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में किसी भी मंत्री या विधायक को उम्मीदवार नहीं बनाया। इसके पीछे की वजह यह सामने आई है कि, वे चुनाव लड़ने में अनिच्छा जता रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के लिए यहां जीतने योग्य उम्मीदवारों की तलाश करना मुश्किल दिखाई दे रहा है।

- **पार्टी 7 से 8 मंत्रियों को चुनाव में उतारना चाहती है लेकिन एक भी मंत्री इसके लिए तैयार नहीं है।**

इससे पहले शनिवार को चुनाव आयोग ने सात चरणों के मतदान का ऐलान किया। 19 अप्रैल को पहला मतदान होगा और 1 जून को आखिरी मतदान होना है। 4 जून को मतगणना होगी। चुनाव के ऐलान के साथ ही सभी दल जुट गए हैं। कर्नाटक में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ी जीत के साथ यहां सरकार बनाई है। दक्षिण में कर्नाटक कांग्रेस के मजबूत गढ़ के रूप में उभरकर सामने आया है। हालांकि लोकसभा चुनाव में पार्टी को अपने उम्मीदवार ढूंढने में पसीने छूट रहे हैं।

कांग्रेस को कर्नाटक में सात सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा किए 10 दिन बीत गए हैं लेकिन बाकी की 21 सीटों पर प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। कांग्रेस ने आठ मार्च को जारी अपनी पहली सूची में किसी भी मंत्री तथा विधायक को उम्मीदवार नहीं बनाया था। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व कुछ मंत्रियों और विधायकों को चुनाव लड़ने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा है क्योंकि उन्हें कई निर्वाचन क्षेत्रों में जीतने योग्य उम्मीदवारों को चुनने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने हाल में कहा था कि, पार्टी में सात से आठ मंत्रियों को प्रत्याशी बनाने पर चर्चा की जा रही है। कुछ मंत्री खुद चुनाव लड़ने के बजाय अपने परिवार के सदस्यों को चुनाव लड़ाने पर जोर दे रहे हैं और सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व उनके परिजनों को प्रत्याशी बनाने से जनता के बीच जाने वाले गलत संदेश को लेकर चिंतित दिखायी दे रहा है।

कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि, पार्टी को 2019 के लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था जबकि वह राज्य में जनता दल (सेक्यूलर) के साथ गठबंधन में सत्ता में थी। इसे देखते हुए कई वरिष्ठ नेता लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की संभावनाएं अब भी आशाजनक नहीं दिख रही हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में एम मल्लिकार्जुन खरगे, वीरप्पा मोइली और मुनियप्पा समेत कई शीर्ष नेताओं को हार का सामना करना पड़ा था।

## 'मोदी राजा की आत्मा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से रोकर कहते हैं कि, मुझे शर्म आ रही है कि, इस शक्ति से लड़ने की हिम्मत नहीं है, मैं जेल नहीं जाना चाहता। ऐसे हजारों लोग डराए गए हैं।

बता दें कि, राहुल गांधी ने अपनी न्याय यात्रा मणिपुर से शुरू की थी। मणिपुर को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि, मणिपुर में इसी शक्ति ने सिविल वॉर का माहौल बना रखा है। मैंने सोचा कि, यात्रा वहीं से शुरू होगी और धारावी में खत्म होगी, मुंबई टैलेंट का केंद्र है। यही शक्ति एकसाथ लोगों को बर्बाद करने में लगी है।

राहुल गांधी ने कहा कि, चीन में एक शेनझेन है। धारावी, शेनझेन का मुकाबला कर सकता है, बस उनके लिए बैंक के दरवाजे तो खोलिए। यहां 22 लोगों के पास उतना ही धन है, जितना हिंदुस्तान के 70 करोड़ लोगों के पास है।

राहुल ने भारत के काम करने के सिस्टम के बारे में कहा कि, भारत में एक इंटरनैशनल एयरपोर्ट खुलवाने के लिए साल लग जाते हैं। यहां एक शादी के लिए 10 दिन में इंटरनैशनल एयरपोर्ट खुल जाता है। खोलिए, मगर अन्य प्रदेशों में भी तो एयरपोर्ट खोलिए।

गौरतलब है कि, हाल ही में जामनगर में रिलायंस के प्रमुख मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी का राधिका मर्चेंट के साथ प्री वेडिंग समारोह हुआ था, जिसके चलते जामनगर में 100 से ज्यादा फ्लाइट्स लैंड और टेकऑफ हुई थीं।

बता दें कि, शिवाजी पार्क में हो रही रैली में राहुल के अलावा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आर.जे.डी. समाजवादी पार्टी, शिवसेना (यू.बी.टी.), एन.सी.पी. (शरद गुट), आम आदमी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन की अन्य पार्टियों के नेता मौजूद हैं। इस रैली को विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है।

- **राहुल गांधी ने कहा कि, मैंने कभी यह सोचा भी नहीं था कि, मुझे 4 हजार किलोमीटर से भी ज्यादा की पैदल यात्रा करनी पड़ेगी। लेकिन देश के ध्यान को पकड़ने, देश का और करीब से समझने के लिए मैंने यह यात्रा की है।**

## मु.मंत्री भजनलाल शर्मा के निवास पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के एक होने के बाद कांग्रेस की परेशानियां बढ़ सकती हैं।

चित्तौड़गढ़ सांसद व प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और विधायक चंद्रभान सिंह आक्या में कई साल से मनमुटाव था। दोनों पार्टी के लिए काम कर रहे थे। विधानसभा चुनाव में चित्तौड़गढ़ सीट से टिकट काटे जाने के बाद आक्या ने बगावत कर दी थी। टिकट काटने का आरोप सी.पी. जोशी पर लगाया था। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने निर्दलीय चुनाव लड़ा था और जीते थे। आक्या के सामने भाजपा प्रत्याशी नरपत सिंह राजवी की जमानत जब्त हो गई थी।

गौरतलब है कि, करीब एक सप्ताह पहले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ के बीच भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुलह कराने की कोशिश की थी। मुख्यमंत्री शर्मा की मौजूदगी में हुई इस बातचीत के बाद किसी तरह का बयान सामने नहीं आया है। हालांकि, मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद शेखावत और राठौड़ ने साथ फोटो खिंचवाए। इन फोटो को सार्वजनिक किया गया है। दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से खींचतान रही है।

# मुंबई में राहुल गांधी की रैली से नदारद रहे अखिलेश

मुंबई, 17 मार्च। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर मुंबई में कार्यक्रम आयोजित हुआ है। इस मौके पर विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के कई नेता शामिल हुए हैं। हालांकि, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव इस कार्यक्रम से नदारद रहे। इसे लेकर कई सारे सवाल उठने लगे, जिस पर अब सपा की ओर से सफाई दी गई है। अखिलेश यादव ने मुंबई की मेगा रैली में शामिल नहीं होने को लेकर एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया, चुनाव आयोग ने 20 मार्च से यूपी में नामांकन की तारीखों की घोषणा की है।

इस वजह से मैं भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाया। सपा प्रमुख ने पत्र में कहा आज मुंबई में आपकी (राहुल की) भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन हो रहा है। बहुत कम लोग हैं, जो ऐसी यात्रा कर सकते हैं। आपके इस दृढ़ संकल्प के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपने इस यात्रा की मणिपुर से शुरुआत की, जो भाजपा सरकार की नाकामी के कारण जल रहा है। पूर्वोत्तर से आपने तानाशाह सरकार के विरुद्ध मजबूत संदेश दिया। पूरी यात्रा के दौरान आपकी किसान, नौजवान, महिला, बुजुर्ग समेत समाज के हर वर्ग से मुलाकात हुई और आप उनकी समस्याओं से नजदीक से रूबरू हुए।

## मुस्लिम संगठनों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

26 अप्रैल को केरल और तमिलनाडु में मतदान कराये जाने के बारे में आपत्तियां और चिंताएं जतायी। उन्होंने कहा कि,

- **इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और समस्त केरल सुन्नी स्टूडेंट्स फेडरेशन ने केरल में 26 अप्रैल को जुमे के दिन मतदान की तारीख घोषित करने के फैसले की निंदा की है।**

इससे मुस्लिम समुदाय से संबंधित मतदान अधिकारियों, मतदाताओं या बूथ एजेंटों सहित सामूहिक नमाज (प्रार्थना) अदा करने वाले सभी लोगों को असुविधा होगी।

# डी.एम.के. ने भगवान राम के जवाब में स्थानीय देवता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महा-जनसम्पर्क अभियान (वेल यात्राओं) के अन्तर्गत भगवान मुरूगन पर फोकस किया था। यहाँ धार्मिक भावनाओं के आधार पर राजनीतिक माहौल को गर्माने का भी प्रयास था।

और अब तमिलनाडू सरकार भगवान मुरूगन के लिए एक वैश्विक उत्सव मनाने की योजना बना रही है। शायद यह आयोजन राज्य में बने राम मंदिर के माहौल का एक पलटवार है। स्पष्ट रूप से भाजपा अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के समारोहों के साथ जनता से अपने जुड़ाव में बाजी मारती रही है और इसे लेकर लोगों में वैचारिक समरूपता भी रही है।

सरकार के सूत्र कहते हैं कि भगवान मुरूगन के समारोहों एवं उत्सवों में दुनियाभर से लोग आमंत्रित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के दौरान सम्मेलन और कार्यशालाओं के अलावा रिसर्च पेपर्स के वाचन होंगे। तमिलनाडू सरकार के इस कदम का भाजपा ने विद्रोह किया है। एक राजनैतिक विशेषज्ञ ने कहा कि इसका अर्थ है कि सरकार का तीर निशाने पर लगा है।

अब यह पूर्ण रूप से सुनिश्चित है कि यह चतुराई भरा कदम राम मंदिर की काट के तौर पर उठाया गया है। राजनीति विश्लेषकों का यह मानना और कहना है कि राम मंदिर के मुद्दे से भाजपा के वोटों में किसी प्रकार की भारी बढ़ोतरी नहीं होगी। परन्तु तमिलनाडू सरकार के इस महत्वपूर्ण कदम से प्रदेश में स्पष्ट रूप से बहस व चर्चाएं जरूर शुरु हो जाएंगी।

- **तमिलनाडू सरकार ने भगवान मुरुगन पर एक अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रैंस व अन्य कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की, आगामी जून-जुलाई में। सरकार के अनुसार विश्व भर से इन आयोजनों के लिए श्रद्धालुओं व विचारकों को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर कॉन्फ्रैंस व वर्कशॉप होंगी, जिनमें रिसर्च पेपर भी पढ़े जाएंगे।**
- **तमिलनाडू सरकार ने बजट में तिरुचेन्दूर मुरुगन मंदिर को भव्य बनाने के लिए 300 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है तथा मास्टर प्लान भी तैयार करवाया है। इसी प्रकार पलानी मुरुगन मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 100 करोड़ रूपए आवंटित किए हैं।**
- **भाजपा ने तमिलनाडू डी.एम.के. की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''अब तक तो डी.एम.के. पार्टी ईश्वर में विश्वास नहीं करने के सिद्धांत का ढिंढोरा पीटती थी, पर, भाजपा के सोच व चिंतन को ''कॉपी'' करके, भगवान मुरुगन का इस्तेमाल कर रही है।**

भाजपा ने पहले ही तमिलनाडू सरकार के इस कदम पर सवाल उठाना प्रारम्भ कर दिया है और इस पहल की यह कहते हुए आलोचना की है कि द्रमुक पहले भगवान में विश्वास नहीं करती थी।

भाजपा प्रदेश सचिव आर. श्रीनिवासन ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अब द्रमुक हमारी विचारधारा की नकल कर रही है।

तमिलनाडू प्रदेश हिन्दू धर्म व धर्मार्थ संस्थानों के मंत्री, पी.के. शेखर बाबू ने सरकार के इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि उनकी सरकार भगवान मुरूगन पर व्यय करती रही है। शेखर बाबू ने यह भी स्पष्ट किया कि ''हमने प्रदेश के मास्टर प्लान में तिरूचेन्दुर मुरूगन मंदिर का जीर्णोद्धार करने के लिए 300 करोड़ रूपये आवंटित किया है तथा इसके साथ ही पलानी मुरूगन मंदिर का जीर्णोद्धार करने के लिए भी 100 करोड़ रूपये का फंड आवंटित किया है।''




राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908